रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित ** रांची, गुरुवार 15 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 11 संवत 2081 मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 128 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

78वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

पृष्ठ : 24 (12+12 पेज का स्वतंत्रता दिवस परिशिष्ट)

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

झारखण्ड सरकार GOVERNMENT OF JHARKHAND

समस्त प्रदेश एवं देशवासियों को

स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

मैं स्वतंत्र हूँ, पढ़ाई के छोटे-मोटे खर्चों से, मुझे मिला **सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का लाभ**

मैं स्वतंत्र हूँ, विदेश में उच्च शिक्षा के लिए, मुझे मिला **मरङ गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना का लाभ**

मैं स्वतंत्र हूँ, रोजमर्रा की आर्थिक परेशानी से, मेरा **झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना में हुआ निबंधन**

मैं स्वतंत्र हूँ, पलाश ब्रांड ने मुझे दिया आर्थिक स्वावलंबन

मैं स्वतंत्र हूँ, उच्च/तकनीकी शिक्षा के लिए, मुझे मिला **गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ**

मैं स्वतंत्र हूँ, कृषि ऋण की चिंता से, मुझे मिला **झारखण्ड कृषि ऋण माफ़ी योजना का लाभ**

मैं स्वतंत्र हूँ, बुढ़ापे की आर्थिक समस्या से, मुझे मिला **सर्वजन पेंशन योजना का लाभ**

मैं स्वतंत्र हूँ, बीमारी में खर्च की चिंता से, सरकार दे रही है **अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना का लाभ**

आइये हमसब मिलकर झारखण्ड के वीर सपूतों और वीरांगनाओं के सोना झारखण्ड के सपनों को साकार करने में अपना योगदान दें।

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

झारखंड पुलिस के अफसरों ने सरकार का कराया नुकसान

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड पुलिस के अफसरों की वजह से राज्य सरकार को पिछले डेढ़ दशक से ज्यादा समय से अरबों का नुकसान उठाना पड़ा है. दरअसल केंद्र सरकार से मिलने वाले सुरक्षा संबंधी व्यय (एसआरई) फंड से झारखंड पुलिस ने कई जिलों में किराये पर चार पहिया वाहन लिया. इसका इस्तेमाल नक्सल अभियान, विधि व्यवस्था और अफसरों के आने-जाने को लेकर किया गया. लेकिन इस दौरान मोटर अधिनियम का खुलेआम उल्लंघन किया गया. नियम के अनुसार, सरकारी कार्यालयों में किराये और लीज पर चलने वाले सभी वाहनों का कॉमर्शियल निबंधन होना चाहिए. साथ ही उस पर पीला नंबर प्लेट लगाना अनिवार्य है. लेकिन झारखंड पुलिस ने जितने भी किराये पर चार पहिया वाहन लिये थे, उसमें से अधिकतर वाहनों में पीले नंबर प्लेट की जगह प्राइवेट नंबर वाले सफेद प्लेट लगे थे. इसको लेकर झारखंड पुलिस अफसरों ने कोई आपत्ति भी नहीं जतायी और वाहन के मालिक ने टैक्स बचाने के लिए बिना कमर्शियल नंबर के वाहनों को किराये पर लगा दिया.

क्या है एसआरई फंड

एसआरई फंड केंद्र सरकार की ओर से नक्सलवाद और उग्रवाद प्रभावित राज्यों को उपलब्ध करायी जाती है. ताकि परिवहन, संचार, वाहनों को किराये पर लेना, आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को स्टाइपेंड देना और सुरक्षा बलों के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण जैसे सुरक्षा संबंधी व्यय की भरपाई की जा सके. दरअसल राज्यों की ओर से धन मिलने में देरी होने की वजह से जवानों के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण में काफी विलंब हो जाता था. इसीलिए केंद्र सरकार ने यह फैसला लिया है. गौरतलब है कि एसआरई फंड उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र में पुलिस बल को साधन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भी खर्च किया जाता है.

एसआरई फंड से कौन-कौन से काम होते हैं

- उग्रवादी हिंसा में मारे गये नागरिकों/सुरक्षाबल के परिवारों को अनुग्रह राशि का भुगतान करना के लिए.
- सरेंडर करने वाले नक्सली को मुआवजा देने के लिए.
- फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन के निर्माण के लिए.
- सिविक एक्शन प्रोग्राम के लिए.
- उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में सड़क निर्माण के लिए.
- नक्सल विरोधी अभियानों में हेलीकॉप्टर मुहैया कराने के लिए.
- चार पहिया और दो पहिया वाहन के लिए.
- पुलिस पिकेट बनाने के लिए.
- उग्रवाद प्रभावित राज्यों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती के लिए.

झारखंड में सिर्फ पांच जिले नक्सल प्रभावित

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने झारखंड में नक्सल प्रभावित जिलों के आधार पर श्रेणीकरण कर राज्य सरकार को रिपोर्ट भेजी थी. इस रिपोर्ट के मुताबिक, झारखंड में अब पांच जिले ही नक्सल प्रभावित रह गये हैं. इनमें गिरिडीह, गुमला, लातेहार, लोहरदगा और पश्चिमी सिंहभूम का नाम शामिल है. वहीं देश के पांच राज्यों के 12 सबसे अधिक नक्सल प्रभावित जिलों की श्रेणी में झारखंड का सिर्फ पश्चिमी सिंहभूम जिले के नाम शामिल हैं.

उपराष्ट्रपति से मिले राज्यपाल गंगवार

झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से नयी दिल्ली में उनके निवास स्थान पर मुलाकात की. इसे शिष्टाचार भेंट बताया गया.

रिटायरमेंट की उम्र सीमा बढ़ाने की मांग

राज्यभर के ढाई लाख कर्मचारी पदाधिकारी आंदोलन की राह पर

- कर्मचारी संगठन ने सीएम हेमंत सोरेन को सौंपा ज्ञापन
- पदाधिकारी-कर्मचारी संघों का तर्क : शारीरिक एवं मानसिक रूप से तंदुरूस्त व कार्य करने में हैं सक्षम

आंध्र प्रदेश की तर्ज पर रिटायरमेंट एज 60 से 62 करने की मांग पर अड़े

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य के विभिन्न कर्मचारी संघ आंदोलन की राह पर हैं. कर्मचारी संघों के बैनर तले लगभग 2.50 कर्मचारी-पदाधिकारियों से रिटायरमेंट की उम्र सीमा 60 से 62 साल करने की मांग की है. इन कर्मचारी संघों का कहना है कि झारखंड में भी आंध्रप्रदेश की तर्ज पर रिटायरमेंट की उम्र सीमा 60 से 62 साल होनी चाहिए. आंध्र प्रदेश में पदाधिकारियों और कर्मचारियों की रिटायरमेंट की उम्र सीमा बढ़ा दी गई है. सचिवालय सेवा संघ ने सीएम को ज्ञापन सौंप रिटायरमेंट की उम्र सीमा 60 से 62 साल करने की मांग की है. संघ के अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद ने कहा है कि आंध्र प्रदेश में इसे लागू कर दिया गया है. इस दिशा में झारखंड सरकार को भी सकारात्मक पहल करनी चाहिए.

डिप्लोमा अभियंता संघ ने भी उम्र सीमा बढ़ाने की मांग की

डिप्लोमा अभियंता संघ ने भी रिटायरमेंट की उम्र सीमा 60 से 62 साल करने की मांग की हैय संघ के अध्यक्ष गुप्तेश्वर राम ने कहा है कि सेवानिवृति के समय अभियंता अपने कार्यों में काफी कुशल एवं अनुभवी होते हैं. उनके कार्यकुशलता एवं अनुभव को उपयोग राज्यहित में किया जा सकता है, जिससे राज्य के विकास को गति मिल सकती है. संघ की ओर से कहा गया है कि इपीएफओ के द्वारा राज्य सरकार के अभियंताओं की रिटायरमेंट की उम्र सीमा 60 से 62 साल करने की सलाह दी है.

एसटी-एससी कर्मचारी संघ | राज्य के अनुसूचित जाति- अनुसूचित जनजाति कर्मचारी संघ ने सेवानिवृति की उम्र सीमा 60 से 62 साल करने की मांग की है। संघ के अध्यक्ष राकेश प्रसाद ने इस बाबात मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी सौंपा है.

झारखंड वित्त सेवा के पदाधिकारियों ने की मांग : झारखंड वित्त सेवा के पदाधिकारियों ने भी रिटायरमेंट की उम्र सीमा 60 से 62 साल करने की मांग की है. संघ के अध्यक्ष विनय कुमार सिन्हा ने कहा है कि वर्ष 1998 में केंद्र सरकार द्वारा सेवानिवृत्ति की उम्र को 58 वर्ष से बढ़ाकर 60 वर्ष किया गया. वर्ष 1998 से लेकर अबतक भारत में जीवन प्रत्याशा वृद्धि होकर लगभग 62 वर्ष से 70 वर्ष हुई है. वर्तमान में झारखण्ड वित्त सेवा के सेवानिवृत्त प्राप्त करने वाले समस्त पदाधिकारीगण शारीरिक एवं मानसिक रूप से तंदुरूस्त एवं कार्य करने में सक्षम है, जिनके पास समस्त सेवा काल का राजस्व संग्रहण संबंधी सबसे अच्छा सेवानुभव है, जो राज्य के समग्र विकास के लिए वृहतर रूप से लाभ मिल सकता है. वित्त सेवा के पदाधिकारियों के सेवानिवृत्ति उपरांत राज्य सरकार के अन्य विभागों एव विभिन्न सस्थानों में इनके वित्त वलेखादि संबंधी सेवानुभव व कार्यकुशलता का लाभ प्राप्त करने हेतु तत्पर रहते हैं और वित्तीय सलाहकार आदि के पदों पर नियुक्त होकर सेवा दे रहे हैं. सेवानिवृत्ति की उम्र बढ़ाने से कर्मियों को पेंशन के भुगतान को फलस्वरूप उत्पन्न वित्तीय भार को कम किया जा सकता है.

ऊर्जा विभाग के पुनर्गठन के बाद हुई पहली पोस्टिंग

रांची। ऊर्जा विभाग का पुनर्गठन और विस्तार के बाद पहली पोस्टिंग कर दी गयी है. मालूम हो कि विगत नौ जुलाई को मुख्य विद्युत अभिंयता निरीक्षक के एक अतिरिक्त पद का सृजन किया गया था. इस प्रकार विभाग अंतर्गत मुख्य अभियंता सह मुख्य विद्युत निरीक्षक के समेकित पद को अलग-अगल कर दिया गया है. ऐसे में अगम प्रसाद जो मुख्य विद्युत अभिंयता सह मुख्य विद्युत निरीक्षक के पद पर पदास्थापित हैं, उन्हें पृथक पद मुख्य विद्युत निरीक्षक विद्युत निरीक्षणालय रांची के पद पर पदास्थापित किया गया है. वहीं विजय कुमार सिन्हा वरीय विद्युत निरीक्षक को उनके अपने वेतनमान पर मुख्य विद्युत अभियंता के पृथक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है.

राहुल के बुलावे पर दिल्ली पहुंचीं विधायक शिल्पी नेहा तिर्की, कई मुद्दों पर हुई चर्चा

विशेष संवाददाता। रांची

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के विशेष आमंत्रण पर कांग्रेस विधायक शिल्पी नेहा तिर्की दिल्ली गयीं. बुधवार को उनकी मुलाकात राहुल गांधी से हुई. तिर्की ने कहा कि उन्होंने राहुल गांधी से बस एक ही बात कही कि कांग्रेस पूरे देश में लोगों के दिलों में है. आम जनमानस की भावनाओं को समझकर यदि रणनीति तैयार की जाए, तो इसका सकारात्मक परिणाम होगा. इसके साथ ही अनेक वैसी जटिल समस्याओं के समाधान में सहायता मिलेगी जो पिछले 10 साल में पैदा हुई है. 13 अगस्त को राहुल गांधी के कार्यालय से उन्हें फोन आया और 14 अगस्त को होने वाली विशेष बैठक और मुलाकात के लिए आमंत्रित किया गया.

राहुल ने संगठनात्मक और सरकार के कार्यों की जानकारी ली. राहुल गांधी ने नेता तिर्की से झारखंड में कांग्रेस की संगठनात्मक स्थिति के साथ ही सरकार की गतिविधियों की भी जानकारी ली.

कोर्ट की खबरें

सचिवालय घेराव केस : अर्जुन मुंडा, बाबूलाल व संजय सेठ के खिलाफ धुर्वा थाना में दर्ज एफआईआर रद्द

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, केंद्रीय राज्य मंत्री संजय सेठ और धनबाद सांसद ढुल्लू महतो समेत दो दर्जन से ज्यादा भाजपा नेताओं को को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है. बुधवार की सुनवाई के दौरान अदालत ने 28 प्रार्थियों के खिलाफ प्राथमिकी को रद्द कर दिया है. दरअसल पिछले वर्ष भाजपा के सचिवालय घेराव कार्यक्रम में हुए उपद्रव के बाद तीन पूर्व सीएम, आधा दर्जन सांसद समेत 41 लोगों पर धुर्वा थाना में केस दर्ज किया गया है, जिसका कांड संख्या 107/2023 है. आरोपियों पर उपद्रव करने, दंगा भड़काने, सरकार के निर्देशों का उल्लंघन करने, सरकारी कार्य में बाधा डालने आदि से संबंधित धाराएं लगायी गयी हैं.

विश्वनाथ शुक्ल को बनाया गया चीफ जस्टिस का ओएसडी, फहीम किरमानी का बोकारो ट्रांसफर

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने जिला जज रैंक के नौ न्यायिक पदाधिकारियों की ट्रांसफर पोस्टिंग की है. इसकी नोटिफिकेशन जारी कर दी है. ट्रांसफर पोस्टिंग का नोटिफिकेशन जारी होने के बाद इन्हें अविलंब नए पदस्थापन वाली जगह पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है. सूची के मुताबिक, हाईकोर्ट के वर्तमान रजिस्ट्रार मोहम्मद शाकिर का चाईबासा कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश के पद पर तबादला किया गया है. विश्वनाथ शुक्ल को हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस का ओएसडी नियुक्त किया गया है. साथ ही फहीम किरमानी को बोकारो के तेनुघाट और बेरमो कोर्ट में जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद पर नियुक्त किया गया है.

आदिवासी समाज के साथ-साथ सभी को चौकन्ना रहने की जरूरत

बांग्लास्तान नामक देश बनाने की चल रही साजिश : बाबूलाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड के बड़े हिस्से (संताल बहुल इलाके) को बांग्लास्तान देश बनाने की साजिश चल रही है. बाबूलाल ने खुफिया एजेंसियों का हवाला देकर एक्स पर पोस्ट में लिखा कि झारखंड के बड़े हिस्से (संताल बहुल इलाके), बिहार का किशनगंज, पश्चिम बंगाल, अधिकांश उत्तर पूर्वी राज्य, नेपाल और म्यांमार के कुछ हिस्से को मिलाकर बांग्लास्तान नामक देश बनाने की साजिश चल रही है. पांच अगस्त को शेख हसीना सरकार की तख्तापलट के बाद कट्टरपंथी गजवातुल-हिंद (गैर मुसलमानों के खिलाफ युद्ध) और इस्लामिक बांग्लादेश के मकसद को पूरा करने की जुगत में लगे हैं. बांग्लादेश में उत्पन्न हालात और कट्टरपंथियों का खतरनाक मंसूबा पूरे देश के साथ-साथ झारखंड के लिए भी अत्यंत संवेदनशील है.

झारखंड में सवाल पूछना मना है : बाबूलाल मरांडी ने अपने दूसरे पोस्ट में कहा कि झारखंड में सवाल पूछना मना है. सवाल कैसा भी हो, सवाल का उद्देश्य कैसा भी हो, हेमंत सोरेन के निर्देशानुसार- झारखंड में शासन और प्रशासन से सवाल पूछने की सख्त पाबंदी है, इसके बाद भी अगर आपने हिम्मत करके हिम्मतवाली सरकार से सवाल पूछने की जुर्रत भी की, तो तैयार हो जाइये पुलिस की लाठी खाने को, तैयार हो जाइये अपनी हड्डियां तुड़वाने को.

एक अस्पताल में तैनात बाउंसरों के कृत्य पर भी उठाए सवाल : बाबूलाल ने आगे लिखा कि ऐसी ही घटना राजधानी रांची से सामने आयी है, जहां परिवार के लोगों की बस एक गलती थी कि उन्होंने इलाजरत अनुमाला देवी की मौत के कारणों के बारे में अस्पताल प्रशासन से पूछ लिया. फिर क्या जैसा हाल हेमंत सरकार से सवाल पूछने पर पुलिस की लाठी करती है, वैसा ही हाल अस्पताल प्रशासन में तैनात बाउंसरों ने परिवारवालों के साथ किया. इन सबके बाद एक सवाल सबके सामने खड़ा हो जाता है कि हेमंत है, तो हिम्मत है, लेकिन किसको, सिर्फ पुलिस और प्रशासन को?

एक्शन में चीफ सेक्रेट्री: मांगी स्वीकृत योजनाओं के प्रगति की रिपोर्ट

रांची । राज्य के चीफ सेक्रेट्री एल खियांग्यते पूरी तरह से एक्शन में हैं. अब उन्होंने पिछले छह महीने के अंदर कैबिनेट की हुई बैठक में जिन योजनाओं को स्वीकृति दी गई है, उनके क्रियान्वयन से संबंधित पूरी रिपोर्ट संबंधित विभागों से मांगी है. साथ ही योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं से भी अवगत कराने को कहा है. चीफ सेक्रेट्री ने लोकहित और जनकल्याणकारी योजनाओं को जल्द पूरा करने का भी निर्देश दिया है. सभी योजनाओं को छह महीने के अंदर पूरा करने का भी निर्देश दिया है. इसे लेकर विभाग के पदाधिकारी रेस हो गए हैं. चीफ सेक्रेट्री ने विभागीय स्तर पर नीतियों की समीक्षा करने को कहा है. साथ ही खामियों को जल्द से जल्द दूर करने की बात भी कही है.

क्लासिफाइड

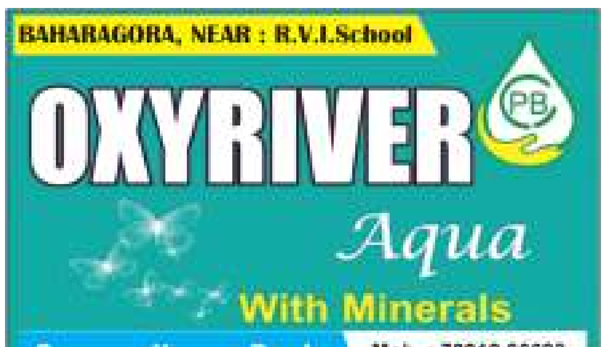

78वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

पृष्ठ : 24 (12+12 पेज का स्वतंत्रता दिवस परिशिष्ट)

रांची, गुरुवार 15 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 11 संवत 2081 | मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 128 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

छुट्टी की सूचना

78वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में दैनिक शुभम संदेश और लगातार .इन का कार्यालय गुरुवार 15 अगस्त 2024 को बंद रहेगा. अत: अखबार का अगला अंक शनिवार 17 अगस्त 2024 को आएगा. शुभम संदेश के सभी पाठकों, शुभेच्छुओं और विज्ञापनदाताओं को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं.

– संपादक

सर्राफा

सोना (बिक्री)	66,200
चांदी (किलो)	85,000

ब्रीफ खबरें

केजरीवाल को अंतरिम जमानत से इनकार

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कथित आबकारी नीति घोटाले में सीबीआई द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार मामले में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने से बुधवार को इनकार कर दिया. न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने सीबीआई को नोटिस भी जारी किया. इस मामले की अगली सुनवाई 23 अगस्त को होगी.

देश का व्यापार घाटा 23.5 अरब डॉलर रहा

नयी दिल्ली। भारत का वस्तुओं का निर्यात जुलाई में सालाना आधार पर 1.2 प्रतिशत घटकर 33.98 अरब डॉलर रहा है. एक साल पहले इसी महीने में यह आंकड़ा 34.39 अरब डॉलर था. वहीं, देश का आयात जुलाई में करीब 7.45 प्रतिशत बढ़ कर 57.48 अरब डॉलर हो गया. इससे देश का व्यापार घाटा जुलाई में 23.5 अरब डॉलर रहा है.

अप्रैल 2005 से खनिजों पर रॉयल्टी का बकाया वसूल सकेंगे राज्य

झारखंड को मिलेगी 1.36 लाख करोड़ की रॉयल्टी

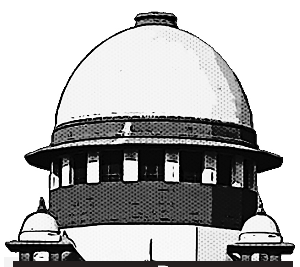

सुप्रीम फैसला

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने कहा- ऐतिहासिक फैसला, मांग सफल हुई

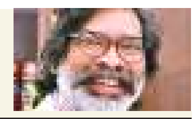

- **एक अप्रैल 2026 से 12 वर्ष में खनन कंपनियां व केंद्र लौटाएगी बकाया**
- **कर की मांग एक अप्रैल 2005 से पहले के लेन-देन पर लागू नहीं**

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली/रांची

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को एक अप्रैल 2005 के बाद से केंद्र सरकार, खनन कंपनियों से खनिज संपन्न भूमि पर रॉयल्टी का पिछला बकाया वसूलने की अनुमति दे दी. अदालत ने कहा कि केंद्र, खनन कपंनियों द्वारा खनिज संपन्न राज्यों को बकाये का भुगतान अगले 12 वर्ष में क्रमबद्ध तरीके से किया जा सकता है. इसके साथ ही खनिज संपन्न राज्यों को रॉयल्टी के बकाया भुगतान पर किसी तरह का जुर्माना न लगाने का निर्देश दिया है. संविधान पीठ की अध्यक्षता कर रहे सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि राज्य पिछले कर का दावा कर सकते हैं, लेकिन शर्तों के साथ कि कर की मांग एक अप्रैल 2005 से पहले के लेन-देन पर लागू नहीं होगी.

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए खुशी जाहिर की है. उन्होंने कहा है कि झारखंड के लिए यह बड़ी जीत है. हम लंबे समय से इसकी मांग कर रहे थे. इस ऐतिहासिक फैसले से हमारी मांग सफल हुई. सीएम ने कहा कि केंद्र सरकार झारखंड की जनता का हक मार रही थी. सुप्रीम फैसले के बाद झारखंड को 1.36 लाख करोड़ मिलेंगे. उन्होंने कहा कि अब हमें 2005 से खनिज रॉयल्टी का बकाया मिलेगा. 12 साल में चरणबद्ध तरीके से यह भुगतान होगा. राज्यवासियों का हक सुरक्षित होने के साथ इन पैसों का उपयोग जन-कल्याण में होगा और हर झारखंडवासी को इसका पूरा लाभ मिलेगा.

संवैधानिक पीठ ने केंद्र की याचिका खारिज कर दी

सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ ने 25 जुलाई के अपने फैसले को आगामी प्रभाव से लागू करने की केंद्र की याचिका बुधवार को खारिज कर दी, जिसमें राज्यों के पास खदानों और खनिज युक्त भूमि पर कर लगाने के विधायी अधिकार को बरकरार रखा गया था. सीजेआई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ ने कहा कि 25 जुलाई के आदेश को आगामी प्रभाव से लागू करने की दलील खारिज की जाती है. कर की मांग के भुगतान का समय एक अप्रैल 2026 से शुरू होकर 12 वर्षों में किस्तों में बांटा जाएगा.

केंद्र ने राज्यों को रॉयल्टी लौटाने का विरोध किया था

केंद्र ने खनिज संपन्न राज्यों को 1989 से खनिजों और खनिज युक्त भूमि पर लगाई गई रॉयल्टी उन्हें वापस करने की मांग का विरोध करते हुए कहा था कि इसका असर नागरिकों पर पड़ेगा. प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) को अपने खजाने से 70,000 करोड़ रुपये निकालने पड़ेंगे. सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि इस फैसले पर पीठ के आठ न्यायाधीश हस्ताक्षर करेंगे, जिन्होंने बहुमत से 25 जुलाई को फैसला दिया था, जिसमें राज्यों को खनिज युक्त भूमि पर कर लगाने का विधायी अधिकार दिया गया था. उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति नागरत्ना बुधवार के फैसले पर हस्ताक्षर नहीं करेंगी, क्योंकि उन्होंने 25 जुलाई को अलग फैसला दिया था.

कोर्ट ने पूर्व में कहा था- खनिजों पर दी जानेवाली रॉयल्टी कर नहीं : संविधान पीठ ने 25 जुलाई को 8:1 के बहुमत वाले फैसले में कहा था कि राज्यों के पास खदानों और खनिज युक्त भूमि पर कर लगाने का विधायी अधिकार है और खनिजों पर दी जाने वाली रॉयल्टी कोई कर नहीं है. इस फैसले ने 1989 के उस निर्णय को पलट दिया था जिसमें कहा गया था कि केवल केंद्र के पास खनिजों और खनिज युक्त भूमि पर रॉयल्टी लगाने का अधिकार है. इसके बाद कुछ विपक्षी दल शासित खनिज संपन्न राज्यों ने 1989 के फैसले के बाद से केंद्र द्वारा लगाई गई रॉयल्टी और खनन कंपनियों से लिए गए करों की वापसी की मांग की थी.

मोरहाबादी मैदान में मुख्यमंत्री और दुमका में राज्यपाल करेंगे झंडोत्तोलन

संवाददाता। रांची

78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार की सुबह नौ बजे झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रांची के मोरहाबादी मैदान में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे. इस अवसर पर मुख्यमंत्री कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कर सकते हैं. वहीं, राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार उपराजधानी दुमका में ध्वजारोहण करेंगे. हेमंत कैबिनेट के मंत्रियों द्वारा भी अपने-अपने जिले में झंडोत्तोलन किया जाएगा. इनमें कैबिनेट मंत्री चंपाई सोरेन सरायकेला-खरसावां, मंत्री रामेश्वर उरांव लोहरदगा, सत्यानंद भोक्ता चतरा, बैद्यनाथ राम लातेहार, दीपक बिरुआ पश्चिमी सिंहभूम, बन्ना गुप्ता पूर्वी सिंहभूम, इरफान अंसारी जामताड़ा, मिथिलेश कुमार ठाकुर गढ़वा, हफीजुल हसन देवघर, बेबी देवी बोकारो और दीपिका पांडेय सिंह गोड्डा जिले में ध्वजारोहण करेंगी.

लाल किला की प्राचीर से देश को संबोधित करेंगे पीएम

दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करेंगे. इस बार कार्यक्रम में लाल किले पर समारोह को देखने के लिए करीब 6,000 विशेष मेहमानों को आमंत्रित किया गया है. पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाले भारतीय दल को भी आमंत्रण भेजा गया है. 15 अगस्त की सुबह 7.17 बजे पीएम मोदी लाल किला पहुंचेंगे. 7.19 बजे उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा. 7.26 बजे पीएम मोदी तीनों सेनाओं के अध्यक्षों से मुलाकात करेंगे और 7.30 बजे ध्वजारोहण करेंगे. इसके बाद 7.33 बजे पीएम देश को संबोधित करेंगे.

पीएम नरेंद्र मोदी ने विभाजन पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के मौके पर देश के बंटवारे के दौरान अपनी जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की. उन्होंने कहा कि आज के दिन वह राष्ट्र में एकता और भाईचारे के बंधन की रक्षा करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराते हैं. उल्लेखनीय है कि पीएम मोदी ने वर्ष 2021 में 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी. मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर, हम उन अनगिनत लोगों को याद करते हैं जो विभाजन की भयावहता के कारण प्रभावित और पीड़ित हुए. यह उनके साहस को श्रद्धांजलि देने का भी दिन है, जो मानव प्रतिरोध की शक्ति को दर्शाता है.

मुठभेड़ में सेना के कैप्टन शहीद, चार आतंकवादी ढेर

डोडा में मुठभेड़ के दौरान कैप्टन दीपक सिंह गंभीर रूप से घायल हो गये थे

एजेंसी। जम्मू

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के ऊंचाई वाले इलाके में बुधवार को आतंकवादियों की तलाशी के लिए चलाए जा रहे अभियान में सेना का एक कैप्टन शहीद हो गया. अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ में चार आतंकवादी मारे गए हैं.

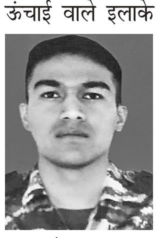

शहीद कैप्टन दीपक सिंह (फाइल फोटो)

सेना के अधिकारियों ने बताया कि बुधवार की सुबह करीब 7.30 बजे आंतकवादियों से मुठभेड़ में कैप्टन दीपक सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए. उन्हें सैन्य अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली. अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ स्थल से चार बैग मिले हैं, जिनमें खून लगा है. इससे यह समझा जा रहा है कि मुठभेड़ में चार आतंकवादी मारे गए हैं. साथ ही वहां से एम-4 कार्बाइन भी बरामद की गई है. एडीजीपी आनंद जैन ने बताया कि इलाके में अभियान अब भी जारी है. सेना ने कैप्टन की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि व्हाइट नाइट कोर' के सभी रैंक बहादुर कैप्टन दीपक सिंह के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं. बता दें कि कैप्टन दीपक भारतीय सेना के 48 राष्ट्रीय राइफल्स में तैनात थे.

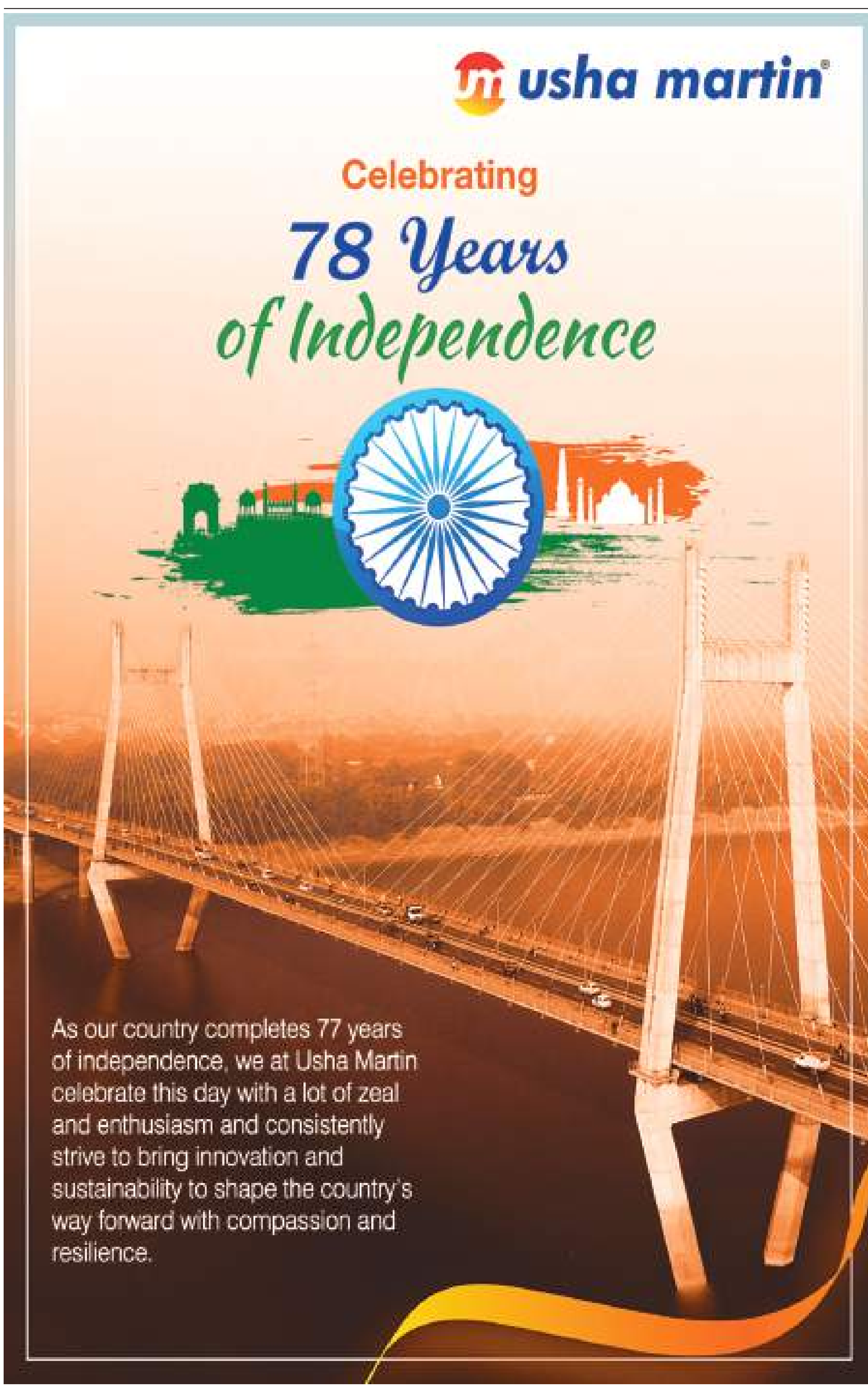

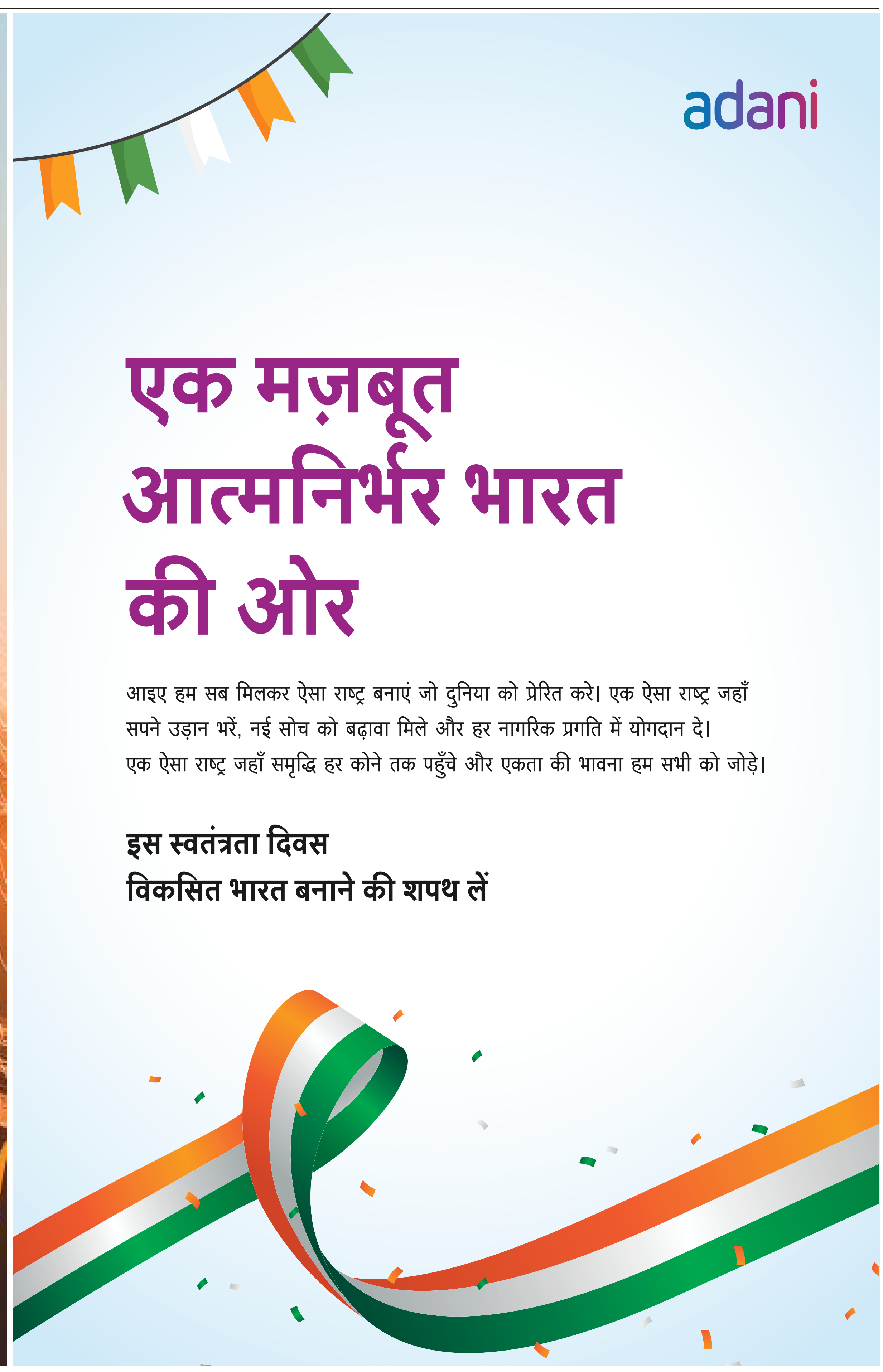

भाजपाइयों ने भारत विभाजन के दुखद पहलू पर की चर्चा

संवाददाता । आदित्यपुर

बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष उदय सिंहदेव की अध्यक्षता में विभाजन की विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर एसिया भवन आदित्यपुर में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया. स्वागत भाषण में जिलाध्यक्ष उदय सिंहदेव ने कहा आज बंगाल के हालात हिंदुओं के लिए विभाजन के दिनों जैसे बने हुये हैं. विभाजन के वक्त वैसा ही दृश्य बना हुआ था. बंटवारे के बाद पाकिस्तान और बांग्लादेश भी सेकुलर मुल्क थे आज वह इस्लामिक देश हो गये. हमारे लिये यह दिन याद रखने और सबक सीखने वाला है. मुख्य वक्ता के रूप में दिनेशानंद गोस्वामी ने अपने संबोधन में कहा 14 अगस्त को अब हर साल विभाजन विभीषिका दिवस मनाया जाता है. किताबों में इस विभीषिका का जैसा जिक्र होना चाहिये वह नहीं है. 190 साल स्वतंत्रता का आंदोलन चला तब जाकर देश आजाद हुआ. मजहब के आधार पर बंगभंग अर्थात् बंगाल विभाजन के बाद पूरे देश में आंदोलन खड़ा हुआ. लाल, बाल, पाल के रूप में देश को नेतृत्व मिला. दूसरे विश्वयुद्ध के वक्त अंग्रेज कमजोर हो गये थे. गांधी जी अंग्रेजों द्वारा सहयोग मांगने पर अंग्रेजों के समर्थन में आगे आये. आजादी के वक्त अखंड भारत में कुल 11 प्रांत थे, जिसमें आज 4 पाकिस्तान में चले गये. आजादी मिलने के समय मुसलिम लीग ने डायरेक्ट ऐक्सन का ऐलान किया और पूरे देश में दंगा फैल गया. देश भर में कत्लेआम शुरू हो गया. कोलकाता में ही लाखों लोग हिंसा के शिकार हुये. लाहौर का हाल सबसे बुरा था, नालियों में खून बह रहे थे. डेढ़ करोड़ लोगों का विस्थापन हुआ. रेलों में भर भर कर भारत लाशें आई. सरकारी आंकड़ो में छह लाख हिंदुओं की हत्या हुई. शैलेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा आज भी विभाजन करने वाली शक्तियां समाज में सक्रिय है. राहुल गांधी खुलेआम उन शक्तियों का समर्थन करते है. रमेश हांसदा ने अपने संबोधन में कहा आजादी के बाद विभाजन की विभीषिका पर कभी चर्चा नहीं हुई.

भाजपा नेता ने अश्लील वीडियो वायरल करने की बात स्वीकारी

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता की कथित अश्लीलता भरा वीडियो वायरल करने के मामले में बुधवार को भाजपा नेता विकास सिंह से साइबर थाने में पूछताछ हुई. इस दौरान विकास सिंह ने विडियो वायरल करने की बात स्वीकार की. साथ ही कहा कि ऐसी अभद्र हरकत को वे खुलेआम सार्वजनिक करेंगे. उन्होंने पुलिस को गिरफ्तार करने की भी चुनौती दी. साइबर थाना के प्रभारी श्रीनिवास प्रसाद ने ने जब भाजपा नेता से पूछा तो उन्होंने विडियो वायरल करने की बात स्वीकार की. साथ ही पुलिस से इस मामले की एफएसएल रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की. कहा कि उक्त वीडियो मोबाइल का स्क्रीन रिकॉर्डिंग है इससे बड़ा और क्या साक्ष्य हो सकता है. कहा कि उन्हें बार-बार नोटिस भेजकर उन्हें तथा परिजनों को मानसिक रुप से परेशान किया जा रहा है. कहा कि मंत्री बन्ना गुप्ता के दर्जनों शर्मसार करने वाली ऑडियो रिकॉर्डिंग भी उनके के पास है जो समय-समय में सुनाया और दिखलाया जाएगा. थाना पर भाजपा नेता अपनी स्वीकारोक्ति से जुड़े पोस्टर भी लहराए.

भाजपा जिला मंत्री गीता मुर्मू ने लालडीह मुहल्ला में चलाया हर घर तिरंगा अभियान

घाटशिला : भाजपा जिला मंत्री गीता मुर्मू ने बुधवार को घर घर तिरंगा अभियान के तहत परमबहाल पंचायत के लालडीह मुहल्ला में हर घर तिरंगा जन संपर्क अभियान चलाया. इस दौरान उन्होंने हर घर में झंडा लगाकर पूरे मुहल्ला वासियों को राष्ट्रीय ध्वज के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए कहीं कि तिरंगा हम सभी देशवासी और देश का आन बन शान का प्रतीक है. गीता मुर्मू ने घाटशिला वासियों से अपील की है कि सभी लोग अपने-अपने घरों, दुकान प्रतिष्ठान और दफ्तर में झंडा लगाएं.

भाजपा महिला मोर्चा का उपायुक्त कार्यालय पर हल्ला बोल, प्रदर्शन

जमशेदपुर । झारखंड में महिलाओं पर बढ़ते अपराध, अत्याचार और दुष्कर्म की घटनाओं के खिलाफ भाजपा महिला मोर्चा ने बुधवार को उपायुक्त कार्यालय पर हल्ला बोला. इस दौरान महिलाओं ने जमकर प्रदर्शन किया तथा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की. महानगर मोर्चा की जिलाध्यक्ष ज्योति अधिकारी एवं पूर्वी सिंहभूम मोर्चा अध्यक्ष माला डे के नेतृत्व में महिलाओं ने आक्रोश प्रदर्शन किया. साकची स्थित जिला भाजपा कार्यालय से पुराना बुक स्टोर के रास्ते सरकार विरोधी नारेबाजी करते हुए हाथों में पोस्टर लेकर सभी महिलाएं उपायुक्त पहुंची.

अंडर 14 फुटबॉल प्रतियोगिता में शामिल हुए विधायक मंगल

जमशेदपुर । स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र के शंकरपुर में आदिवासी संजय गांधी मेमोरियल क्लब की ओर से आयोजित अंडर 14 फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधायक मंगल कालिंदी शामिल हुए. इस दौरान उन्होंने फुटबॉल को किक मारकर खेल का शुभारंभ किया और खिलाड़ियों से मिलकर उनका हौसला बढ़ाया.

मौके पर विधायक मंगल कालिंदी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित होते रहनी चाहिए. इससे युवाओं का हौसला बढ़ता है और छुपी हुई प्रतिभा सामने आती है. इस अवसर पर मुख्य रूप से झामुमो नेता मिथुन चक्रवर्ती, समाजसेवी जितेंद्र सिंह,नितिन हसदा,शशि सोया, सुभाष पतन, धोनी दास आदि स्थानीय लोग उपस्थित थे.

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

देवयानी मुर्मू
भाजपा नेत्री सह जिला परिषद सदस्य, दामपाड़ा क्षेत्र घाटशिला

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती पुष्पा महतो
पंचायत समिति सदस्य, सिंहपुरा पंचायत, गुड़ाबांदा, पूर्वी सिंहभूम

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

सुश्री चंचला कुमारी
अंचल अधिकारी, डुमरिया प्रखंड पूर्वी सिंहभूम

78वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर समस्त झारखंड व देशवासियों को ढेर सारी शुभकामनाएं

SHREE SHAKUMBHARI FUEL STATION
GHATSHILA, EAST SINGBHUM

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
निवेदक :

डा. आरएन सोरेन
प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी अनुमंडल अस्पताल, घाटशिला

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर समस्त झारखंडवासियों को ढेर सारी शुभकामनाएं
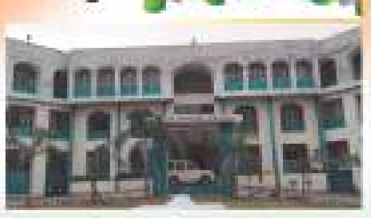
अनुमंडल कार्यालय परिवार
घाटशिला, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर समस्त झारखंडवासियों को ढेर सारी शुभकामनाएं

सुवर्णरेखा नर्सिंग होम
गोपालपुर, घाटशिला, 24 घंटा सेवा उपलब्ध है।

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर समस्त झारखंडवासियों को ढेर सारी शुभकामनाएं

एसडीपीओ कार्यालय परिवार
घाटशिला, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर समस्त झारखंडवासियों को ढेर सारी शुभकामनाएं

सिंह नर्सिंग होम एंड रिसर्च सेंटर
गोपालपुर, घाटशिला

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर समस्त झारखंडवासियों को ढेर सारी शुभकामनाएं

Irvin Adventist School
Goplpur, Ghatshila

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

निलेश कुमार मुर्मू
बीडीओ डुमरिया प्रखंड, पूर्वी सिंहभूम

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

डांगुर कोड़ा
बीडीओ गुड़ाबांदा ब्लॉक, पूर्वी सिंहभूम

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सभी जिला वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

Jamini Kant B.Ed. College Salboni

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सभी जिला वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

पवन कुमार
थाना प्रभारी गुड़ाबांदा, पूर्वी सिंहभूम

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

बाबूलाल हेंब्रम
कनीय अभियंता, 15वीं वित्त आयोग, डुमरिया पूर्वी सिंहभूम

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

अवर निबंधन सह विशेष विवाह पदाधिकारी
घाटशिला, पूर्वी सिंहभूम

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

शुभजीत कुमार मुंडा
प्रमुख गुड़ाबांदा प्रखंड, पूर्वी सिंहभूम

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

सुगना मुंडा
थाना प्रभारी डुमरिया, पूर्वी सिंहभूम

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
अंचल कार्यालय परिवार
घाटशिला, पूर्वी सिंहभूम, झारखंड

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

जगदीश भकत
विधायक प्रतिनिधि घाटशिला

78वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर समस्त झारखंड व देशवासियों को ढेर सारी शुभकामनाएं

संत नंदलाल स्मृति विद्या मंदिर
घाटशिला, पूर्वी सिंहभूम

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

गौर चंद्र पात्र
जिला मंत्री, भाजपा, पूर्वी सिंहभूम

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

भूपेंद्र सिंह उर्फ पिंद्र
समाजसेवी, घाटशिला

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

डा. सुनीता देवदूत सोरेन
भाजपा नेत्री, घाटशिला विधानसभा क्षेत्र

हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड
इंडियन कॉपर कॉम्प्लेक्स
मऊभंडार

78वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड/इंडियन कॉपर कॉम्प्लेक्स की ओर से घाटशिला अनुमंडल के समस्त निवासियों एवं ताम्र परिवार के सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं ढेर सारी शुभकामनाएं.

श्याम सुंदर सेठी
कार्यकारी निदेशक सह ईकाई प्रमुख
इंडियन कॉपर कॉम्प्लेक्स

78वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

जमशेदपुर, गुरुवार 15 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 11 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 128 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

गोपाल मैदान में स्वतंत्रता दिवस का जिलास्तरीय समारोह आज

स्वतंत्रता सेनानी, आश्रित, झारखंड आंदोलनकारी होंगे सम्मानित

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जमशेदपुर के गोपाल मैदान में जिला स्तरीय मुख्य समारोह का आयोजन किया जायेगा. इसकी सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है. पूर्वाह्न 9:05 बजे स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता झंडोत्तोलन करेंगे. इससे पहले वे परेड का निरीक्षण करेंगे. कार्यक्रम को लेकर मैदान की सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था को लेकर पुलिस बल के साथ-साथ दंडाधिकारियों की तैनाती की गई है. वहीं मानसून की वर्षा को देखते हुए वाटरप्रूफ पंडाल का निर्माण कराया गया गया है. आगंतुकों के लिए अलग से बैठने की व्यवस्था की गई है. जबकि स्वतंत्रता सेनानी, उनके आश्रित, एवं झारखंड आंदोलनकारियों के बैठने के लिए प्रोटोकॉल के तहत तैयारी की गई है. स्वतंत्रता दिवस समारोह में जैप-6, जिला पुलिस बल, होमगार्ड, एनसीसी, स्काउट एंड गाइड एवं संत मेरी की बैंड टीम परेड में शामिल होगी.

जिले के टॉपर होंगे सम्मानित

स्वतंत्रता दिवस समारोह में जिले के मैट्रिक एवं इंटर के टॉपर छात्रों को सम्मानित भी किया जाएगा. इसकी सूची शिक्षा विभाग की ओर से दी गई है. वहीं उल्लेखनीय कार्य करने वाले पुलिसकर्मी व कार्यालय कर्मी भी सम्मानित होंगे. दूसरी ओर बुधवार को जिले के स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों को सरकारी पदाधिकारियों के द्वारा उनके घर पर जाकर उन्हें सम्मानित किया गया.

सरकारी कार्यालयों में झंडोत्तोलन का समय

उपायुक्त के आवासीय कार्यालय – 8 :00 बजे पूर्वाह्न
समाहरणालय परिसर – 10 :15 बजे पूर्वाह्न
वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय – 10 :30 बजे पूर्वाहन
अनुमंडल कार्यालय (धालभूम) – 10 :45 बजे पूर्वाह्न
पुलिस केंद्र, गोलमुरी – 11 :00 बजे पूर्वाह्न
रेड क्रॉस सोसाइटी – 11 :15 बजे पूर्वाह्न

आज व कल वर्षा का येलो अलर्ट

जमशेदपुर । बीते कुछ दिनों से सक्रिय हुआ मानसून 15 अगस्त (गुरुवार) को आजादी के जश्न में खलल डाल सकता है. मौसम विभाग ने 15 व 16 अगस्त को वर्षा का अलर्ट जारी किया है. मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक स्वतंत्रता दिवस पर झारखंड के दक्षिणी हिस्से व आस-पास के शहरों में कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश होने की आशंका है. इसे देखते हुए मौसम विभाग ने झारखंड के दक्षिणी हिस्सों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है.

18 अगस्त तक बारिश का अनुमान है. इसको लेकर विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है. जिसमें बृहस्पतिवार को गरज के साथ मध्यम दर्जे की बारिश के आसार है. इस दौरान हल्की हवाएं भी चल सकती है. स्वतंत्रता दिवस के दिन सरायकेला-खरसावां, पश्चिम सिंहभूम और पूर्वी सिंहभूम में गरज के साथ बारिश होगी. वहीं शेष जिलों में हल्की बारिश की संभावना है. वैसे बुधवार को शहर और आसपास के क्षेत्रों में दिन भर धूप खिली रही, जबकि शाम को झमाझम बारिश हुई.

इस दौरान जमशेदपुर में 22.8 मिमी बारिश रिकार्ड की गई. वर्षा होने के कारण तापमान में मामूली गिरावट दर्ज की गई.

लोगों के खोये हुए 688 मोबाइल पुलिस ने लौटाए

ऑपरेशन 'आशा' के तहत आठ चरण में अब तक 2476 लोगों को लौटाया गया है मोबाइल फोन

- रवींद्र भवन में मोबाइल धारकों ने पुलिस की कार्य प्रणाली की तारीफ की

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर शहर के 688 लोगों के चेहरे पर उस वक्त आशा की किरण जगी तथा पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा, जब पुलिस ने महीनों पहले उनके खोये अथवा चोरी हुआ मोबाइल फोन बरामद कर उन्हें लौटाया. पुलिस के इस नेक पहल के लिए लोगों ने पुलिस का तहेदिल से आभार जताया. ऑपरेशन आशा के तहत बुधवार को रवीनंद्र भवन सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया. जिसमें पुलिस की कार्य प्रणाली की जानकारी के साथ-साथ भारत सरकार की सीईआईआर (सेंट्रल इक्वीपमेंट आईडेंटिटि रजिस्टर) पोर्टल की जानकारी दी गई. उक्त पोर्टल के माध्यम से कोई भी व्यक्ति अपना खोये हुए मोबाइल फोन की शिकायत रजिस्टर कर सकता है. मौके पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आधुनिक युग में नई-नई टेक्नालॉजी का लोग इस्तेमाल कर रहे हैं. मोबाइल गुम होने के मामले भी ज्यादा बढ़ रहे हैं. जिसे देखते हुए भारत सरकार ने सेंट्रलाइज्ड सिस्टम के तहत सीईआईआर पोर्टल की शुरुआत की है. जिसे ऑपरेशन आशा नाम दिया गया है. इसी पोर्टल से प्राप्त जानकारियों के आधार पर पुलिस की तकनिकी टीम ने काम करके मोबाइल बरामद किया है. उन्होंने उक्त पोर्टल की जानकारी के साथ-साथ इसके कार्य प्रणाली से अवगत कराया. इस दौरान उक्त पोर्टल को आम लोगों के सामने लॉच किया गया. एसएसपी ने बताया कि पुलिस ने इसी पोर्टल की मदद से आठ चरणों में 2476 खोये हुए मोबाइल फोन लौटाएं हैं.

मोबाइल धारकों फोन लौटाने के कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पुलिस अधिकारी.

सम्मानित किए गए पुलिसकर्मी

कार्यक्रम के दौरान जिले में सर्वाधिक मोबाइल बरामद करने वाले थाना प्रभारी एवं उनके टीम तथा तकनीकी शाखा के पदाधिकारी एवं कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया. प्रशस्ति पत्र मोबाइल धारकों की ओर से प्रदान किए गए. कार्यक्रम में पुलिस का आम लोगों के प्रति मित्रवत संबंध दिखा. पुलिस ने आम लोगों से पुलिस को सहयोग करने की बात कही. कार्यक्रम में ग्रामीण सह नगर पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग, पुलिस उपाधीक्षक, सीसीआर पुलिस उपाधीक्षक सहित जिले के सभी थाना प्रभारी उपस्थित रहें.

तुरामडीह में सीआईएसएफ ने निकाली तिरंगा यात्रा

जादूगोड़ा । यूसिल की सुरक्षा में जुटी केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल इकाई जादूगोड़ा के द्वारा तुरामडीह आवासीय परिसर में हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा दौड तथा मोटरसाइकिल रैली का आयोजन किया गया. दौर में बल के सभी रैंक के बल सदस्यों ने अपने हाथों में तिरंगा ले कर भाग लिया. तत्पश्चात बल सदस्यों ने पूरे परिसर में मोटरसाइकल पर बैठ कर तिरंगा झंडा के साथ रैली निकाली और भारत माता की जय, जय हिन्द की जय घोष से आम जनता को अपने घरों पर तिरंगा लहराने के लिए प्रोत्साहित किया गया. इस अवसर पर सीआईएसएफ कमांडेंट तारा चंद, निरीक्षक आसूचना एस के सिंह, निरीक्षक घनश्याम झा, निरीक्षक हासिबुर रहमान सहित बल के भारी संख्या में सदस्यगण मौजूद रहे. ज्ञात हो कि केंद्रीय सरकार के द्वारा पिछले वर्षों की भाँति इस वर्ष भी "हर घर तिरंगा" मुहिम चलाया जा रहा है. स्थानीय लोगों के द्वारा इस गतिविधि की तारीफ की जा रही है. खास कर बच्चों में स्वतंत्रता दिवस के त्योहार मनाने के लिए पूर्ण देशभक्ति के साथ उत्साह देखा जा रहा है.

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर स्कूली बच्चों ने राष्ट्रभक्ति का बांधा समां

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को देश के स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित सांस्कृतिक संध्या का आयोजन सिदगोड़ा स्थित टाउन हॉल में किया गया. जिला प्रशासन की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के सरकारी एवं निजी स्कूलों के बच्चों की टीम ने राष्ट्रभक्ति एवं झारखंड तथा देश के विभिन्न भागों के कला संस्कृति से जुड़ी नृत्य, गीत की प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया.

समृद्ध राष्ट्र की संस्कृति, विरासत, कला को समर्पित एक से बढ़कर एक प्रस्तुति से पूरा वातावरण भारत माता की जय के नारों से गूंजायमान रहा. दर्शक दीर्घा प्रत्येक प्रस्तुति पर भावविभोर होकर तालियां बजाता रहा. इससे पहलॉ सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ "देश की आजादी" कविता पाठ से साकची गुरुनानक उच्च विद्यालय के बच्चों ने किया. गुलमोहर उच्च विद्यालय टेल्को के बच्चों ने सिंहासन खाली करो कि जनता आती है, सीएम स्कूल ऑफ एक्सेलेंस बर्मामाइंस के बच्चों का कदम से कदम मिलते हैं पर ओजपूर्ण प्रस्तुति दिखी.

वहीं टैगोर अकादमी साकची के बच्चों का मेरा मुल्क मेरा देश, जेपीएस टेल्को के बच्चों ने एक तेरा नाम है सांचा, टाटा वर्कर्स यूनियन कदमा बच्चों की गणेश वंदना, सीएम स्कूल ऑफ एक्सेलेंस जमशेदपुर के बच्चों का अम्बर तले जल रहे हैं हम गीत पर समूह नृत्य, केजीबीवी पोटका के बच्चों का छऊ नृत्य, जुस्को स्कूल कदमा के बच्चों का शतरंज नृत्य समेत इसी प्रकार से ट्राइबल डांस, जन्नत की है तस्वीर, कंधे से मिलते हैं कंधे, पधारो म्हारे देश, अब जाके कहीं हमने ये केसरी रंग सजाया है जैसे गीत-संगीत पर भावपूर्ण प्रस्तुति से वीर बलिदानियों, शहीदों, देश की सीमा पर डटे वीर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता प्रकट किया.

महिलाओं को मंईयां सम्मान योजना से जोड़ने में करें सहयोग : विधायक

संवाददाता । पोटका

पोटका प्रखंड कमेटी के निर्देशानुसार झामुमो गंगाडीह पंचायत कमेटी की समीक्षा बैठक नागा में मंगलवार देर शाम को हुई. बैठक की अध्यक्षता पंचायत अध्यक्ष सह मुखिया कार्तिक मुर्मू ने की. बैठक में मुख्य अतिथि के रूप मे पोटका के विधायक संजीव सरदार उपस्थित थे. प्रखंड अध्यक्ष सुधीर सोरेन ने लोकसभा चुनाव की समीक्षा की. आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी पर जानकारी दी. सोरेन ने कहा कि विधानसभा चुनाव को देखते हुये सभी बूथ एवं टोला कमेटी को मजबूत किया जायेगा. इसके प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जायेगा. विधायक संजीव सरदार ने कहा कि विधानसभा चुनाव की घोषणा किसी भी वक्त की जा सकती है.

कार्यकर्ता तैयार रहें. गांवों में जायें, पंचायत और बूथ कमेटी के साथ बैठक करें. लोगों के बीच सरकार की योजनाओं की चर्चा करें और हमारी सरकार द्वारा किये गये और किये जा रहे विकास कार्यों की जानकारी दें. वर्तमान मे झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का आवेदन पंचायत स्तर पर स्वीकृत किया जा रहा है. योजना के तहत 21 से 50 साल की महिलाओं को प्रतिमाह एक-एक हजार रुपये दिये जाएंगे.

इस योजना का शुभारंभ रक्षाबंधन के अवसर पर राशि भेजकर की जायेगी. योजना से एक भी योग्य महिला वंचित नहीं हो, इसे लेकर कार्यकर्ता घर-घर जायें और आवेदन करायें.

भाजयुमो की आक्रोश रैली को लेकर बैठक

आदित्यपुर । बुधवार को औद्योगिक क्षेत्र के एसिया भवन में सरायकेला-खरसावां जिला भारतीय जनता युवा मोर्चा की महत्वपूर्ण बैठक हुई. बैठक में वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में आगामी 23 अगस्त को युवा आक्रोश रैली कार्यक्रम को सफल बनाने पर विमर्श हुआ.

चक्रधरपुर के पोड़ाहाट स्टेडियम से भाजपा ने निकाला तिरंगा यात्रा, शहीदों को किया नमन

संवाददाता । चक्रधरपुर

स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पूर्व बुधवार को चक्रधरपुर शहर के पोड़ाहाट स्टेडियम से भाजपायों ने बाइक में सवार होकर तिरंगा यात्रा निकाली. इस दौरान भाजपायों ने विभिन्न शहिद स्थलों पर पहुंचकर देश के स्वतंत्रता सेनानियों को माल्यार्पण कर नमन किया. भाजपाईयों ने सर्वप्रथम भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए तिरंगा रैली निकाली. जिसके बाद चेकनाका स्थित वीर राजा शहिद अर्जुन सिंह, भगत सिंह चौक में शहिद भगत सिंह, पुरानीबस्ती में वीर शहिद जग्गू दीवान, रेलवे स्टेडियम में संविधान निर्माता डॉ भीमराव आंबेडकर तथा पोटका आदिवासी मित्र मंडल स्थित भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया. मौके पर पूर्व विधायक शशि भूषण सामड, अशोक षाड़ंगी, शेष नारायण लाल, राजू प्रसाद कसेरा, अशोक दास, राकेश रंजन, सुरेश साव, संजय पासवान, दुर्योधन प्रधान, कामाख्या प्रसाद साहू, अभिजीत भट्टाचार्य, विनोद शर्मा समेत काफी संख्या में भाजपा के कार्यकर्तागण मौजूद थे.

चक्रधरपुर में निकाले गए तिरंगा यात्रा में शामिल भाजपाई.

उरकिया में कई सेवानिवृत्त शिक्षक बच्चों को पढ़ाएंगे

चक्रधरपुर । मनोहरपुर के उरकिया में स्थित श्रीहरि गौरहरि विद्यालय में कई सेवानिवृत्त शिक्षक व कर्मचारी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करेंगे. इस बात की जानकारी देते हुए श्री हरि गौर हरि उच्च विद्यालय उरकिया के अध्यक्ष ओम प्रकाश महतो ने कहा कि विद्यालय में सेवानिवृत्त प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी मेघनाथ महतो, सेवानिवृत्त शिक्षक विष्टुम प्रसाद बेसरा, कालेश्वर महतो, ओम प्रकाश महतो, तुराम लामाय बच्चों को शिक्षा प्रदान करेंगे. उन्होंने कहा कि विद्यालय को आगे बढ़ाने में कई सेवानिवृत्त शिक्षक योगदान दे रहे हैं.

सीआरपीएफ 26वीं बटालियन ने निकाली तिरंगा यात्रा

संवाददाता । किरीबुरु

सीआरपीएफ 26वीं बटालियन के कमांडेंट राजीव रंजन के निर्देशानुसार हर घर तिरंगा अभियान मनाये जाने के लिए में बुधवार को तिरंगा यात्रा बाइक रैली निकाली गई.

रैली किरीबुरू के मुर्गापाडा, मलंगटोली, बैंक मोड़, बाजार हाटिंग में निकाली गई. इस दौरान एक पेड़ मां के नाम पर पौधरोपण भी किया गया. रोपे गए पौधों की रक्षा और देखभाल करने का संकल्प लिया गया. इसमें अनिल कुमार राम, उप कमांडेंट, डैट कमांडिंग अधिकारी 26वीं बटालियन, ऋषभ शेखर, चिकित्सा अधिकारी, सुबीर कुमार मंडल, सहायक कमांडेंट, समवाय अधिकारी ई/26 बटालियन एवं अधीनस्थ अधिकारी, जवानों तथा उत्क्रमित उच्च विद्यालय प्रोस्पेक्टिंग के शिक्षकों एवं बच्चों ने भाग लिया.

त्रिपुरा प्रधान और हीरामुनी दिग्गी ने जीती कांस्य

चाईबासा । झारखंड राज्य एथलेटिक्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित सीनियर राज्य ओपन एथलेटिक्स प्रतियोगिता में पश्चिमी सिंहभूम जिला के त्रिपुरा प्रधान ने महिलाओं के लंम्बी कूद में कांस्य पदक एवं हीरामुनी दिग्गी ने 800 मीटर में कांस्य पदक जीतकर पश्चिमी सिंहभूम जिला का नाम रोशन किया. यह प्रतियोगिता बोकारो के चंदन कियारी में 13-14 अगस्त को आयोजित हुई.

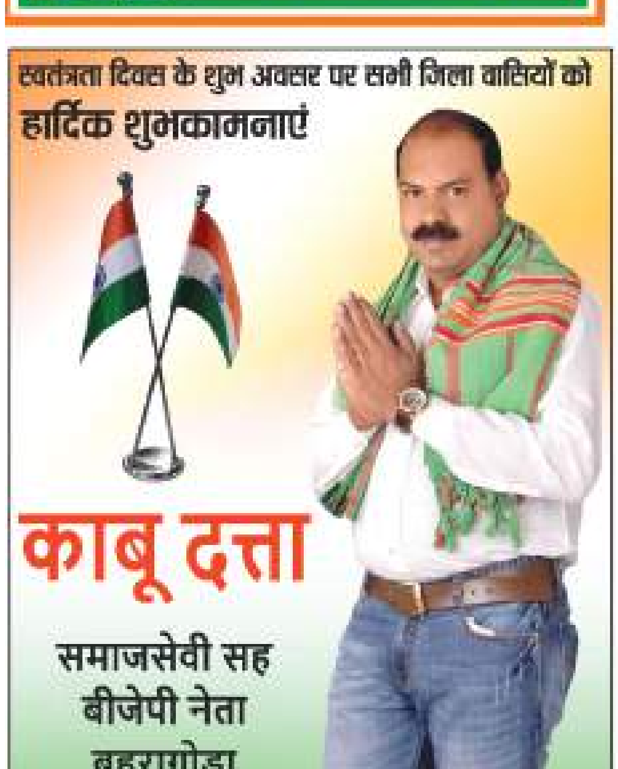

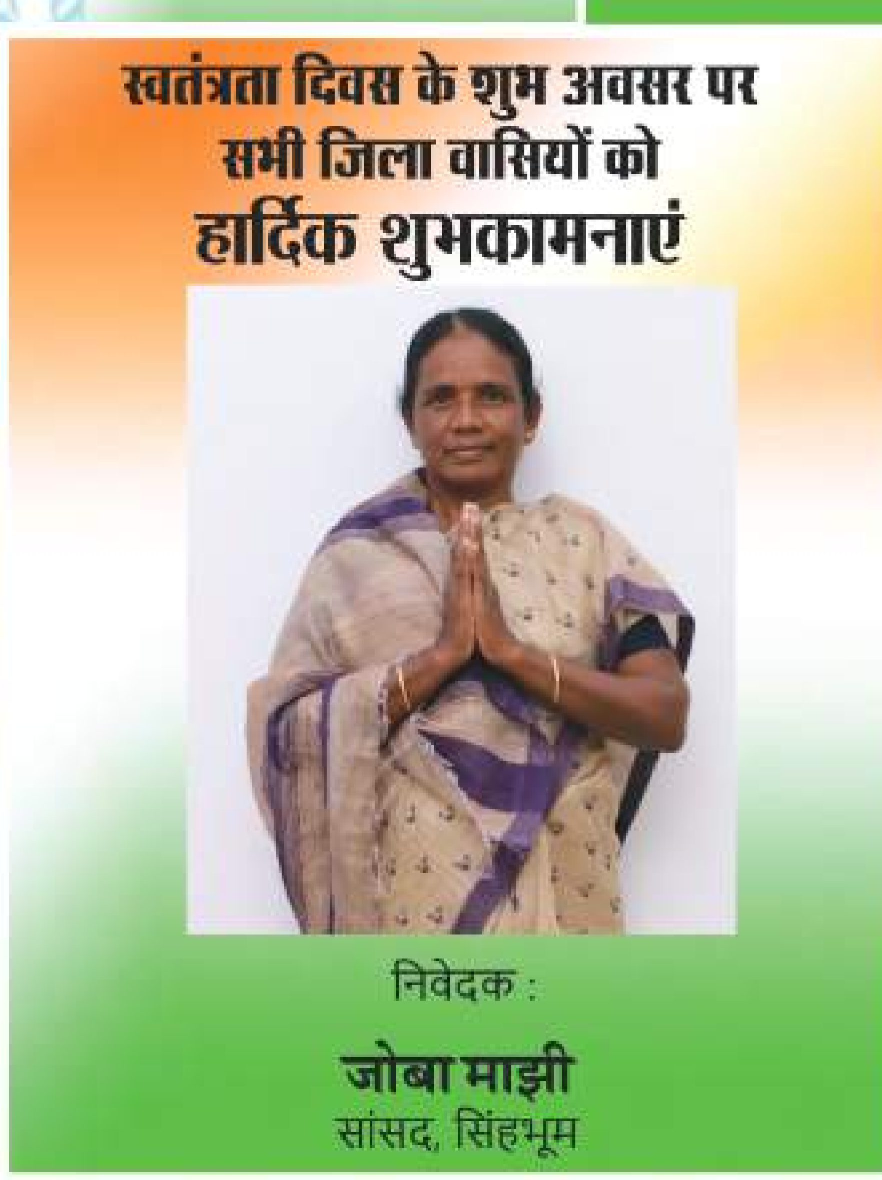

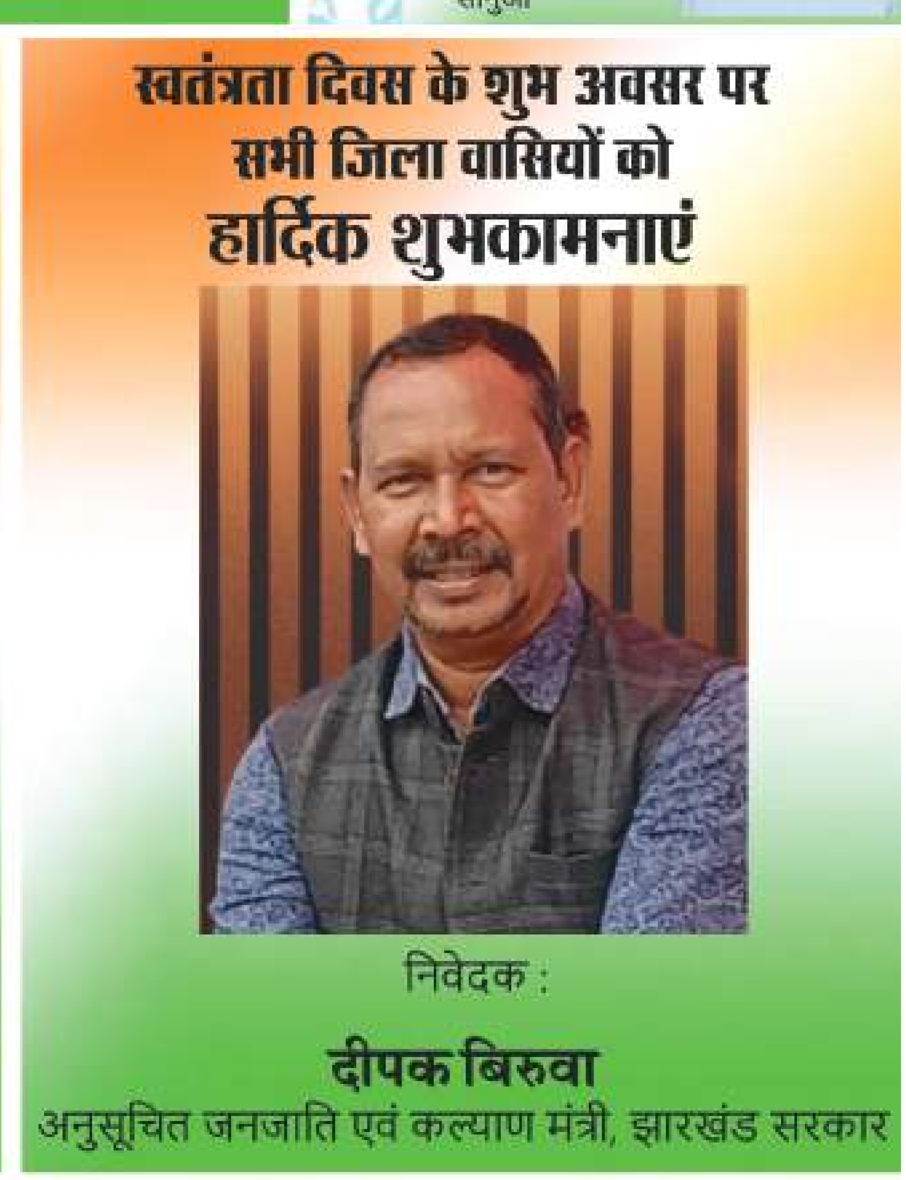

ब्रीफ खबरें

जेटेट की परीक्षा सितंबर माह के अंत में

सिमडेगा। शहर के प्रिंस चौक, नाइस कंप्यूटर गली स्थित कोचिंग संस्थान अचीवर्स क्लासेस में जेटेट की परीक्षा आयोजित की गई है. संचालक गणेश पाठक ने बताया कि जे टेट की परीक्षा सितंबर माह के अंत में होगी. राज्य सरकार ने इसकी घोषणा कर दी है. उन्होंने ने कहा कि अचीवर्स क्लासेस में परीक्षा की तैयारी कराई जा रही है. उन्होंने ने कहा कि अभ्यर्थी आठ साल बाद मिले इस अवसर का लाभ उठाएं, साथ ही अचीवर्स क्लासेस से जुड़कर बेहतर भविष्य बनाने की बात कही. उन्होंने ने नामांकन के लिए मोबाइल नंबर 62076 45754 पर संपर्क करने का आग्रह किया है.

18 को होगी ग्रामीण चौकीदार नियुक्ति के लिए परीक्षा

गुमला। जिले में ग्रामीण चौकीदारों की नियुक्ति के लिए कुल 226 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती होगी. इसके लिए 18 अगस्त को लिखित परीक्षा का आयोजन किया जाएगा. उक्त परीक्षा में शामिल होने वाले योग्य उम्मीदवारों की सूचीnic.in पर अपलोड कर दी गई है जहां से उम्मीदवार अपने नाम का मिलान भी कर सकते हैं.इस दौरान उपायुक्त ने सभी उम्मीदवारों से अपील की गई है कि आप अपना प्रवेश पत्र 14 अगस्त तक अपने संबंधितप्रखंड व नगरपालिका से प्राप्त कर सकते है.

एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष का हुआ भव्य स्वागत

लोहरदगा। झारखंड प्रदेश के एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष विनय उरांव का बुधवार को बरवा टोली लोहरदगा स्थित विधायक सह मंत्री कार्यालय में जोरदार स्वागत किया गया. प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद विनय उरांव सर्वप्रथम विधायक कार्यालय पहुंचे. जहां विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल,युवा जिलाध्यक्ष विशाल डुंगडुंग,पूर्व महिला जिलाध्यक्ष सीमा भगत समेत काफी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बधाई दी है. मौके पर विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल ने कहा कि सौभाग्य की बात है.

लोहरदगा में जिला स्तरीय जवाहरलाल नेहरू हॉकी प्रतियोगिता संपन्न

बालिका वर्ग में केजीबीभी सेन्हा ने ट्रॉफी पर जमाया कब्जा

संवाददाता। लोहरदगा

ट्राफी के साथ् टूर्नामेंट की विजता टीम.

जिला शिक्षा विभाग के तत्वाधान में जवाहरलाल नेहरु हॉकी प्रतियोगिता 2024-25 का सीएम उत्कृष्ट विद्यालय, नदिया हिन्दू, लोहरदगा के मैदान में की गई.दूसरे और अंतिम दिन अंडर 17 बालिकाओं की हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जिसमें कुल पांच टीमों ने भाग लिया. प्रतियोगिता में जिला के विभिन्न विद्यालयों के अंडर-17 वर्ग में बालक और बालिका और अंडर I5 वर्ग में बालक की टीमें भाग ले रही हैं. प्रतियोगिता में अंडर 17 बालिका विजेता टीम केजीबीभी, सेन्हा की टीम रही. उप विजेता राजकीयकृत उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय, विटपि, भंडरा रही,वहीं प्रतियोगिता के तीसरे स्थान पर केजीबीभी, किस्को की टीम रहा. प्रतियोगिता के अंतिम दिवस के खेल का विधिवत उद्घाटन सुनंदा दास चंद्रमौलेश्वर डीएसई सह यूडीपीओ, जेईपी, लोहरदगा, अभिषेक झा, अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी, लोहरदगा, अम्बुज्य पांडेय, एडीपीओ, अशोक पांडेय, एपीओ, विश्वक दीपक झा, एपीएम सह प्रभाग प्रभारी, आकाश कुमार, फील्ड मैनेजर, जेईपी, लोहरदगा के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया.

डीएसई, लोहरदगा ने कहा कि खेल खिलाड़ियों में अनुशासन और उनमें टीम भावना के साथ साथ प्रतिस्पर्धा को बढ़ाता है. साथ ही हॉकी प्रतियोगिता का यह खेल ग्रामीण छात्रों की प्रतिभा को भी निखारने के कार्य कर रही है.अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी, लोहरदगा ने खिलाड़ियों का उत्साहित करते हुए कहा कि यह आयोजन राष्ट्रीय स्तर का है,जिसमें आप सभी अपनी प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचा सकते हैं.जिला स्तर पर विजयी टीम राज्य स्तर पर अगस्त में होने वाले प्रतियोगिता में जिला का प्रतिनिधित्व करेगी.मैच के सफल संचालन हेतु शिक्षा विभाग से रंजू साहू, अमन साव,सीमा कुजूर, अंजना खलखो, जीतेन्द्र मित्तल, सारू उरांव, विशाल उरांव,सुनील तिर्की आदि अपना योगदान दे रहे हैं.

दो दिवसीय इंटर स्कूल बैडमिंटन टूर्नामेंट 17 अगस्त से होगा शुरू

संवाददाता। लोहरदगा

लोहरदगा जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वावधान मेंइंटर स्कूल बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन 17 और 18 अगस्त को मधुसूदन लाल अग्रवाल महिला कालेज के इंडोर स्टेडियम में होगा. जिसमें 12 वर्षसेकम आयुवर्ग, 13 से 15 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिका सिंगल और डबल प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे. इसकी जानकारी देते हुए एसोसिएशन के अध्यक्ष डा गणेश प्रसाद ने बताया कि ऐसे आयोजन से बच्चों में खेल भावना का विकास होता है. परिणाम स्वरूप उनमें सर्वांगीण विकास का अवसर मिलता है. प्रतियोगिता में भाग लेने और विशेष जानकारी के लिए जिला सचिव मुरारी गोस्वामी से संपर्क किया जा सकता है.

आयोजन को सफल बनाने के लिए अध्यक्ष डा गणेश प्रसाद, सचिव मुरारी गोस्वामी, कोषाध्यक्ष नसीम अख्तर, मलय दत्ता, संजय कुमार बर्मन, राकेश शर्मा, प्रवीण पटेल, रंजीत साहू, प्राचार्य प्रो स्नेह कुमार, दुबराज यादव, राहुल कुमार, अरुण राम, गणेश पांडेय, प्रवीण पटेल, नीरज खत्री, उत्तम शर्मा, शिव कुमार भगत, सतीश उरांव, दिनेश पांडेय, बाल्मीकि सिंह, विनोद उरांव, एस सुजाउद्दीन राजा, ब्रजकिशोर बड़ाईक, गुलाम मुर्तुजा अंसारी, रंजीत साहू, राहुल साहू आदि आवश्यक सहयोग कर रहे हैं.

भंडरा में मूसलाधार बारिश सड़क नदी में तब्दील

घरों और दुकानों में घुसा पानी आवागमन रहा ठप,बढ़ी परेशानी

संवाददाता। भंडरा(लोहरदगा)

भारी बारिश से सड़क में जाम पानी.

भंडरा में मूसलाधार बारिश देखने को मिली भंडरा में देर शाम हुई तेज बारिश के कारण शहर के कई गली मोहल्लों के घरों और दुकानों मे पानी घुस गया इस सीजन में सबसे ज्यादा बारिश मंगलवार की देर शाम में जोरदार बारिश हुई इससे जहां लोगों को उमस से राहत मिली, वहीं नगर निगम को पोल खुल गयी भंडरा मैन रोड सहित कई गली, मुहल्ले जलमग्न हो गया दो घंटे तक इस मार्ग पर वाहनों का लंबी कतार लगा रहा सड़क किनारे स्थित नाला का पानी सड़क पर बहने से राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा.

दुकानों और घरों में घुसा पानी, वाहन गिरे नाले में : मैन रोड सहित कई दुकानों व घरों में नाली व बारिश का पानी घुस गया वहीं कुछ लोग पानी जमे रहने के कारण रोड को भाप नहीं पाते और गिर जाते हैं सड़क किनारे खड़े कुछ दोपहिया वाहन नाला में गिर गये वहीं कई बाइक में पानी घुस जाने से स्टार्ट नहीं हुआ नाला व सड़क पर पानी एक समान हो जाने से चार पहिया व दोपहिया वाहन चालक जहां-तहां रुके रहे भंडरा के बाजार तांड,प्रेम गली, थाना मोड़ समेत कई घरों व दुकानों में बारिश का पानी घुस गया बारिश कम होने के बाद लोग अपने घरों व दुकानों की सफाई में जुट गये.

खास बातें

- शहर के कई गली मोहल्लों के घरों और दुकानों मे पानी घुस गया
- चार पहिया व दोपहिया वाहन चालक जहां-तहां रुके रहे

लगभग आठ वर्षों से है मैन रोड में जल जमाव का समस्या

जल जमाव की समस्या मैन रोड भंडरा में काफी पुरानी है नालियों की सफाई नियमित नहीं होने से तेज बारिश के बाद हमेशा ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है स्थानीय लोगों का कहना है कि भंडरा के विभिन्न मोहल्लों में नालियों का अतिक्रमण किये जाने से बारिश के समय रोड के पानी में डूबने की स्थिति बन जाती है इससे लोगों को काफी परेशानी होती है लोगों ने अधिकारियों से नालियों की नियमित सफाई कराने के साथ नालियों को अतिक्रमण मुक्त करने की मांग की है ग्रामीणों का कहना है कि बरसात में भंडरा रोड की नालियां जाम होने से नाली का गंदा पानी सड़क पर बहता है

डिस्ट्रिक्ट इन्वायरमेंट प्लान व एनजीटी की बैठक में दिए निर्देश

संवाददाता। लोहरदगा

बैठक में शामिल अधिकारी.

डिस्ट्रिक्ट इन्वायरमेंट प्लान एवं एनजीटी के पारित आदेश के संबंध में बैठक समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित हुई. बैठक में सर्वप्रथम हिण्डाल्को को शहर में इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले लगाये जाने व प्रतिदिन डिसप्ले का पंजी संधारित किये जाने के पूर्व में दिये गये निर्देश की समीक्षा की गई. इसमें पाया गया कि अब तक इस निर्देश का पालन नहीं किया गया है. पुनः अनुपालन का निर्देश दिया गया.सहायक खनन पदाधिकारी को एनजीटी के आदेश का अनुपालन कराये जाने का निर्देश दिया गया. जिला मत्स्य पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता पीएचईडी, प्रशासक नगर परिषद और भूमि संरक्षण पदाधिकारी को वाटर रिचार्ज प्लान तैयार करने कर प्रतिवेदन समर्पित किये जाने का निर्देश दिया गया. इसी प्रकार 15वें वित्त से चापाकलों पास निर्मित सोख्ता गड्ढों का प्रतिवेदन दिये जाने, विद्यालयों के छतों पर तड़ित चालक लगाये जाने के निर्देश के अनुपालन की भी समीक्षा की गई.बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी संजय कुमार, अनुमण्डल पदाधिकारी अमित कुमार, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के विशेषज्ञ, सहायक खनन पदाधिकारी राजा राम प्रसाद, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधि व अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे.

छह दिवसीय फुटबाल प्रतियोगिता 20 अगस्त से

संवाददाता। लोहरदगा

लोहरदगा भंडरा प्रखंड के भीठा गांव में युवा जागृति क्लब के तत्वावधान में छह दिवसीय फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन 20 से 25 अगस्त तक भीठा फुटबाल मैदान में किया जाएगा. इसकी जानकारी देते हुए मुख्य संरक्षक राजा लाल, श्रवण सिंह, अध्यक्ष संजय उरांव, उपाध्यक्ष विहारी उरांव, महावीर भगत, सचिव बिरसू उरांव, लक्ष्मू उरांव और कोषाध्यक्ष बुदू उरांव और विशाल खलखो ने बताया कि बालक वर्ग में एंट्री एं फीस 4100 रुपए है. इसमें 32 टीमें भाग लेंगी. बालक वर्ग में प्रथम पुरस्कार 41 हजार रूपये सहित एक सेट जर्सी, फुटबाल, ट्राफी और मेडल होगा. द्वितीय पुरस्कार 31 हजार रुपए सहित एक सेट जर्सी, फुटबाल, ट्राफी और मेडल होगा. तृतीय पुरस्कार 20 हजार रुपए, एक सेट जर्सी, फुटबाल और ट्राफी होगा. चतुर्थ पुरस्कार 15 हजार रुपए, एक सेट जर्सी, फुटबाल और ट्राफी होगा. बालिका वर्ग में एंट्री एं फीस 2500 रुपए होगा. इसमें आठ टीमें भाग ले सकेंगी.

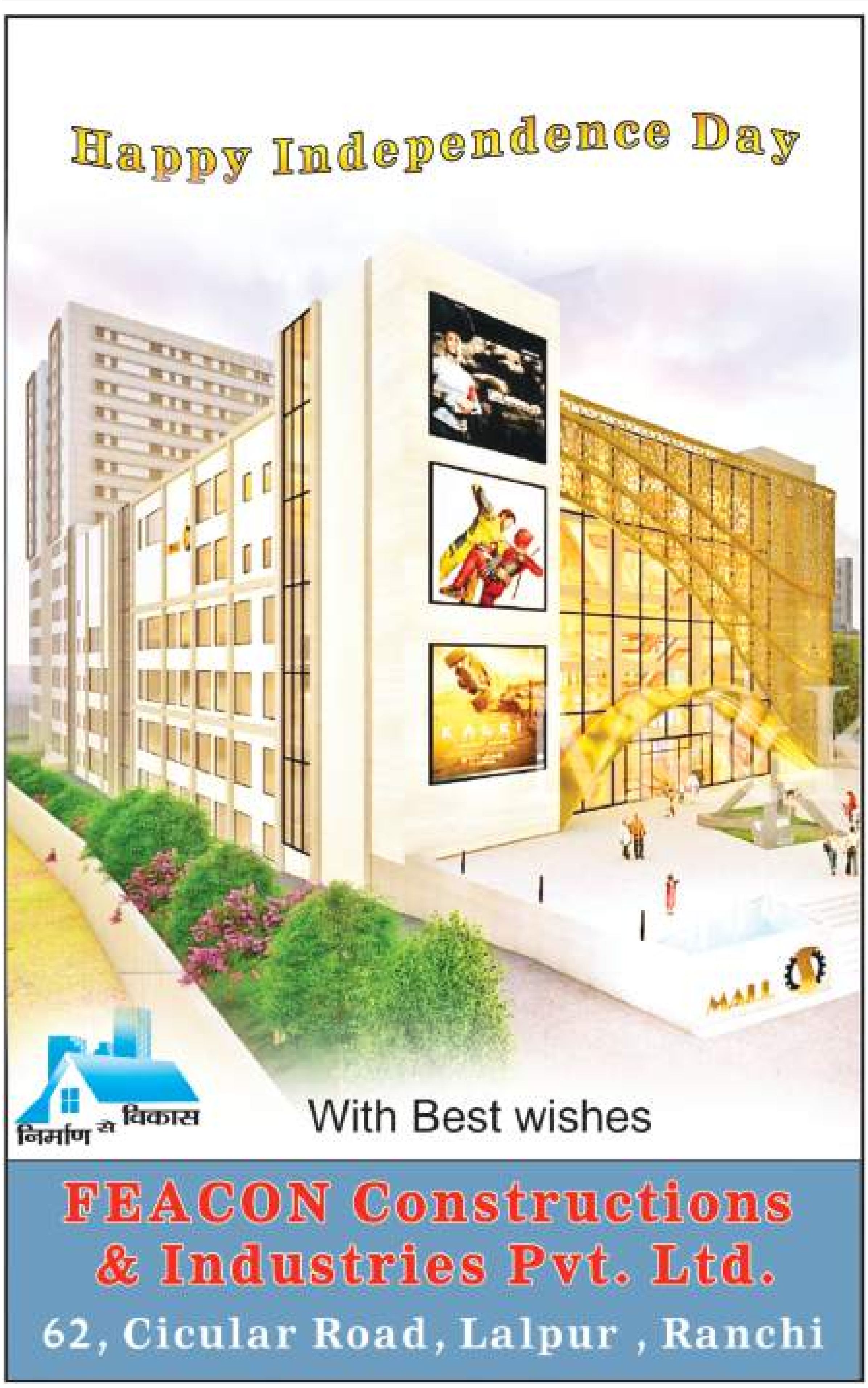

इंसाफ की डगर पर

हमारे पास दुनिया का सबसे विशद संविधान है. दुनिया में सांविधानिक परम्पराएं तकरीबन साढ़े तीन सौ साल पुरानी हैं. लिखित संविधान तो और भी बाद के हैं. 1787में अमेरिकी संविधान से इसकी शुरुआत हुई. ऑस्ट्रियो हंगेरियन संघ ने 1867 में ऑस्ट्रिया में संविधान लागू किया. ब्रिटिश संविधान तो लिखा ही नहीं गया, परंपराओं से बनता चला गया. लोकतंत्र का दबाव था कि उन्नीसवीं सदी में अनेक सम्राटों एवं राजाओं ने अपने देशों में संविधान की रचना की. भारतीय संविधान की रचना के समय उसके निर्माताओं के सामने नागरिकों के बुनियादी अधिकारों की रक्षा, लोकतंत्र, संघीय और राज्यों के कार्यक्षेत्र की स्पष्ट व्याख्या, सामाजिक न्याय और इस देश की व्यापक संस्कृति की रक्षा जैसे सवाल थे. सभ्यता पर आरंभ से ही किसी-न-किसी तरह से न्याय का सवाल दबाव में रहा है. साथ ही, यह भी सच है कि अन्याय से बचाव के लिए राज और समाज में, सीमित ही सही, सक्रियता भी रही है. आज की विचित्र स्थिति यह है कि न्याय-वंचित लोगों को वंचना से बाहर निकालने का प्रयास पूरी तरह से निष्क्रिय नहीं हो गया हो, तो भी आपराधिक शिथिलता की चपेट में जरूर पड़ गया है. न्याय-वंचना से बचाव का प्रयास न सिर्फ आपराधिक शिथिलताओं में पड़ गया है, बल्कि न्याय का सवाल उठानेवाले के प्रति नफरत का माहौल भी लगातार बनाया जाता रहा है. माननीय अदालत का काम अन्याय हो जाने के बाद न्याय देने का होता है, अन्याय को होने से रोकना तो समग्र जन-समाज के सतत और सचेत प्रयास से ही संभव हो सकता है. प्रतिभावान लोगों के मन में 'प्रतिभाहीन लोगों' के मानवाधिकार के प्रति पर्याप्त सम्मान के अभाव के चलते अन्याय की प्रवृत्ति की विनाशकारी क्षमता और घटना में कोई कमी नहीं आती है. भारत अपनी आजादी का 'अमृत-महोत्सव' मना रहा है, तो कम-से-कम पिछले दो सौ साल की राजनीतिक पृष्ठभूमि को जरूर याद किया जाना चाहिए. खासकर, इसलिए भी कि आज विश्व-युद्ध की स्थिति न हो तो भी 'विश्वास-युद्ध' का घना माहौल तो है ही. मनुष्य निर्मित बुनियादी संरचना के लाभ तक अंतिम आदमी की पहुंच को सुनिश्चित करना उत्तरदायी लोकतांत्रिक राज-व्यवस्था का मौलिक कर्तव्य होता है. वास्तविक स्थिति यह है कि नई विश्व-व्यवस्था में लोकतंत्र का यह कर्तव्य-पथ ही बदल गया! सामाजिक समरसता और संसाधनिक संतुलन के बीच के संबंध की अनदेखी नहीं की जा सकती है. कभी-कभी तो सामान्य नागरिकों को ऐसा एहसास होने लगता है कि 'राज' ही 'अराजक' हो गया है या बहुत तेजी से ऐसी स्थिति बनाने में लग गया है.1990 से दुनिया में जो बदलाव आने शुरू हुए, वे निश्चित ही पहले के सारे बदलावों से भिन्न प्रकार के रहे हैं. अद्भुत है कि विश्व-युद्धों के ताप से निकल आई राजनीतिक व्यवस्था की मानसिकता पर आज किसी भी तरह के, किसी खतरे के, डर का कोई भाव ही नहीं बचा है! इस बदलाव में पूंजी और मुनाफा पर ही जोर है, श्रम और मनुष्य सबसे उपेक्षित है. शोषण, अन्याय और उत्पीड़न का ऐसे खेल में लगने का राजनीतिक दुस्साहस 20वीं सदी के अंतिम दो दशक के पहले की राजनीति में नहीं था. 20वीं दशक के अंतिम और 21वीं सदी के आरंभिक दो दशक के बाद अब तो लग रहा कि लोकतंत्र का ढांचा शोषण, अन्याय और उत्पीड़न से होनेवाले विक्षोभ और आंदोलन को रोकने, मोड़ने और नियंत्रित करने के लिए ही खड़ा किया गया था.

> आज की विचित्र स्थिति यह है कि न्याय-वंचित लोगों को वंचना से बाहर निकालने का प्रयास पूरी तरह से निष्क्रिय नहीं हो गया हो, तो भी आपराधिक शिथिलता की चपेट में जरूर पड़ गया है.

सुभाषित

भेदे गणाः विनश्येयुः भिन्नास्तु सुजयाः परैः।
तस्मात् संघातयोगेन प्रयतेरन् गणाः सदा।।

गणराज्य में अगर एकता न हो तो वह नष्ट हो जाता है, क्योंकि एकता न होने पर शत्रु को उसे नष्ट करने मे आसानी होती है. इसलिए गणराज्य में आपसी मतभेदों के बावजूद नागरिकों के बीच हमेशा आंतरिक एकता बनी रहनी चाहिए.

विकसित भारत को चाहिए नई दिशा

विकासशील से विकसित राष्ट्र बनने के लिए हम आज तैयार हैं, इसमें संशय नहीं. लेकिन यह समझना भी जरूरी है की आगे की यात्रा थोड़ी और दुर्गम होगी. हमें अपने प्रयासों को बढ़ाना होगा, नीतियों को लक्ष्य के अनुरूप उठाना होगा एवं मानव संसाधन का समुचित इस्तेमाल करना होगा. पांच खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए यह निहायत जरूरी है कि हम अपने संसाधनों की उत्पादकता बढ़ाएं.

• देश-काल

प्रमोद पाठक

आज जब हम भारत का 78 वां स्वाधीनता दिवस मना रहे हैं, हमारे लिए जरूरी है यह मंथन करना कि हम आने वाले वर्षों में अपने देश को कहां पहुंचाना चाहते हैं. वैसे तो हमारा एजेंडा बिल्कुल स्पष्ट है कि हम भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना चाहते हैं. लेकिन उसके लिए जरूरी है यह जानना कि हमें क्या-क्या तैयारी करनी होगी, क्या-क्या बदलाव लाने होंगे और किस तरह के प्रयास करने की आवश्यकता होगी. इन बातों पर चर्चा करने से पहले हमें भारत के बारे में जो कुछ स्थापित तथ्य है उन पर मनन करने की आवश्यकता है. निश्चित तौर पर यह तथ्य हमें उत्साहित करने वाले हैं और हमको यह विश्वास दिलाते हैं कि आने वाले कुछ वर्षों में हम विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं. यदि आज के वैश्विक परिपेक्ष में बात करें तो दुनिया भर में तमाम राजनीतिक और आर्थिक उथल-पुथल के बावजूद हमारी स्थिति अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अपेक्षाकृत संतोषजनक है. कहने को तो हम अपने को औरों से बेहतर भी मान सकते हैं, लेकिन उचित यही होगा कि हम बहुत ऊंचा आकलन न करें. आज जब हम दुनिया भर के लोकतांत्रिक देशों से अपनी तुलना करते हैं तो खुद को अच्छी स्थिति में पाते हैं. चाहे पास पड़ोस के बांग्लादेश या नेपाल की बात हो या फिर हम पर 200 वर्षों से ज्यादा शासन करने वाले ब्रिटेन की, हमारी लोकतांत्रिक परंपरा आज भी सुदृढ़ है. पिछले लोकसभा चुनाव के परिणाम इस मामले में ठीक ही रहे कि एक स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप सत्ता और विपक्ष के बीच एक संतुलन दिखाई दिया, जो लोकतंत्र के स्वस्थ और सफल भविष्य के लिए जरूरी होता है. इतिहास साक्षी है कि जब सत्ता और विपक्ष के बीच की खाई बड़ी होती है और सत्ता पर काबिज लोग प्रचंड बहुमत से चुनकर आते हैं तो लोकतंत्र तानाशाही की दिशा में बढ़ जाता है. लोकतंत्र की मजबूती के लिए विपक्ष की मजबूती भी जरूरी होती है. आज हमारी स्थिति विकास के अन्य मापदंडों पर भी बेहतर ही कही जाएगी. उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार भारत आज दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ने वाले अर्थव्यवस्थाओं में से एक है. सकल घरेलू उत्पाद के पैमाने पर आज हमारा देश एक अच्छी गति से आगे बढ़ रहा है, जो प्रगति के लिए आवश्यक है. राजनैतिक स्थिरता और स्थाई सरकार पर कोई संशय नहीं है और विकास के लिए यह एक आवश्यक शर्त होती है. राष्ट्रीय महत्व के दूरगामी फैसले लेने के लिए यह जरूरी होता है. विकासशील से विकसित राष्ट्र बनने के लिए हम आज तैयार हैं इसमें संशय नहीं. लेकिन यह समझना भी जरूरी है की आगे की यात्रा थोड़ी और दुर्गम होगी. हमें अपने प्रयासों को बढ़ाना होगा, नीतियों को लक्ष्य के अनुरूप उठाना होगा एवं मानव संसाधन का समुचित इस्तेमाल करना होगा. पांच खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए यह निहायत जरूरी है कि हम अपने संसाधनों की उत्पादकता बढ़ाएं. यहां यह भी समझ लेना आवश्यक है कि तमाम संसाधनों की उत्पादकता मानव संसाधन की उत्पादकता एवं गुणवत्ता पर निर्भर होती है. आज हमारे देश की सबसे बड़ी शक्ति हमारा युवा वर्ग है, जिसे हम देश की प्रगति के लिए पूरी तरह इस्तेमाल नहीं कर पा रहे. वित्तीय प्रबंधन के साथ-साथ मानव संसाधन प्रबंध भी जरूरी होता है. हमारी मानव संसाधन प्रबंधन नीतियां बड़ा बदलाव खोज रही हैं. विकसित राष्ट्र बनने के लिए देश के सारे प्रदेशों को अपनी क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ना होगा. उदाहरण के तौर पर यदि हम केवल झारखंड और पास के प्रदेश बिहार की बात करें तो हम पाएंगे कि इन प्रदेशों की हालत विकास के पैमाने पर काफी कमजोर है. और ऐसा इसलिए नहीं है कि इन प्रदेशों में भौतिक संसाधनों की कमी है. वह तो प्रचुर मात्रा में हैं. कमी है तो विकास मूलक नीतियों की, विकासोन्मुख बुनियादी ढांचे की और विकास प्रेरक संस्कृति की. यह स्थिति और भी कई प्रदेशों की है. इसके लिए आवश्यक होगा केंद्र और प्रदेश की सरकारों का समन्वय एवं तालमेल. दलीय भावना से ऊपर उठकर.

सवाल देश की प्रगति का है, किसी दल या प्रदेश के वाह वाही लूटने का नहीं. आज जरूरत है रोजगार मूलक नीतियां बनाने की, रोजगार को बढ़ावा देने वाले उद्योगों को प्रोत्साहित करने की और श्रम आधारित उद्यम को अधिक से अधिक बढ़ाने की. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर अत्यधिक जोर देने से रोजगार नहीं बढ़ेंगे.यदि ईमानदारी से अवलोकन करें तो यह समझ में आएगा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बढ़ने से रोजगार का सृजन कम होगा. हम दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश हैं और हमारे लिए हाथों को काम देना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि युवा वर्ग भटकाव के रास्ते पर ना चले. एक और बात. हमारी श्रम शक्ति की सबसे बड़ी कमजोरी अकुशल श्रमिक हैं. उन्हें रोजगार मुहैया कराना सबसे बड़ी चुनौती होगी. हम सकल घरेलू उत्पाद बढ़ा सकते हैं, पांच खरब डालर की अर्थव्यवस्था बन सकते हैं, प्रति व्यक्ति आय का आंकड़ा भी बढ़ा सकते हैं, लेकिन हर व्यक्ति को एक न्यूनतम आय चाहिए. उसके लिए सीधे हस्तक्षेप करना होगा. साथ ही विनिर्माण क्षेत्र में हमें चीन या वियतनाम से सीखना होगा. दक्षिण कोरिया, ताइवान या जापान ने भी यही मार्ग अपनाया था.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

श्रेयस्कर नहीं पूर्वाग्रह

सत्य खोजी को चाहिए, चाहे कैसे भी उसके दृढ और स्थापित पूर्वाग्रह हो. चाहे वे कितने भी यथार्थ प्रतीत होते हो. जिस समय उसका चिंतन सत्य की शोध में सलग्न हो, उस समय मात्र के लिए तो उसे अपने पूर्वाग्रह या कदाग्रह को तत्क्षण त्याग देना चाहिए. अन्यथा वे पूर्वाग्रह, सत्य को बाधित करते रहेंगे. सोचें कि मेरा चिंतन ,मेरी धारणाओं, मेरे आग्रहों से प्रभावित तो नहीं हो रहा? कभी कभी तो हमारी स्वयं की 'मौलिक विचारशीलता' पर ही अहं उत्पन्न हो जाता है. और अहं, यथार्थ जानने के बाद भी स्वयं में, विचार परिवर्तन के अवसर को अवरोधित करता है. सोचें कि कहीं मैं अपनी ही वैचारिकता के मोहजाल में, स्वच्छंद चिंतन में तो नहीं बह रहा? कभी कभी तो अजानते ही हमारे विश्लेषण मताग्रह के अधीन हो जाते है. प्रायः ऐसी स्थिति हमें, सत्य तथ्य से भटका देती है. प्रायः हमारी वैचारिकता पर किसी न किसी विचारधारा का प्रभाव होता है. तथ्यों की परीक्षा-समीक्षा करते हुए, अनायास ही हमारा पलड़ा सत्य विरूद्ध झुक सकता है. और अक्सर हम सत्य के साथ 'वैचारिक पक्षपात' कर बैठते है. इस तरह के पक्षपात के प्रति पूर्ण सावधानी जरूरी है. पूर्व स्थापित निष्कर्षों के प्रति निर्ममता का दृढ भाव चाहिए. सम्यक दृष्टि से निरपेक्ष ध्येय आवश्यक है. ₹यह निश्चित है कि कोई एक 'परम सत्य' अवश्य है. और सत्य 'एक' ही है. सत्य को जानना समझना और स्वीकार करना हमारे लिए नितांत ही आवश्यक है.₹ सत्य पर इस प्रकार की अटल श्रद्धा होना जरूरी है. सत्य के प्रति यही आस्था, सत्य जानने का दृढ मनोबल प्रदान करती है. उसी विश्वास के आधार पर हम अथक परिश्रम पूर्व सत्य मार्ग पर डटे रह सकते है. अन्यथा जरा सी प्रतिकूलता, सत्य संशोधन को विराम दे देती है. परीक्षा करें कि विचार, तर्कसंगत-सुसंगत है अथवा नहीं. वे न्यायोचित है या नहीं. भिन्न दृष्टिकोण होने कारण हम प्रथम दृष्टि में ही विपरित विश्लेषण पर पहुँच जाते है. जैसे सिक्के के दो पहलू होते है. दूसरे पहलू पर भी विचार जरूरी है. जल्द निर्णय का प्रलोभन त्याग कर, कम से कम एक बार तो विपरित दृष्टिकोण से चिंतन करना ही चाहिए. परिक्षक से सदैव तटस्थता की अपेक्षा की जाती है. सत्य सर्वेक्षण में तटस्थ दृष्टि तो आवश्यक ही है. जो वस्तु जैसी है, उसे यथारूप में ही मनन करें और उसे प्रस्तुत भी उसी यथार्थ रूप में करें. न उसका कम आंकलन करें न उसमें अतिश्योक्ति करें न अपवाद मार्ग का अनुसरण करें.

शिक्षा व्यवस्था स्वाधीन राष्ट्र की सच्ची पूंजी

• शिक्षा-व्यवस्था

राजीव थेपड़ा

स्वाधीनता के पश्चात ऐसे बहुत सारे विषय हैं, जिन पर सोचा और बोला तो बहुत कुछ गया है, लेकिन जिनके सुधार के लिए अब तक कुछ भी नहीं किया गया है. किंतु जो देश के जन-जन के हित में है और यह हित न केवल संसाधनों की बचत के रूप में है, बल्कि देश के करोड़ों लोगों के करोड़ों घंटों के बचाव बचत के रूप में भी हैं. इस विषय पर जब भी हम एक विकसित और गर्वित भारत की बात करते हैं, तो उसमें स्वतः ही यह विषय शामिल हो जाता है. क्योंकि जब तक देश के होनहारों को सम्यक शिक्षा नहीं प्राप्त होगी, तब तक देश के बारे में चाहे जो भी कुछ क्यों ने कहा जाए या सोचा जाए, वह अपने आप में तनिक भी सार्थक नहीं होगा. तो सचमुच यदि हम देश को एक विकसित राष्ट्र बनाते हुए इसे सही अर्थों में विश्व का सिरमौर राष्ट्र बनाना चाहते हैं, तो हमें अपने देश की शिक्षा व्यवस्था पर विचार करना ही होगा और इसमें आमूल चूल परिवर्तन करते हुए देश के समस्त होनहारों को एक नई दिशा देनी होगी. सरकारी शिक्षा जिसके लगभग पतन-प्रायः हो जाने के कारण न केवल करोड़ों बच्चे अच्छी एवं स्तरीय शिक्षा से वंचित रह जाते हैं, अपितु इन तमाम करोड़ों बच्चों के अभिभावकों का अमूल्य समय व धन भी नष्ट होता है. अपने बच्चों के उचित भविष्य निर्धारण के लिए चिंतित और परेशान अभिभावकों को सरकारी शिक्षा की अधोगति की वजह से निजी विद्यालयों में प्रविष्ट करवाना पड़ता है, जिसका परिणाम उन अभिभावकों के खून-पसीने की कमाई का एक अच्छा हिस्सा पढ़ाई के खर्च में चला जाता है. यहां पर एक प्रश्न और भी उठता है कि जब निजी स्कूलों में वही शिक्षक सरकारी स्कूलों के अनुपात में अत्यंत कम मिल रहे वेतन में भी बच्चों की उच्च स्तरीय शिक्षा का प्रबंध देखते हैं, तो फिर वही शिक्षक सरकारी स्कूलों में इतने अराजक क्यों हो जाते हैं? जबकि उन्हें वहां किसी भी अनुपात में बहुत ही अच्छा वेतन मिलता है! देश में लाखों-लाख शिक्षक हैं, जो सरकारी विद्यालयों में पढ़ा रहे हैं, क्या उनके दिल में यह बोध कभी नहीं पनपता कि उन्हें मिल रहे इतने उच्च वेतन के बदले उन्हें बच्चों को एक स्तरीय शिक्षा देनी चाहिए, जो उनका कर्तव्य व दायित्व है और उसी एकमात्र उद्देश्य के लिए उनका चयन उन विद्यालयों में हुआ है. देश के हजारों विद्यालयों सरकारी विद्यालयों में कतिपय शिक्षक ऐसे भी हैं, जो खुद को मिल रहे वेतन का भी बड़ा हिस्सा खर्च करके बच्चों को जी जान लगाकर शिक्षा एवं संस्कार देते हैं. लेकिन सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों का एक बड़ा अनुपात अपने दायित्व बोध से सदा विमुख रहा है, इसके चलते अभिभावकों को अपने बच्चों को ब्रांडेड स्कूलों तक में दाखिला दिलवाना पड़ता है और यहां से शुरू होता है उनके लिए परेशानियों का एक नया दौर. भारी-भरकम स्कूल फीस के अलावा घर से स्कूल तक जाने के प्रबंध के रूप में बसों स्कूल द्वारा की गई बसों की व्यवस्था का खर्च भी उतना ही भारी-भरकम होता है, जो एक आम अभिभावक की क्षमता के बाहर होता है. किंतु उसके बावजूद अपने बच्चों को उचित मुकाम तक पहुंचाने के लिए चिंतित अभिभावकों द्वारा कर्ज लेकर भी उस खर्च को वहन किया जाता है. लेकिन बात सिर्फ इतनी सी नहीं है, ब्रांडेड स्कूलों में बच्चों की भर्ती में स्कूलों द्वारा डोनेशन भी लिए जाते हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि 5 किलोमीटर 10-15 से लेकर 20 किलोमीटर तक दूर अवस्थित इन स्कूलों तक बच्चों के पहुंचने का खर्च और आने-जाने में लगने वाला समय और उस पर पड़ने वाली आर्थिक लागत को यदि जोड़ा जाए तो एक ऐसा हैरान कर देने वाला आंकड़ा सामने आता है, जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते! देश के करोड़ों बच्चे जो दूरदराज के क्षेत्रों में अवस्थित स्कूल जाते हैं, उनको रोज स्कूल जाने आने में ही 2 से 3 घंटे तक भी लग जाते हैं और महीने का खर्च दो से तीन हज़ार के लगभग आता है और यदि अभिभावक उन्हें छोड़ने जाते हैं, तो ये 2 से 3 घंटे उन करोड़ों अभिभावकों के भी बेवजह नष्ट होते हैं. साथ ही उनका भी पेट्रोल का खर्च लगता है. ऐसे में यदि सरकारी स्कूलों में यदि एक जैसी और उच्च स्तरीय पढ़ाई का प्रबंध हो, तो बच्चे अपने घर के निकटतम स्कूलों में पढ़ पाने में सक्षम होंगे और प्रत्येक बच्चा अपने घर के निकटतम स्कूल जाने के लिए पैदल ही अपने स्कूल जा पाने में सक्षम होगा.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> सरकारी शिक्षा जिसके लगभग पतन-प्रायः हो जाने के कारण न केवल करोड़ों बच्चे अच्छी एवं स्तरीय शिक्षा से वंचित रह जाते हैं, अपितु इन तमाम करोड़ों बच्चों के अभिभावकों का अमूल्य समय व धन भी नष्ट होता है. अपने बच्चों के उचित भविष्य निर्धारण के लिए चिंतित और परेशान अभिभावकों को सरकारी शिक्षा की अधोगति की वजह से निजी विद्यालयों में प्रविष्ट करवाना पड़ता है.

मोदी सरकार और हिंडनबर्ग का खुलासा

• सियासत

शकील अख्तर

प्रधानमंत्री मोदी कई संकटों में घिरे, मगर बचे रहे. उनके पास मीडिया है जो उनके खिलाफ जाने वाली हर बात को दबा देता है. उनके पक्ष में रोज नई हिंडनबर्ग के नए खुलासे के बाद ऐसा ही लग रहा है कि मोदी जी का कवच बना मीडिया थोड़ा सहमा हुआ है. टीवी चैनलों पर खबर चल रही है. डेढ़ साल पहले जब हिंडनबर्ग का पहला खुलासा आया था तो मोदी जी लोकसभा में 303 सांसदों वाली पार्टी के नेता थे. राहुल ने लोकसभा में सवाल उठाया तो उन्हें लोकसभा से ही निकाल दिया गया था. मगर उसी सत्रहवीं लोकसभा में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें वापस भेजा. कहानियां पेश करता है. जनता को हिन्दू-मुसलमान में उलझाए रखता है. अगर यह सेफ गार्ड एक दिन को भी हट जाए तो मोदी जी के लिए अपना विकेट बचाना मुश्किल होगा. अभी हिंडनबर्ग के नए खुलासे के बाद ऐसा ही लग रहा है कि मोदी जी का कवच बना मीडिया थोड़ा सहमा हुआ है. टीवी चैनलों पर खबर चल रही है. डेढ़ साल पहले जब हिंडनबर्ग का पहला खुलासा आया था तो मोदी जी लोकसभा में 303 सांसदों वाली पार्टी के नेता थे. राहुल ने लोकसभा में सवाल उठाया तो उन्हें लोकसभा से ही निकाल दिया गया था. मगर उसी सत्रहवीं लोकसभा में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें वापस भेजा. और अब 18 वीं लोकसभा में जनता ने उन्हें न केवल दो जगह से जीता कर वापस भेजा, बल्कि मोदी जी की 303 सीटों को 240 भी कर दिया. 240 मतलब अल्पमत! 543 की लोकसभा में साधारण बहुमत के लिए भी 272 सीटें चाहिए. मोदी जी तीसरी बार जरूर प्रधानमंत्री बन गए. नेहरू से बराबरी का खूब प्रचार भी करवा लिया, मगर पिछली दोनों बार की सीटों से बहुत कम ला पाए. 2014 में पहली बार प्रधानमंत्री बनते समय भी 282 सीटें जीते थे. तो इस बार अल्पमत में आते ही डर भी खत्म हो गया. पिछले दस साल खुद भाजपा आरएसएस भी डर में ही रहे. बाकी संवैधानिक इंस्टिट्यूशन और ज्यादा डरे हुए. और मीडिया सबसे ज्यादा डरा हुआ. एक ही आदमी नहीं डरा. पूरा इंस्टिट्यूशन बन गया वह निकल पड़ा सड़कों पर. उस समय 303 सीटों का गुमान था. और 400 पार के ख्वाब थे. तो राहुल के खिलाफ हर कार्रवाई की गई. एसपीजी की सुरक्षा हटाई. 55-56 घंटे ईडी ने पूछताछ की. मगर कुछ नहीं निकला. लोकसभा की सदस्यता छीनी. घर छीना. बीस से ज्यादा मुकदमे चला रखे हैं. जिन्हें एक जगह नहीं कर रहे. सड़क पर गिराया तक गया. जब हाथरस जा रहे थे दलित परिवार से मिलने जिनकी लड़की सामूहिक बलात्कार में मारी गई थी तो पुलिस ने धक्के मारकर गिराया. क्या नहीं किया? किसी एक नेता के खिलाफ आजादी के बाद इतनी कार्रवाइयां करने का और कोई उदाहरण तो बताइए! मगर उसका जवाब इस नेता ने दो तरह से दिया. एक-दो बार पूरा हिन्दुस्तान नाप दिया. दूसरे पूरे हिन्दुस्तान के विपक्षी दलों को एक कर दिया. परिणाम सामने है. मोदी जी अल्पमत में और राहुल पूरे दम के साथ नेता प्रतिपक्ष. बाकी सब इसके फाल आउट हैं. कमजोर का साथ कोई नहीं देता. मोदी जी को अच्छी तरह समझ में आ रहा होगा. जिस मीडिया पर इतना भरोसा था वह भी हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर सवाल कर रहा है. करे भी क्यों नहीं? शेयर बाजार और बैंक इन दोनों चीजों पर झूठ चल नहीं सकता. सारा कारोबार ही इन पर टिका है. मध्यमवर्ग का सारा पैसा इन्हीं दोनों जगह है. बाकी सब जगह झूठ बोलने से आर्थिक नुकसान नहीं होता. मगर यहां अगर शेयर बाजार और बैंकों में कोई बड़ा कांड हुआ तो मध्यम वर्ग तो मिटेगा ही, यह मीडिया भी बच नहीं सकेगा. अभी एक उद्योगपति के चैनल से सैकड़ों लोग नौकरी से निकाले गए. इस उद्योगपति ने चालीस साल पहले भी एक बड़ा अंग्रेजी अख़बार निकाला था. बड़ी-बड़ी तनखाओं पर पत्रकारों को लाया था. मगर जब लगा कि अपना अख़बार चलाने से सस्ता दूसरे अखबारों के जरिए काम करना है तो फिर अचानक सब पत्रकारों और दूसरे स्टाफ को मंझधार में छोड़कर अख़बार बंद कर दिया. अब आधे से ज्यादा मीडिया खरीद लिया है. लेकिन उसके लिए सम्मान या प्रोफेशनल माहौल देने का सवाल ही नहीं. जैसे लाला के यहां लोग काम करते हैं वैसी स्थिति कर दी. उधर मोदी जी तो सम्मान करते नहीं है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> टीवी चैनलों पर खबर चल रही है. डेढ़ साल पहले जब हिंडनबर्ग का पहला खुलासा आया था तो मोदी जी लोकसभा में ३०३ सांसदों वाली पार्टी के नेता थे. राहुल ने लोकसभा में सवाल उठाया तो उन्हें लोकसभा से ही निकाल दिया गया था. मगर उसी सत्रहवीं लोकसभा में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें वापस भेजा.

मीडिया में अन्यत्र

पेरिस ओलिम्पिक का खट्टा-मीठा समापन

फ्रांस की राजधानी पेरिस में 26 जुलाई को प्रारम्भ हुए 33वें ओलिम्पिक खेलों का समापन रविवार को हुआ. 126 पदकों के साथ अमेरिका (40 स्वर्ण) प्रथम, चीन दूसरे तथा जापान तीसरे क्रमांक पर रहा. 140 करोड़ की जनसंख्या वाले भारत ने पिछले टोक्यो ओलिम्पिक में कुल 6 मेडल पाये थे, लेकिन उसमें एक गोल्ड था. इस बार भी उसे कुल जमा 6 ही मिले- एक रजत और 5 कांस्य. उसका क्रमांक 71 रहा. छोटे-बड़े 62 देश ऐसे हैं जिन्हें कम से कम एक स्वर्ण पदक अवश्य मिला है. मनु भाकर एकमेव ऐसी खिलाड़ी रहीं जिन्होंने दो पदक पाये. एकमात्र रजत नीरज चोपड़ा को मिला जिन्होंने पिछली प्रतियोगिता में स्वर्ण जीता था. नीरज इस बार अपने परम्परागत प्रतिस्पर्धी अरशद नदीम (पाकिस्तान) से आगे भाला फेंक नहीं पाये. भारत के प्रदर्शन ने फिर साबित कर दिया कि खेल शक्ति बनने के लिये देश का आकार या जनसंख्या जिम्मेदार नहीं बल्कि सरकारों का रवैया, समाज का नज़रिया, खिलाड़ियों को मिलने वाला समर्थन व सम्मान, संसाधनों व सुविधाओं की उपलब्धता जैसे तथ्य मुख्य कारक होते हैं. पदक तालिका में शीर्ष पर खड़े अमेरिका की जनसंख्या भारत के मध्य वर्ग के बराबर भी नहीं है, तो वहीं दूसरे क्रमांक पर भारत से आकार में काफी छोटा जापान है. चीन तीसरे स्थान पर है जो भारत की ही तरह बड़ी आबादी तथा विशाल भूभाग वाला देश है. जज़्बा- बस यही मायने रखता है. फिर चाहे वह देश का हो या खिलाड़ियों का. भारत में खिलाड़ियों के पास जज़्बा और काबिलियत तो है, लेकिन सरकारें निराश करती है. खेलों को गम्भीरता से लेने वाले राज्यों की संख्या गिनाने के लिये एक हाथ की उंगलियां भी काफी हैं. शेष औपचारिकता निभाते हैं और इस क्षेत्र को भी अपनी सियासत का अखाड़ा मानते हैं. सत्ता से जुड़े लोग खेल संगठनों पर काबिज हैं. जिस संगठन की सरकार से जितनी निकटता होगी वह सरकार से उतना ही अनुदान खींच लाता है शासन से सहूलियतें जुटाई जाती हैं, अध्ययन के नाम पर विदेशी दौरे होते हैं, प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों के अनुपात में बड़ा सा अधिकारियों का दल होता है. टूर्नामेंट के प्रदर्शनों का विश्लेषण नहीं होता, न ही खर्चों की समीक्षा होती है. ओलिम्पिक हों या कोई और स्पर्धा, लौटने पर खराब प्रदर्शन के लिये थोड़ी-बहुत शिकायतें होती हैं या आलोचना होती है, वह भी खिलाड़ियों की. सरकारें, खेल संगठन एवं अधिकारीगण बच निकलते हैं. ऐसे राज्य जो ढंग के दो खिलाड़ी भी पैदा नहीं करते, वे खेल मंत्रालय से करोड़ों रूपये उठा लाते हैं. जिन कथित पिछड़े राज्यों में खिलाड़ियों को विकसित करने की असीम सम्भावना होती है वहां के खिलाड़ी और संगठन पाई-पाई को तरसते हैं.

(देशबंधु)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

स्वतंत्रता/स्वच्छंदता

आज हम पूरे उत्साह और उमंग से देश का स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं. यह हम सभी देशवासियों के लिए सौभाग्य और गर्व की बात है, लेकिन इसका दूसरा यह पक्ष यह भी है कि सात दशकों के बाद भी देश की एक बड़ी आबादी आज भी कई प्रकार की पराधीनता झेल रही है, वहीं कुछ लोग कुछ भी करने के लिए स्वच्छंद हो गये. यानी किसी को स्वतंत्रता भी नहीं मिली और किसी को स्वच्छंदता मिल गयी. स्वतंत्रता और स्वच्छंदता दोनों संस्कृत तत्सम संज्ञा स्त्रीलिंग हैं, लेकिन दोनों के बीच पर्याप्त अंतर है. शब्दकोशों के अनुसार स्वतंत्रता का अर्थ है स्वाधीनता, आजादी, मुक्ति, छूट, ढील, बिना किसी बंधन अथवा नियंत्रण के अपनी इच्छानुसार कार्य करने का अधिकार, वहीं स्वच्छंदता का मतलब है अपनी इच्छानुसार आचरण करना, मनमानी, निरंकुशता, अनियंत्रणीय. स्वतंत्रता का भाव सकारात्मक तो स्वच्छंदता का भाव नकारात्मक है. स्वतंत्रता का आशय है बुद्धि-विवेक और राष्ट्रीय-सामाजिक नियमों के प्रति प्रतिबद्धता के साथ अपने ऊपर स्वयं ही शासन. स्वतंत्रता समाज और धर्म के नियमों के अंतर्गत होती है, जबकि स्वच्छंदता समाज और धर्म शास्त्र के नियम के विपरीत चारित्रिक विनाश के लिए होती है. जो नियम कायदों से मुक्त कर दे और किसी भी प्रकार से बंधन में नहीं बांधे, वह स्वच्छंदता है. स्वतंत्रता का अर्थ है हम किसी के अधीन नहीं होंगे, लेकिन किसी कायदे, नियम या कानून को मानेंगे, पालन करेंगे और अपनी स्वतंत्रता को उन नियमों के अंतर्गत ही रखेंगे. स्वतंत्रता और स्वच्छंदता में वही अंतर है, जो संगीत और शोर में होता है. स्वतंत्रता में अनुशासन को मानना जरूरी है और इसके बिना कोई काम किया जाता है तो वह स्वछंदता है. स्वतंत्रता दिवस पर हम सभी देशवासियों को संकल्प लेना चाहिए कि हमें स्वतंत्रता चाहिए, स्वच्छंदता नहीं. स्वतंत्रता नागरिकों को जिम्मेदार बनाती है और स्वच्छंदता अनेक प्रकार के अपराधों की जननी है. हम देश के संविधान, प्रावधान, कानून, सामाजिक-सांस्कृतिक नियमों का सम्मान करते हुए देश को प्रगति के पथ पर अग्रसर करें. जय हिंद!

दमदार लोगों का दमदार देश

• तीर-तुक्का

कुबेर

दमदार लोगों के इस देश को डरपोक और घोंचू लोगों का देश बतानेवाले बांगड़ुओं के लिए सौ-सौ लानतें. यहां पुलिस से ज्यादा दम अपराधियों में होता है. कहते हैं - दम है तो पकड़ के बता. सरकारी रकम डकारनेवालों के दम का कहीं कोई तोड़ नहीं. कहते हैं - जिसमें दम है, पकड़ ले. बच्चे और जवान सरकारी संपत्तियों को तोड़-फोड़कर आपना दम दिखाते हैं. गरीब और मजदूर पच्चीस-पचास की रोजी कमाकर भी दमदारी से अपनी गृहस्थी खींच ले जाते हैं. मुझे मिलनेवाले लोग तो अक्सर दमदार होते हैं. मित्र भी, सहकर्मी भी, परिचित भी और अपरिचित भी. इनमें से कुछ तो सार्वत्रिक-दमदार होते हैं. ये चाहे उपस्थित रहें, न रहें; इनके दम का प्रभाव सदा और सर्वत्र मौजूद रहता है. उस दिन चौराहे पर ट्रैफिक पुलिस ने तीन की सवारी वाले एक मोटर सायकिल को पकड़ लिया. तीनों नवयुवक थे. अभी-अभी बालिग हुए थे. नवयुवक थे तो मर्जी के मालिक भी थे, चाहे जितने लोंगों की सवारी कर लें. नवयुवक थे तो भीड़ के अंदर भी अच्छी-खासी स्पीड में चल सकते थे. नवयुवक थे तो ड्राइविंग लायसेंस क्या खाक होगी उनके पास. पर थे दमदार. समझदार भी थे, जुर्माना देना स्वीकार था, पुलिसवाले से उलझना नहीं. पुलसवाले को रसीद बुक निकालते देखकर उन्होंने भी अपना बटुवा निकाल लिया. पुलिसवाला अनुभवी था, पर उन नवयुवकों को समझदार समझने के फेर में उसका अनुभव गच्चा खा गया. बिना परिचय पूछे उसने जुर्माने की रसीद बना डाली. आदत थी, अन्य विवरण दर्ज करने के बाद नाम-पता पूछने की, सो वैसा ही किया. युवक ने अपना नाम बताया- 'के कुमार.' नाम सुनते ही पुलिसवाले के चेहरे पर हवाइयां उड़ने लगीं. पूछा - 'कुमार साहब के लड़के हो?' उसने कहा- 'जी.' यह सुनते ही पुलिसवाले के माथे पर गंगा-जमुना बहने लगी. पसीना पोंछते हुए उसने बड़े प्यार से कहा - 'बेटा! आपने यह पहले क्यों नहीं बताया?' जितने प्यार से उसने यह सवाल पूछा था उतने प्यार से उसने कभी अपने बेटे से भी बात नहीं की होगी. उतने ही प्यार से क कुमार ने छक्का जड़ा - 'आपने पूछा ही कहां अंकल?' वह रसीद बुक से पंखा करके अपने चेहरे के पसीने को सुखाने की कोशिश करता था. पसीना था कि सूखने का नाम ही नहीं लेता था. काफी देर तक यही कोशिश होती रही. बीच-बीच में उनके श्रीहीन मुख से दारुण दुख से भीगा हुआ पश्चातापवाला यह वाक्य निकल पड़ा - 'बताना था न बेटा.' युवक ने नोट को आगे बढ़ते हुए कहा- 'प्लीज, जल्दी कीजिए न अंकल. हॉस्पिटल जाना है, फ्रेण्ड से मिलने. गेट बंद हो जायेगा.' पता नहीं, आगे क्या हुआ. इस ट्रेजिडी-कॉमेडी को देखकर मुझे एंगर हो रहा था. वहां से हटना ही उचित लगा.

स्वतंत्रता दिवस विशेष

देशभक्ति...यह शब्द जितना भावनाओं में पगा है, उतना ही व्यापक अर्थ वाला भी. केवल 15 अगस्त या 26 जनवरी को उत्सव मनाना ही देशभक्ति नहीं, यह बड़ी जिम्मेदारी भी है. आइए युवाओं से जानें कि उनके लिए क्या है देशभक्ति के मायने...

आज के दौर में देश भक्ति के मायने

इशिका सिंह
शिक्षिका

मेरे लिए देशभक्ति का अर्थ है अपने देश की विविधता, समावेशिता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता से प्यार करना और उसे अपनाना. दुनिया को जानते-समझते हुए अपनी विरासत, परंपराओं और पर्यावरण को संरक्षित करना मेरी नजर में देशभक्ति है. मेरी देशभक्ति मुझे राजनीति से ऊपर उठा कर दूसरों से जोड़ती है. सामूहिक कल्याण और राष्ट्रीय एकता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करती है. यह मेरी देशभक्ति का असर है कि मैं खामियों को स्वीकार करती हूं, गलतियों से सीखती हूं और खुद को बेहतर करती हूं.

आकृति कुमारी सिंह, शिक्षिका

मेरी राय में देशभक्ति का मतलब स्कूल-कॉलेज और सोसाइटी में 15 अगस्त और 26 जनवरी मनाना मात्र नहीं है. देशभक्ति का मतलब है कि आपने देश की विविधता को किस तरह और कितना स्वीकार करते हैं. विविध संस्कृति और धर्मों का कितना सम्मान करते हैं. एक समाज में रहते हुए दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करना और एक अच्छे समाज के निर्माण में मदद करना ही देशभक्ति है.

रेखा सिंह
वाइस प्रिंसिपल

देशभक्ति का अर्थ है अपने देश से प्रेम करना, उसकी सेवा करना, और उसके लिए बलिदान देने के लिए तैयार रहना. यह अपने देश की स्वतंत्रता, संप्रभुता और एकता की रक्षा करने के लिए काम करना है. यह व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठ कर अपने देश के लोगों के कल्याण और सुख के लिए प्रयास करना है. देशभक्ति का अर्थ है अपने देश की संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों को संरक्षित करना और बढ़ावा देना. यह अपने देश के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्य की भावना रखना है.

आयुष कु. गोप
बीए, इंग्लिश ऑनर्स

देशभक्ति अपनी मातृभूमि व्यक्ति का प्रेम और समर्पण है. देशभक्ति देश के प्रति प्रेम का एक उत्सव है. अपनी मातृभूमि से प्यार करना, अपनी संस्कृति पर गर्व करना और अपने कर्तव्यों के प्रति प्रतिबद्धता ही देशभक्ति है. यह समाज के बढ़ने और बदलने के साथ विकसित होती है. अपने दैनिक जीवन में देशभक्ति के सिद्धांतों को अपनाकर, हम अपने राष्ट्र की सामूहिक भलाई में योगदान करते हैं, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उज्जवल भविष्य सुनिश्चित होता है.

आभाष नाथ
आयकर विभाग

छोटी उम्र से ही मैं भारतीय सशस्त्र बल में शामिल हो कर मां भारती की सेवा करने, उनके लिए बलिदान करने की ख्वाहिश रखता था. जब मैं इसमें शामिल हुआ तब देश की सीमा को बाहरी खतरों से बचाने में सक्रिय योगदान देते हुए इस ख्वाहिश को संतुष्टि मिली. इंडियन नेवी में अपनी सेवा पूरी करने के बाद जब मैं सिविल लाइफ में लौटा, ऐसा महसूस हुआ की शत्रु केवल बॉर्डर पर और बाहरी ही नहीं है, बल्कि वे देश के भीतर भी पैठ किए हुए हैं जिनका हमें सामना करना है. इस बोध के साथ देशभक्ति की मेरी समझ कहीं अधिक परिपक्व हुई.
अपने परिवेश की स्वच्छता सुनिश्चित करना, जरूरतमंद लोगों की मदद करना, भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलने का साहस रखना, महामारी के दौरान प्रधान मंत्री राहत कोष में योगदान देना, बुजुर्गों का सम्मान करना और अंततः, देश की प्रगति और गर्व के लिए खुद निरंतर प्रयास और समर्पण करना ही देशभक्ति है.

विजयी विश्व तिरंगा प्यारा झंडा ऊंचा रहे हमारा

वतन के जां-निसार हैं वतन के काम आएंगे/ हम इस ज़मीं को एक रोज़ आसमां बनाएंगे...जी हां, फिजा में जश्न का माहौल है. देशभक्ति की भावनाएं उफान पर हैं. इस मौके पर हमारे साथ लोगों ने साझा किए क्या हैं उनके लिए देशभक्ति के मायने. साथ ही यह भी कि कब विदेश की जमीं पर अपनी संस्कृति, अपने देश के प्रति मन गर्व से भर उठा और तब मां भारती के लिए सम्मान प्यार की भावना उमड़ पड़ी...

जब मैन्चेस्टर में लहरायी हमारी साड़ी

रीता गुप्ता

इस वर्ष मई के महीने में मैन्चेस्टर, यूके में इंटरनेशनल इनर व्हील कंवेंशन था. अपने देश से भी बड़ी संख्या में सदस्यों ने वहां अपनी उपस्थिति दर्ज कराई. अपने प्रदेश से मैं भी गई थी, ये मेरी पहली यूरोप की यात्रा थी.
एक खास दिन अपने अपने देश के पारंपरिक पोशाक में आने का दिन था. हम भारतीय महिलाओं का थीम ड्रेस पिंक/पीच रंग की साड़ी थी. साथ ही हमारी एसोसिएशन प्रेसीडेंट यानि हमारी इंडिया चीफ प्रीति गुगलानी जी ने हमें बेहद सुंदर रेशमी फुलकारी की हुई स्टोल भी भेंट किया था जिसे हमें वहां हर दिन पहनना था. उस दिन गुलाबी साड़ी पर ख़ूबसूरत स्टोल पहनी हर भारतीय डेलिगेट कंवेंशन हॉल में न सिर्फ़ गजब ही व्यक्तित्व से दमक रही थी बल्कि सभी का ध्यान भी आकर्षित कर रही थी. चूंकि वहां चलना बहुत पड़ता था, ज़्यादातर पैरों में सैंडिल की जगह जूते ही पहने हुए थीं. हम संख्या में भी अधिक भी थे सो सच कहा जाए तो "हम बस वहां छा गए".
मेरा अनुभव बहुत बढ़िया रहा, महिलाएं (जिनसे मैं मिली) वे सब भारत के प्रति अपनी सकारात्मक दृष्टिकोण और उत्सुकता तो प्रदर्शित कर ही रही थी साथ ही साथ हमारी साड़ी को ले कर भी अनेक जिज्ञासाएं थीं उन्हें मसलन,
"ठंड में क्या आप वुलन साड़ी पहनती हैं?"
"इतने बड़े कपड़े को आप लपेट कर चलती कैसे हैं?
"आप इसे फोल्ड एंड होल्ड कैसे करती हैं?"
"आपके पति साड़ी में आपके अंग प्रदर्शन पर बुरा नहीं मानते हैं?"
चकरा गए इन सवालों पर? एक पल को मैं भी ठिठक कर सोचने लगी कि हमारे देश में इस से बढ़ कर शालीन कोई ड्रेस ही नहीं, फिर ध्यान आया खुशवंत सिंह की एक कथन की,
"साड़ी ऐसा परिधान है जिसमें औरत चाहे तो सब छिपा ले या उघाड़ ले."
सबसे मज़ेदार अनुभव तब हुआ जब हम चौदह – पंद्रह मेम्बर होटल जाने के लिए मेट्रो पकड़ने हेतु सड़क पर तेजी से चलते जा रहे थे और रास्ते में लोग हमारा वीडियो बना रहे थे और विस्फारित हो कर ब्यूटीफुल, गॉर्जियस जैसे संबोधन भी बोल रहे थे. तो मैन्चेस्टर में हमारी प्यारी परिधान साड़ी ने झंडा तो गाड़ ही दिया.

इजिप्ट में गूंजी राष्ट्रभाषा हिंदी ने किया गौरवांन्वित

वीना श्रीवास्तव

यूं तो विदेश कई बार जाना हुआ लेकिन कोई भी कार्य जब पहली बार होता है उसका अपना आनंद होता है. उस आनंद को मापा नहीं जा सकता. उसके बाद होने वाले कार्य से मिलने वाली खुशी ज्यादा या कम हो सकती हैं लेकिन वह सुख जो पहली बार होता है, वो अलग ही होता है. मैंने जर्मनी, आस्ट्रिया, हंगरी, चैक रिपब्लिक, इंडोनेशिया, बाली, रूस और कई जगह की यात्रा की लेकिन पहली बार जिस विदेशी धरती पर कदम रखा वह प्राचीनतम सभ्यताओं में से है. हमने बचपन में पढ़ा था मिस्र की सभ्यता, इजिप्ट के पिरामिड व ममीज के बारे में. मन में कौतुहल था.
मैं 2016 में ग्यारहवें अंतरराष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन में इजिप्ट गई थी जिसके अध्यक्ष सुप्रसिद्ध आलोचक स्व. श्री खगेंद्र ठाकुर थे. हालांकि पहली यात्रा में वो नहीं गए थे. इंडोनेशिया यात्रा के समय दस दिन खगेंद्र दादा साथ थे और उनसे बहुत कुछ सीखा, गुना और बुना भी. वहां आयोजित कार्यक्रम में हिन्दुस्तानी साहित्यकारों के अलावा वहां के भी साहित्यकार थे. कई ज्ञानवर्धक सत्र हुए जिसमें मैंने भी पेपर पढ़ा. सबसे रोमांचक पल वह था जब विदेशी धरती पर मुझे मेरी लम्बी कविताओं के संकलन 'लड़कियां' पर मुझे पहला सम्मान 'प्रमोद वर्मा युवा सम्मान' मिला. तालियां बजीं. जिसको याद कर आज भी रोमांचित होती हूं. उस संकलन की कई कविताएं खासी चर्चित रही थीं और उसकी खास बात यह थी कि उसका आवरण चित्र प्रख्यात चित्रकार और कवि स्व. इमरोज़ जी ने बनाया था और प्रख्यात गीतकार पद्मविभूषण स्व. डॉ. गोपाल दास नीरज जी ने कविताओं पर टिप्पणी की थी. विदेश की जमीं पर अपनी भाषा-संस्कृति पर गर्व के वे पल अनमोल हैं.

जब हमारी भक्ति धारा में सराबोर हुए विदेशी

कल्याणी झा कनक

अमेरिका के इंडियाना शहर में जन्माष्टमी में हम अपनी पोती को राधा बनाकर मंदिर ले गए थे. मंदिर में हम चार साल बाद जा रहे थे. बच्चों के फ्रेंड्स (भारतीय) को देखकर सुखद एहसास हो रहा था. इसलिए क्योंकि बच्चे अमेरिका में जन्म व परवरिश के बाद भी भारतीय संस्कृति के निकट थे और अपने भारतीय त्यौहार मना रहे थे. छोटे-छोटे बच्चे राधा-कृष्ण बने इधर- उधर घूम रहे थे. ऊपर बड़े से हाल में लड्डू गोपाल का झूला लगा था. सर पर मुकुट और मोर पंख, बदन पर पीताम्बरी और नीला पटका, इसके साथ झूले पर फूलों की सजावट देखकर मन भाव विभोर हो रहा था. नीचे दरी पर श्रद्धालु हारमोनियम और तबला पर कृष्ण भजन स्वर लहरी में आकंठ डूबे हुए थे. एक विदेशी जोड़ा बहुत देर से आंखें मूंदकर झाल बजाते हुए, कृष्ण की मूर्ति के सामने बैठा था. भक्ति की पराकाष्ठा में उनकी आंखों से अश्रु अविरल बह रहे थे. अचानक उस जोड़े ने भजन गाना शुरू कर सबका मन मोह लिया. तब अपनी संस्कृति पर वाकई बहुत गर्व हुआ जिससे विदेशी भी प्रभावित हैं. अंत में मुझे भी भजन गाने का अवसर मिला. अपना स्वरचित भजन "मनमोहना मुरलीधर बंसी बजैया सांवरा" मैंने गाया. उपस्थित भक्तगणों को जब मैंने अवगत कराया कि मेरा स्वरचित भजन है, तो मुझे बहुत सराहना मिली. विदेश की धरती पर जब भी गई, भारत और भारतीयता पर गर्व के मौके मिलते रहे.

हिंदुस्तानी होने का गर्वबोध

नूपुर अशोक

हम हिंदुस्तानियों की ये विशेषता होती है कि जब हमारे साथ कुछ अच्छा होता है तो हम उसे अपने पूरे परिवार के साथ साझा करना चाहते हैं. सालों पहले जब मेरे जेठ पहली बार विदेश में बसने गए तो उनकी इच्छा थी कि बाकी सारा परिवार भी विदेश आकर वहां की सुख-सुविधा देखे. उनके आग्रह पर आखिरकार हम सब का भी विदेश जाने का प्रोग्राम बना. मेरे सास-ससुर के साथ हम लोग वहां पहुंचे. वाकई सब कुछ हमारे लिए काफी अनोखा था. उस समय भारत में शॉपिंग मॉल का चलन भी शुरू नहीं हुआ था तो वह भी हमें काफी आकर्षक लगता था. लिफ्ट, एस्केलेटर, डिश वाशर - सब कुछ हम रोमांचित होकर देखते थे.
एक दिन ऐसे ही किसी मॉल में एस्केलेटर पर चढ़ते हुए मेरे सास का संतुलन थोड़ा गड़बड़ाया और पैर में मोच आ गई. डॉक्टर को दिखाने पर उसने बताया कि कुछ समय लगेगा पर यह अपने आप ठीक हो जाएगा. चलने-फिरने से परहेज कहा. पर घूमना तो था क्योंकि हम घूमने ही तो आए थे. लिहाजा व्हीलचेयर का इंतज़ाम किया गया ताकि हम सब का घूमना जारी रहे.
एक दिन हम सब घूम रहे थे. मेरी सास व्हील चेयर पर थीं और मेरा भतीजा उसे चला रहा था. जाहिर है व्हीलचेयर की गति धीमी थी और हम बाकी लोगों से थोड़ा पीछे चल रहे थे। तभी एक विदेशी महिला ने मेरी सास से पूछा – आर यू फ्रॉम इंडिया? उनकी साड़ी से ये अंदाज़ा लगाना मुश्किल नहीं था. उन्होंने हां में सिर हिलाया और मुस्करा दीं. फिर उस विदेशी महिला ने मेरे भतीजे की ओर इशारा करके पूछा कि ये कौन है. मेरे भतीजे ने उत्तर दिया कि वह उनका पोता है और अपनी दादी को घुमा रहा है. उस विदेशी महिला के चेहरे पर आश्चर्य और प्रसन्नता के मिले-जुले भाव आए – यू आर सो लकी! वह मेरी सास का हाथ पकड़ कर देर तक अङ्ग्रेज़ी में बोलती रही कि उसे यह देखकर कितनी खुशी हो रही है कि एक पोता अपनी दादी को व्हीलचेयर में घुमा रहा है, और उनके बेटे ने उन्हें वहां बुलाया है. वह कहती जा रही थी – काश मेरे बेटे और पोते ऐसे होते. यहां तो हमें या तो खुद अपनी व्हीलचेयर चलानी होती है या किसी को पैसे देने पड़ते हैं कि वह हमें ले चले. अभी तक हम वहां के बाज़ारों की चमक-दमक से चकाचौंध थे लेकिन उस महिला की बातें सुनने के बाद ऐसा लगा कि सारी चमक कहीं विलीन हो गई हो और हम सब, एक भारतीय परिवार, उस आकाश के सबसे चमकते हुए सितारे हों.

जब वर्जीनिया में सुनाई स्वरचित देशभक्ति कविता

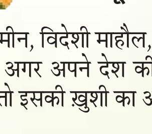

सारिका भूषण

विदेश की ज़मीन, विदेशी माहौल, विदेशी लोग और इस माहौल में अगर अपने देश की माटी की ख़ुशबू का अहसास हो जाए तो इसकी ख़ुशी का अंदाज़ा नहीं लगाया जा सकता.
बात उन दिनों की है जब मैं रांची से ब्लैक्सबर्ग (वर्जीनिया) बेटी के कंप्यूटर इंजीनियरिंग के कनवोकेशन में गई थी. चार वर्षों की पढ़ाई में हमलोग पहली बार जा रहे थे. ग्रेजुएशन सेरमोनी के बाद सारे अभिभावक अपने-अपने बच्चों के साथ यूनिवर्सिटी कैंपस में तस्वीरें खिंचवा रहे थे. बेटी को कुछ स्पेशल मेडल भी मिले थे. हम ख़ुद को बहुत गर्वान्वित महसूस कर रहे थे.
तभी कुछ अमेरिकन अभिभावक बच्चों के साथ हमारे पास आये और हमारी बातें होने लगी. वे सभी अपने-अपने बारे में भी बताने लगे. वहां लगभग सभी, स्त्री हो या पुरुष, स्वावलंबी होते हैं और मिलकर अपना घर चलाते हैं. अधिकतर बच्चे भी बहुत कम उम्र से छुट्टियों में काम करके अपने स्कूल/कॉलेज की फ़ीस जमा करते हैं. उस समय मुझे अंदर से थोड़ा ख़राब महसूस हो रहा था कि मैं आर्थिक रूप से तो आत्मनिर्भर नहीं ही हूं. वैसे भी सिर्फ लेखन से घर चलाना बहुत हो मुश्किल है. आख़िर में अपना परिचय देने की मेरी बारी आई. मैंने एक गहरी सांस लेकर अपना परिचय दिया कि मैं एक कवि और लेखक हूं और बहुत छोटी उम्र से अपनी मातृभाषा हिन्दी में लिखती हूं. सभी एकदम से चुप हो गये और क्लैप करने लगे. शुरू में मैं घबराई पर जब वे मेरी तारीफ़ करने लगे तो मेरी ख़ुशी का ठिकाना नहीं रहा. उन्होंने हिन्दी में मुझसे एक देशभक्ति की कविता सुनी. मुझे नहीं मालूम वे कुछ भी समझ पाये या नहीं पर उनके चेहरों के भाव मैं पढ़ सकती थी. उस समय मुझे अपने देश, भाषा और लेखन पर सचमुच बहुत गर्व हो रहा था. एक अमेरिकन प्रोफेसर ने यहां तक कहा कि आपके देश के बहुत सारे बच्चे आज अमेरिका के टॉप यूनिवर्सिटीस (आई वी लीग के कॉलेज) में पहुंच जाते हैं जहां पढ़ने का सपना हर अमेरिकन बच्चा भी देखता है. फिर मैंने अपनी कविताओं की एक पुस्तक वहां की लाइब्रेरी में भेंट भी की.
सच ! यही तो ख़ासियत है चाणक्य, आर्यभट्ट, कलाम के देश की मिट्टी में.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

हॉकी इंडिया का फैसला : श्रीजेश को मिली जूनियर कोच की जिम्मेवारी

श्रीजेश की 16 नंबर की जर्सी हुई रिटायर

भाषा। नयी दिल्ली

हॉकी इंडिया ने बुधवार को दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश की जर्सी नंबर 16 को रिटायर करने का फैसला किया. श्रीजेश ने हाल ही में संपन्न पेरिस खेलों में देश को लगातार दूसरा ओलंपिक कांस्य पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बाद खेल को अलविदा कह दिया. हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि भविष्य में किसी भी सीनियर टीम के खिलाड़ी को 16 नंबर की जर्सी नहीं दी जाएगी, हालांकि जूनियर स्तर पर यह जर्सी मिलेगी. भोला नाथ ने यह भी घोषणा की कि लगभग दो दशक देश का प्रतिनिधित्व करने वाले 36 वर्षीय श्रीजेश जूनियर राष्ट्रीय कोच की भूमिका निभाएंगे. भोला नाथ ने श्रीजेश के सम्मान में आयोजित समारोह में कहा, श्रीजेश अब जूनियर टीम के कोच बनने जा रहे हैं और हम सीनियर टीम के लिए 16 नंबर की जर्सी रिटायर कर रहे हैं. हम जूनियर टीम के लिए 16 नंबर की जर्सी को रिटायर नहीं कर रहे. उन्होंने कहा, श्रीजेश दूसरे श्रीजेश को जूनियर टीम में तैयार करेगा (श्रीजेश जूनियर टीम में अपने जैसे किसी खिलाड़ी को तैयार करेगा जो 16 नंबर की जर्सी पहनेगा). केरल के इस अनुभवी

खिलाड़ी के सम्मान में समारोह में उपस्थित खिलाड़ियों ने एक जैसी लाल जर्सी पहनी हुई थी, जिसके पीछे श्रीजेश का नाम लिखा हुआ था.

ओलंपिक में आखिरी चार मैचों में मुझे श्रीजेश-श्रीजेश सुनाई दिया तो मुझे सचिन तेंदुलरक की क्रिकेट से विदाई याद आ गई

‘टोक्यो कांस्य पदक का महत्व अधिक’

पेरिस में स्वर्ण पदक जीतना था : श्रीजेश

भाषा। नयी दिल्ली

लगातार दो ओलंपिक पदक जीतने वाले भारतीय हॉकी स्टार पीआर श्रीजेश ने कहा कि टोक्यो में जीता गया कांस्य पदक पेरिस में जीते गए पदक से ज्यादा उनके दिल के करीब है, क्योंकि तीन साल पहले ऐसा लगा कि दशकों तक सुनने के बाद कोई पौराणिक कहानी सच हो गई. पेरिस में भारत के अभियान के अंत के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कहने वाले 36 वर्षीय गोलकीपर श्रीजेश इस बार पदक के रंग से थोड़े निराश हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि टीम को बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए था.

मंगलवार को यहां ‘पीटीआई’ मुख्यालय में श्रीजेश से जब यह मुश्किल फैसला करने के लिए कहा गया तो उन्होंने संपादकों से कहा, निश्चित रूप से टोक्यो क्योंकि हमने लंबे समय के बाद ओलंपिक पदक जीता था. पहले हम सुनते थे कि ओलंपिक पदक का क्या मतलब होता है क्योंकि हॉकी में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक का समृद्ध इतिहास रहा है, लेकिन यह कभी हमारे हाथ में नहीं आया. इसलिए जब हमने इसे पहली बार जीता तो वह एक शानदार पल था. उन्होंने अंतर स्पष्ट करते हुए कहा, उस समय हम पदक जीतने को लेकर सुनिश्चित नहीं थे लेकिन इस बार हम शीर्ष छह में थे और किसी भी टीम को हराने में सक्षम थे, लेकिन (टोक्यो में) पदक विजेता बनना एक सपना था. टोक्यो खेलों के लिए जाने से पहले भारत की हॉकी टीम ने 41 वर्षों में कोई ओलंपिक पदक नहीं जीता था. पेरिस में टीम के शीर्ष दो में रहने की उम्मीद थी जिसके कारण टीम के तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक जीतने के बावजूद थोड़ी निराशा हुई और श्रीजेश इससे सहमत थे. श्रीजेश ने कहा, इस बार हमें उम्मीद थी कि हम नंबर वन होंगे. मुझे लगता है कि यह एक बड़ी निराशा है (स्वर्ण नहीं जीतना), यह स्वर्ण पदक होना चाहिए था. बड़ा अंतर यह है कि वहां (टोक्यो में) मैं खुश था लेकिन यहां मैं ऐसा था...'' श्रीजेश ने कंधे उचकाते हुए कहा क्योंकि वह पेरिस में प्रदर्शन को लेकर अपनी भावनाओं को सही शब्दों में व्यक्त करने में असमर्थ थे. वह पेरिस ओलंपिक के समापन समारोह में भारतीय दल के ध्वजवाहक भी बने.

पेरिस खेलों का कांस्य भारत का हॉकी में 13वां ओलंपिक पदक है. 1972 के बाद यह पहला मौका था जब देश ने हॉकी में लगातार दो पदक जीते. करिश्माई गोलकीपर श्रीजेश पेरिस ओलंपिक में पूरे समय अपनी भूमिका को लेकर दृढ़ थे और उन्हें यादगार विदाई मिली. श्रीजेश ने उन पलों को भी याद किया जब वह पदक जीतने के बाद गोलपोस्ट पर बैठे थे और उनके साथी उनके आगे झुक रहे थे और फिर कप्तान हरमनप्रीत सिंह उन्हें कंधे पर उठाकर मैदान में घूमे. भारत के लिए 336 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले श्रीजेश अपने साथियों द्वारा दी गई विदाई से अभिभूत थे और फ्रांस की राजधानी में टीम के पोडियम पर पहुंचने के बाद उनकी आंखों में आंसू थे.

अपनी विदाई देखकर श्रीजेश को आई सचिन की याद

नयी दिल्ली। बचपन से हम सचिन तेंदुलकर का नाम ही सुनते आये हैं और मैदान में सचिन सचिन का शोर सुना है, जब ओलंपिक में आखिरी चार मैचों में मुझे श्रीजेश श्रीजेश सुनाई दिया तो मुझे उनकी क्रिकेट से विदाई याद आ गई, यह कहना है भारतीय हॉकी के महान गोलकीपर पी आर श्रीजेश का. टोक्यो के बाद पेरिस ओलंपिक में भी कांस्य पदक जीतकर श्रीजेश ने हॉकी को अलविदा कह दिया. यह पूछने पर कि रिटायर होने के बाद सबसे ज्यादा क्या ‘मिस’ करेंगे, श्रीजेश ने अपने सम्मान समारोह के बाद भाषा से कहा, जैसे सचिन ने कहा था कि मैदान में सचिन-सचिन का शोर वह कभी भुला नहीं पायेंगे तो ओलंपिक में आखिरी चार मैचों से मुझे भी यह सुनाई दे रहा था श्रीजेश-श्रीजेश. मैं मैदान में उतरते समय पैड पहनना मिस करूंगा. लोग पहले दाहिना पैर रखते हैं लेकिन मैं बायां पैर पहले रखता था. भारत के लिए 336 मैच खेल चुके इस दिग्गज ने कहा,हॉकी में वॉर्मअप , रूम, मीटिंग, खिलाड़ियों को मैदान पर गालियां देना, साथ में खाना सब कुछ मिस करूंगा.

रोहित शर्मा वनडे रैंकिंग में बाबर आजम के बाद दूसरे स्थान पर

भाषा। दुबई

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा हाल में श्रीलंका के खिलाफ समाप्त हुई वनडे श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बूते बुधवार को ताजा जारी आईसीसी वनडे रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में एक पायदान के फायदे से दूसरे स्थान पर पहुंच गये. भारत हालांकि इस तीन मैच की श्रृंखला में 0-2 से हार गया था लेकिन रोहित ने दो अर्धशतकों से 52.33 के औसत से 157 रन बनाये थे. श्रृंखला का पहला मैच टाई रहा था. वहीं शुभमन गिल एक पायदान खिसककर तीसरे स्थान पर आ गये जबकि विराट कोहली अपने चौथे स्थान पर बरकरार हैं.

पाकिस्तान के बाबर आजम इस समय 824 रेटिंग अंक से सूची में शीर्ष पर काबिज हैं जबकि रोहित के 765 अंक हैं. शीर्ष 20 में शामिल अन्य भारतीयों में श्रेयस अय्यर 16वें स्थान पर जबकि केएल राहुल एक पायदान खिसककर 21वें स्थान पर पहुंच गये. बायें हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव गेंदबाजों की सूची में चौथे स्थान से भारतीयों में रैंकिंग में सर्वश्रेष्ठ स्थान पर हैं. वह शीर्ष पर काबिज दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज, आस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड और एडम जम्पा से पीछे हैं. ये तीनों शीर्ष तीन स्थान पर बने हुए हैं. तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आठवें स्थान पर बरकरार हैं जबकि मोहम्मद सिराज पांच पायदान के नुकसान से न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट के साथ संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर बने हुए हैं. सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी 12वें स्थान पर काबिज हैं. यह 33 साल का गेंदबाज टखने की चोट के बाद इस समय बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में ‘रिहैबिलिटेशन’ की प्रक्रिया से गुजर रहा है और उनके बांग्लादेश के खिलाफ अगले महीने होने वाली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला में वापसी की उम्मीद है. श्रीलंका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में (तीन मैच में पांच विकेट) भारत के लिए सर्वाधिक विकेट झटकने वाले वाशिंगटन सुंदर 10 पायदान के फायदे से 87वें स्थान पर पहुंच गये हैं. वहीं आल राउंडर सूची में रविंद्र जडेजा 16वें नंबर से भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ स्थान पर काबिज हरफनमौला हैं.

ईशान किशन और कुमार कुशाग्र ने दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट में बनाई जगह

संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) के दो प्रतिभाशाली खिलाड़ियों, ईशान किशन और कुमार कुशाग्र को प्रतिष्ठित दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट में खेलने के लिए चुना गया है. धाकड़ विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को इंडिया डी टीम में जगह दी गई है. अपने प्रभावशाली बल्लेबाजी कौशल और तेजी से रन बनाने की क्षमता के साथ ईशान जेएससीए टीम के लिए एक मूल्यवान संपत्ति रहे हैं. उन्होंने 2021 में भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया और अपनी आक्रामक बल्लेबाजी शैली से क्रिकेट जगत में तहलका मचा रहे हैं. होनहार युवा बल्लेबाज कुमार कुशाग्र का चयन इंडिया ए टीम के लिए हुआ है. अपनी ठोस तकनीक और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन से कुमार ने चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा है. वह जेएससीए के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले रहे हैं और उन्होंने विकास की जबरदस्त संभावनाएं दिखाई हैं. एसोसिएशन को दोनों खिलाड़ियों पर बेहद गर्व है और वह उन्हें टूर्नामेंट के लिए शुभकामनाएं दी है. उनका चयन प्रतिभा को निखारने और अपने खिलाड़ियों को चमकने के अवसर प्रदान करने की एसोसिएशन की प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं.

नार्थम्पटनशर में वनडे कप और काउंटी मैच में खेलेंगे युजवेंद्र चहल

लंदन । भारतीय लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल काउंटी चैम्पियनशिप डिवीजन टू में बचे हुए पांच मैच और वनडे कप के अंतिम मुकाबलों में खेलने के लिए नार्थम्पटनशर से जुड़ गये हैं. 34 साल के चहल ने अभी तक भारत के लिए 72 वनडे और 80 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और दोनों ही प्रारूपों में 217 विकेट झटके हैं. नार्थम्पटनशर ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि भारत के लिए टी20 विश्व कप के विजयी अभियान में भूमिका निभाने वाले चहल केंट के खिलाफ मैच के लिए कैंटरबरी की यात्रा से पहले बुधवार को टीम से जुड़ेंगे.

अमन सहरावत को खेल मंत्री ने दिया कैश प्राइज

नयी दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में भारत को कुश्ती में एकमात्र मेडल दिलाने वाले अमन सहरावत को खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने सम्मानित किया. इस मौके पर उन्होंने ब्रॉन्ज मेडलिस्ट अमन सहरावत को 30 लाख रुपये का कैश प्राइज भी दिया.

मोर्ने मोर्कल भारत के गेंदबाजी कोच नियुक्त

नयी दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल को भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम का नया गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया है. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने बुधवार को इसकी पुष्टि की. शाह ने पीटीआई से कहा, ‘‘हां, मोर्ने मोर्कल को सीनियर भारतीय पुरुष टीम का गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया है. दक्षिण अफ्रीका के 39 साल के मोर्कल नए मुख्य कोच गौतम गंभीर की पहली पसंद थे.

ऑस्ट्रेलिया ‘ए’ से हारा भारत ‘ए’

- राघवी और तेजल के अर्धशतक के बावजूद मिली हार

भाषा। मैकॉय (ऑस्ट्रेलिया)

मध्य क्रम की बल्लेबाजों राघवी बिष्ट और तेजल हसब्निस के अर्धशतक के बावजूद भारत ‘ए’ महिला क्रिकेट टीम को बुधवार को यहां पहले एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलिया ‘ए’ के खिलाफ चार विकेट से शिकस्त का सामना करना पड़ा. भारत ‘ए’ के 250 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए

ऑस्ट्रेलिया ‘ए’ ने केटी मैक (129 रन, 126 गेंद, 11 चौके) के शतक और कप्तान ताहिला मैकग्रा (56) के अर्धशतक से 47 ओवर में छह विकेट पर 250 रन बनाकर जीत दर्ज की. केटी ने साथी सलामी बल्लेबाज मैडी डार्क (27) और चार्ली नॉट (26) के साथ अर्धशतकीय जबकि कप्तान ताहिला के साथ शतकीय साझेदारी करके मेजबान टीम की जीत की राह आसान की. भारत ने इससे पहले राघवी की 102 गेंद में छह चौकों से 82 और तेजल की 67 गेंद में सात चौकों से 53 रन की पारी से नौ विकेट पर 249 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया.

मैंने डेविस कप कोच पद से इस्तीफा दे दिया : जीशान अली

भाषा। नयी दिल्ली

जीशान अली ने बुधवार को घोषणा की कि उन्होंने स्टॉकहोम में स्वीडन के खिलाफ भारतीय टीम के अगले मुकाबले से पहले राष्ट्रीय डेविस कप टीम के कोच पद से इस्तीफा दे दिया है. जीशान अली ने पीटीआई से कहा, मैंने डेविस कप टीम के कोच पद से इस्तीफा दे दिया है. जीशान (54 वर्ष) 2013 में नयी दिल्ली में दक्षिण कोरिया के खिलाफ मुकाबले से पहले नंदन बाल की जगह टीम के कोच बने थे. उन्होंने कहा, मैं 11 साल से डेविस कप टीम का कोच रहा हूं. सबसे बड़ी बात मैं इस साल के शुरू में पाकिस्तान में पाकिस्तान के खिलाफ खेले गये ऐतिहासिक मुकाबले में डेविस कप कप्तान भी था.

शास्त्री ने कहा | ऑस्ट्रेलिया में होगी पांच टेस्ट मैच की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी

ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला जीतने की हैट्रिक बना सकता है भारत

भाषा। दुबई

पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री को लगता है कि भारत अपने बेहतरीन गेंदबाजी स्तर तथा रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे मजबूत बल्लेबाजी लाइन अप को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखलाओं की जीत की हैट्रिक लगाने में सक्षम है. भारत ने ऑस्ट्रेलिया में पिछली दो टेस्ट श्रृंखला जीतकर प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्राफी पर कब्जा बना रखा है, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 2015 के शुरू में घरेलू श्रृंखला में 2-0 से जीत हासिल की थी. शास्त्री ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा, जसप्रीत बुमराह फिट हैं, मोहम्मद शमी फिट हैं, आपके पास मोहम्मद सिराज भी है. आपके पास रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा जैसे खिलाड़ी और कुछ अच्छी ‘बेंच स्ट्रेंथ’ भी है. इस श्रृंखला के शुरू होने के लिए बेताब हैं और मुझे लगता है कि भारतीय टीम आस्ट्रेलिया में श्रृंखलाओं की जीत की हैट्रिक लगा सकती है. ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर रिकी पोंटिंग ने हाल में भविष्यवाणी की थी कि उनका देश यह श्रृंखला 3-1 से जीतेगा, लेकिन शास्त्री ने कहा कि भारतीय गेंदबाज अपना काम बखूबी कर सकते हैं बशर्ते उनके बल्लेबाज चुनौती के लिए तैयार रहें.

शास्त्री ने कहा, यह एक बेहतरीन श्रृंखला होने जा रही है और भारत के पास हैट्रिक बनाने का पूरा मौका है, क्योंकि उनके गेंदबाज फिट हैं और अगर वे अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं तो वे ऑस्ट्रेलिया को एक बार फिर हरा सकते हैं. भारत इस साल ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की श्रृंखला खेलेगा, जिसकी शुरुआत पर्थ में टेस्ट मैच से होगी. पैट कमिंस की अगुआई वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम पिछले साल ‘द ओवल’ में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के दौरान रोहित शर्मा की टीम से बदला लेने के बाद इस श्रृंखला के लिए उत्साहित है और शास्त्री को लगता है कि घरेलू टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को फिर हासिल करने के लिए बेताब होगी.

उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया में पांच टेस्ट मैच की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी एक रोमांचक मुकाबला होने जा रहा है.

डोडा गणेश कीनिया क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बने

भाषा। नैरोबी

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर डोडा गणेश को 2026 टी20 विश्व कप के अफ्रीका क्वालीफायर से पहले कीनिया की पुरुष क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है. भारत के लिए चार टेस्ट और एक एकदिवसीय मैच खेलने वाले 51 वर्षीय गणेश ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में कर्नाटक के लिए 2000 से अधिक रन बनाए और 365 विकेट लिए. उनके सामने कीनियाई क्रिकेट के उन गौरवशाली दिनों को वापस लाने की कठिन चुनौती है जब टीम ने 1996 और 2011 के बीच पांच विश्व कप में भाग लिया. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के इस एसोसिएट सदस्य देश का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2003 में रहा था, जब वे संदीप पाटिल के रूप में एक भारतीय मुख्य कोच की मौजूदगी में दक्षिण अफ्रीका में हुए एकदिवसीय विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचे थे. कीनिया ने टी20 विश्व कप के सिर्फ एक टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है जो 2007 में हुआ था. तब से कीनियाई क्रिकेट का ग्राफ लगातार गिरता चला गया. सितंबर में आईसीसी डिविजन दो चैलेंज लीग में वे पापुआ न्यू गिनी, कतर, डेनमार्क और जर्सी से भिड़ेंगे और अक्टूबर में टी20 विश्व कप अफ्रीका क्वालीफायर खेलेंगे.

प्राकृतिक आपदा पीड़ितों के लिए चैरिटी मैच कराएगा एआईएफएफ

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) प्राकृतिक आपदाओं की तबाही का सामना करने वाले केरल और हिमाचल प्रदेश में राहत कार्य के लिए धन जुटाने हेतु दो चैरिटी फुटबॉल मैचों का आयोजन करेगा. एआईएफएफ पहला चैरिटी मैच 30 अगस्त को केरल के मलप्पुरम में कोलकाता की टीम मोहम्मद स्पोर्टिंग क्लब और एक सुपर लीग केरल एकादश के बीच कराने का प्रयास कर रहा है. एआईएफएफ ने दूसरा चैरिटी मैच दो सितंबर को लखनऊ में कराने का प्रस्ताव रखा है. देश में खेल की संचालन संस्था इस मुकाबले को लेकर संभावित क्लबों के संपर्क में है. एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा, मुझे खुशी है कि मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने मानवता के लिए हमारे प्रस्ताव पर तुरंत सहमति जता दी.

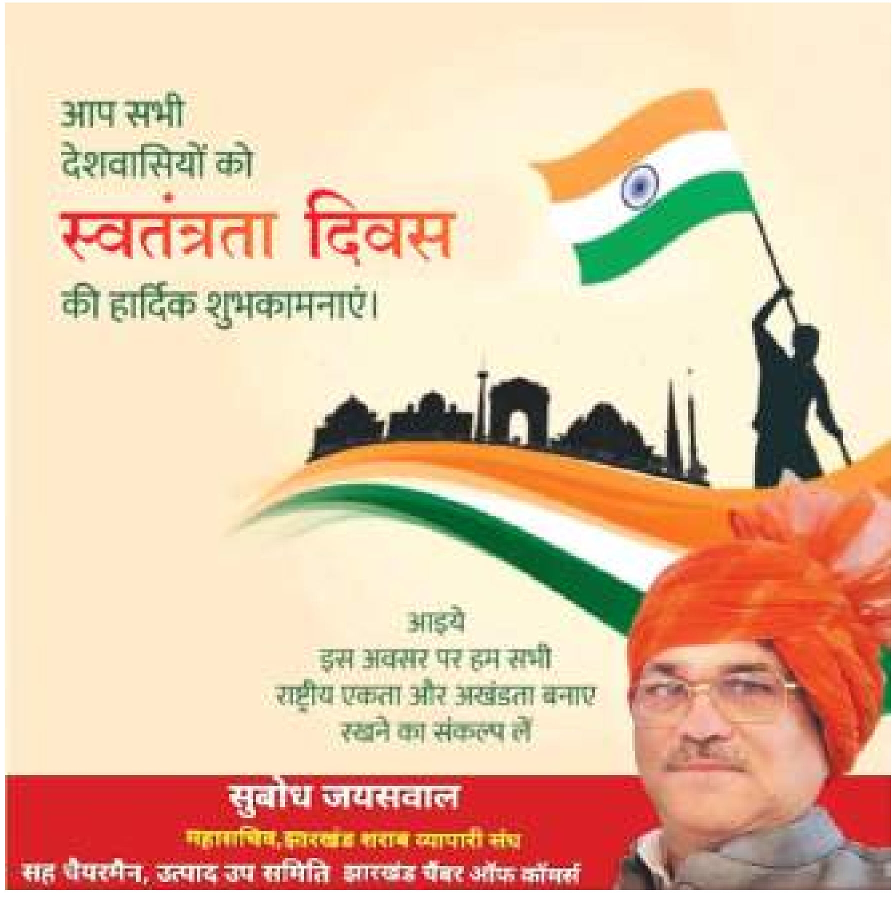

मंत्री ने युवाओं को दिये ऑफर लेटर

विशेष संवाददाता। रांची/चाईबासा

टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा संचालित स्किल डेवलपमेंट सेंटर चाईबासा से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके युवक युवतियों के बीच बुधवार को ऑफर लेटर का आदिवासी कल्याण मंत्री दीपक बिरूआ ने सौंपा. इस अवसर पर आदिवासी कल्याण मंत्री दीपक बिरुवा ने युवाओं को शुभकामना देते हुए अच्छे से कार्य करते हुए आगे बढ़ने की बात कही. उन्होंने टाटा स्टील फाउंडेशन से आग्रह करते हुए कहा यहां माइनिंग क्षेत्र होने के नाते इससे संबंधित युवाओं को प्रशिक्षण देते हुए यहीं रोजगार उपलब्ध कराया जाए. झारखंड सरकार भी इसको लेकर काफी प्रयासरत है. उन्होंने कहा कि इस तकनीकी युग में यह आवश्यक है कि हर एक हाथ को हुनरमंद बनाया जाए, जिससे युवाओं के भविष्य की जिंदगी की राह को आसान बनाया जा सके. इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर युवाओं को स्वावलंबी बनाने की महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के क्रियान्वयन को लिए टाटा स्टील फाउंडेशन प्रयासरत है. जिले में युवक-युवतियों को उनके रुचि के ट्रेड में हुनरमंद बनाकर आत्मनिर्भर बनाने का कार्य जारी है. उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने कहा कि हर युवाओं के हाथ में हुनर हो, सभी कुशल बने ताकि अपनी जीविका को चला सके.

उत्साहित दिखे युवा : इस मौके पर युवाओं को ऑफर लेटर मिलने पर युवा आत्मविश्वास से लबरेज दिखे. वहीं कौशल विकास केंद्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर हुनरमंद बने युवक-युवतियों के चेहरे पर आज आत्मनिर्भरता की मुस्कान बिखर रही है. टाटा स्टील फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने बताया कि युवक-युवतियों को प्लेसमेंट के आधार पर रोजगार का अवसर उपलब्ध करवाया गया है. आगे भी प्रशिक्षण देते हुए रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा.

रेलवे स्टेशनों की बदलेगी तस्वीर

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड के रेलवे स्टेशनों की तस्वीर बदलेगी. रेलवे स्टेशनों का विकास अमृत भारत योजना के तहत किया जाएगा. इसके लिए केंद्रीय रेलवे मंत्रालय ने झारखंड को 7,302 करोड़ रुपये की राशि दी है. इस साल रेलवे से बुनियादी ढ़ांचा के विकास में फोकस करने के साथ लोकोमोटिव और कोच के निर्माण के साथ नई तकनीक पर भी फोकस किया है. यात्रियों की सुविधा के लिए दस हजार जनरल कोच भी बनाए जाएंगे.

इन योजनाओं के लिए राशि आवंटित : बंडामुंडा(ओडिशा) - रांची दोहरीकरण लाइन के निर्माण, रांची और हटिया स्टेशन का पुनर्विकास, झालिदा, सुईसा और तुलिन स्टेशन का विकास

इन रेलवे स्टेशनों की बदलेगी तस्वीर : गंगाघाट, गढ़वा रोड, गढ़वा टाउन, घाटशिला, गिरिडीह, गोड्डा, गोविंदपुर रोड, हैदर नगर, हटिया, हज़ारीबाग रोड, जामताड़ा, जपला, जसीडीह जंक्शन, कतरासगढ़, कोडरमा जंक्शन, कुमारडुबी, लातेहार, लोहरदगा, मधुपुर जंक्शन, मनोहरपुर, मुहम्मद गंज, मुरी जंक्शन, एनएससीबी. जंक्शन गोमो, नगर उंटारी, नामकोम, ओरगा, पाकुड़, पारसनाथ, पिस्का, राजखरसवां, राजमहल, रामगढ़ कैंट, रांची जंक्शन, साहिबगंज, शंकरपुर, सिल्ली, सिनी, टाटानगर, टाटीसिल्वे, विद्यासागर बालसिरिंग, बानो, बड़ाजामदा जंक्शन, बरकाकाना, बासुकीनाथ, भागा, बोकारो स्टील सिटी चाईबासा, चक्रधरपुर, चांडिल, चंद्रपुरा, डालटनगंज, डांगोआपोसी, देवघर, धनबाद, दुमका और गम्हरिया शामिल हैं.

झारखंड को मिली और एक नयी ट्रेन की सौगात

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की पहल पर एक और नयी ट्रेन की सौगात रांची लोकसभा को मिली है. टाटा से जयनगर तक चलने वाली साप्ताहिक ट्रेन नंबर 18119 जो टाटानगर से शुक्रवार को संध्या 6.50 पर शाम को चलेगी, जो दूसरे दिन 11.30 बजे जयनगर पहुंचेगी टाटा से यह चलने वाली ट्रेन चांडिल, मुरी, कोटसिला, राजाबेरा, धनबाद, मधुपुर, जसीडीह, झाझा, किउल, बरौनी, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी होते हुए जयनगर पहुंचेगी. वहीं जयनगर से टाटा ट्रेन नंबर 18120 दिन शनिवार को चलेगी. केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने इस नई ट्रेन की सौगात के लिए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार जताया है.

नैतिक मूल्यों का पालन न करने पर थाईलैंड के प्रधानमंत्री पदमुक्त

- अदालत के आदेश ने थाई राजनीति में मचाई हलचल
- कैबिनेट सदस्य की नियुक्ति को लेकर दोषी ठहराए गए

एजेंसी। बैंकॉक

थाईलैंड की एक अदालत ने नैतिक मूल्यों का पालन न करने के आरोप में बुधवार को प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन को पद से हटा दिया. इससे एक सप्ताह पहले अदालत ने मुख्य विपक्षी दल को भंग कर दिया था. अदालत के आदेश ने थाई राजनीति में हलचल मचा दी है. संवैधानिक न्यायालय ने श्रेथा को एक कैबिनेट सदस्य की नियुक्ति को लेकर दोषी ठहराया जिसे अदालत के एक अधिकारी को रिश्वत देने के मामले में जेल की सजा हुई थी. अदालत ने श्रेथा के खिलाफ 5:4 के बहुमत से फैसला दिया. संसद जब तक नए प्रधानमंत्री की नियुक्ति नहीं करती तब तक कैबिनेट कार्यवाहक आधार पर बनी रहेगी. संसद को इस पद पर नियुक्ति के लिए कोई समयसीमा नहीं दी गई है. श्रेथा ने अप्रैल में कैबिनेट फेरबदल में पिचिट चुएनबान को प्रधानमंत्री कार्यालय के मंत्री के रूप में नियुक्त किया था. पिचिट को 2008 में अदालत की अवमानना के मामले में तब छह महीने की जेल हुई थी जब उन्होंने कथित तौर पर पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनवात्रा से जुड़े एक मामले में एक न्यायाधीश को 20 लाख बाहत (55 हजार अमेरिकी डॉलर) की रिश्वत देने की कोशिश की थी. इस घटना पर जब विवाद फिर से शुरू हुआ तो नियुक्ति के कुछ सप्ताह बाद पिचिट ने पद से इस्तीफा दे दिया. अदालत ने कहा कि हालांकि पिचिट पहले ही जेल की सजा काट चुके हैं, लेकिन उच्चतम न्यायालय

किशिदा पार्टी अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ेंगे, नया पीएम मिलेगा जापान को

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने बुधवार को कहा कि वह सितंबर में प्रस्तावित सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के अध्यक्ष पद के चुनाव में किस्मत नहीं आजमाएंगे. किशिदा सितंबर 2021 में एलडीपी के अध्यक्ष चुने

गए थे. उनका तीन साल का कार्यकाल इस साल सितंबर में खत्म हो रहा है. किशिदा के एलडीपी अध्यक्ष पद की दौड़ से बाहर होने का मतलब यह है कि पार्टी प्रमुख निर्वाचित होने वाला अगला नेता देश के प्रधानमंत्री के रूप में उनकी जगह लेगा, क्योंकि एलडीपी को संसद के दोनों सदनों में बहुमत हासिल है. किशिदा के कार्यकाल में उनकी पार्टी के कई नेताओं पर भ्रष्टाचार और घोटालों में शामिल होने के आरोप लगे हैं.

हाई कोर्ट ने तमिलनाडु में भाजपा की तिरंगा रैली को मंजूरी दी

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने बुधवार को राज्य में भाजपा की 'तिरंगा रैली' को मंजूरी दी और साथ ही तमिलनाडु सरकार को स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज लेकर मोटरसाइकिल तथा साइकिल से रैली निकालने अथवा पैदल मार्च करने जैसी किसी भी गतिविधि पर रोक नहीं लगाने का निर्देश दिया. अदालत ने प्रस्तावित कार्यक्रम के आयोजन के लिए कई शर्तें भी रखीं जिनमें राष्ट्रीय ध्वज का उचित सम्मान सुनिश्चित करना भी शामिल है. अदालत ने कोवई उत्तर के पुलिस उपायुक्त के उस आदेश को रद्द करने का अनुरोध किया गया था जिसमें याचिकाकर्ता को 15 अगस्त को शहर में चार स्थानों पर लगभग 200 दोपहिया वाहनों के साथ राष्ट्रीय ध्वज रैली करने की अनुमति देने से मना कर दिया था.

पाकिस्तान में ईशनिंदा के दोषी को 25 साल कठोर कारावास

कराची। पाकिस्तान की एक अदालत ने खुद को पैगंबर घोषित करने के आरोप में एक व्यक्ति को ईशनिंदा के लिए 25 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है. सिंध प्रांत में हैदराबाद में केंद्रीय कारागार में सुनवाई के बाद एक अतिरिक्त जिला न्यायाधीश ने मंगलवार को आरोपी को सजा सुनाई. आरोपी के नाम या धर्म का खुलासा नहीं किया गया. न्यायाधीश ने दोषी ठहराए गए व्यक्ति पर पांच लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया. न्यायाधीश ने कहा कि उसे मौत की सजा देने के लिए कोई ठोस सबूत नहीं मिला. आरोपी को तब ईशनिंदा कानून के तहत गिरफ्तार किया गया था, जब महबूब अली नाम के एक व्यक्ति ने मीरपुर सकरो पुलिस थाने में उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी.

ट्रेनी डॉक्टर हत्याकांड की जांच सीबीआई ने अपने हाथ में लिया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और उसकी हत्या की घटना की जांच का जिम्मा सीबीआई ने अपने हाथ में ले लिया है. सीबीआई के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम बुधवार की सुबह कोलकाता पहुंची. टीम में स्वास्थ्य और फॉरेंसिक विशेषज्ञ भी शामिल हैं. पश्चिम बंगाल पुलिस ने वारदात से जुड़े सभी दस्तावेज सीबीआई को सौंप दिये हैं. बुधवार को कोलकाता के सीओजी कॉम्प्लेक्स स्थित सीबीआई दफ्तर में सभी सबूत लाए गए. इस मामले में गिरफ्तार किये गये आरोपी संजय रॉय को भी पुलिस ने सीबीआई को सौंप दिया है. इस बीच, ट्रेनी महिला डॉक्टर से दुष्कर्म के बाद हत्या के विरोध में देशभर में जारी डॉक्टरों का आंदोलन बुधवार को भी जारी रहा.

वायनाड त्रासदी: मृतकों के परिजनों को मिलेगा 6-6 लाख मुआवजा

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने वायनाड जिले में हाल में हुए भीषण भूस्खलन में मारे गए लोगों के परिजनों को छह लाख रुपये का मुआवजा देने की बुधवार को घोषणा की. इस भूस्खलन में 200 से अधिक लोगों की जान चली गई थी.

विजयन ने कहा कि छह लाख रुपये में से चार लाख रुपये राज्य आपदा राहत कोष से और शेष मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष से दिए जाएंगे. उन्होंने यह भी ऐलान किया कि भूस्खलन में जिन लोगों ने आंखें और अंग खो दिए हैं या जो 60 प्रतिशत तक दिव्यांग हो गए हैं, उन्हें सीएमडीआरएफ से 75,000 रुपये दिए जाएंगे. आपदा में 40 से 60 प्रतिशत तक दिव्यांग होने वाले या गंभीर रूप से घायल होने वाले लोगों को 50,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी. इसके अलावा, जो पीड़ित किराए के मकान या अपने रिश्तेदारों के साथ रहने का विकल्प चुनेंगे, उन्हें पुनर्वास के तहत किराए के रूप में 6,000 रुपये प्रति माह मिलेंगे. हालांकि, यह राशि उन लोगों को उपलब्ध नहीं होगी जिन्हें किराया-मुक्त या पूरी तरह से प्रायोजित आवास मिलेगा. विजयन ने यह भी कहा कि 30 जुलाई को वायनाड के कुछ हिस्सों में हुए बड़े पैमाने पर भूस्खलन के बाद अब तक 231 शव और शरीर के 206 अंग बरामद किए गए हैं. उन्होंने बताया कि शवों और शरीर के अंगों के कुल 401 नमूनों का डीएनए परीक्षण किया गया और उनमें से 349 नमूने 248 व्यक्तियों के पाए गए, जिनमें 121 पुरुष और 127 महिलाएं थीं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)

78वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

शुभम संदेश

परिशिष्ट

एक राज्य - एक अखबार

जमशेदपुर, गुरुवार 15 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 11 संवत 2081 पृष्ठ : 8 ● मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 128 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

आजादी के मायने

आजादी एक मधुर संगीत है, एक सुखद अहसास है और जीने का कारण भी. कभी रूसो ने कहा था कि मनुष्य स्वतंत्र पैदा हुआ है पर वह चौतरफा जंजीरों से बंधा हुआ है. इसीलिए अब यह हम पर निर्भर करता है कि हम कैसे ख़ुद को इन जंजीरों से मुक्त करते हैं. आजादी के सही मायने भी तो यही आजादी है. तन की, मन की, विचारों की और जीने की आजादी!

आजादी एक अहसास है खुली हवा में सांस लेने का . बिना किसी भय अपनी बात कहने का. आजादी अधिकार है, तो एक बड़ी ज़िम्मेदारी भी, जिसका निर्वहन करने के लिए हम बाध्य हैं. जिन महान उद्देश्यों के लिए आजादी की लड़ाई लड़ी गई, उन्हें हासिल करना आजादी को बचाए रखने के लिए जरूरी है. वरना आजादी का जश्न महज एक औपचारिकता बनकर रह जाएगा.

आजादी के इतिहास से हम सब वाकिफ हैं लेकिन क्या यह पता है कि 15 अगस्त का दिन ही क्यों चुना गया? शुरुआती योजना के अनुसार जून, 1948 में आजादी मिलने का प्रावधान था. लेकिन जिन्ना अलग देश की मांग पर अड़ गए और देश में सांप्रदायिक दंगे शुरू हो गए. हालात को बदतर होता देख उससे पहले ही आजादी देने की बात तय हो गई. माउंटबेटन 15 अगस्त की तारीख को शुभ मानते थे क्योंकि द्वितीय विश्वयुद्ध के समय 15 अगस्त 1945 को जापानी आर्मी ने आत्मसमर्पण किया था और उस समय माउंटबेटन अलाइड फोर्स के कमांडर थे. बाद में भारतीय ज्योतिषियों और माउंटबेटन की अडिगता को देखते हुए 14 और 15 अगस्त की रात 12 बजे का समय तय किया गया.

महान कवि गोपाल सिंह नेपाली जी की एक प्रसिद्ध कविता है -

झूम-झूम बदलियां, चूम-चूम बिजलियां
आंधियां उठा रहीं, हलचलें मचा रहीं!
लड़ रहा स्वदेश हो, शांति का न लेश हो,
क्षुद्र जीत-हार पर, यह दिया बुझे नहीं!
यह स्वतंत्र भावना का स्वतंत्र गान है!

आजादी तो हमें सालों पहले मिल गई लेकिन आजादी के साथ जुड़े कर्तव्यों को शायद हम भूलते जा रहे. हमारे पड़ोसी देश चीन में हमारी जैसी आजादी नहीं है, लेकिन कर्तव्य अनिवार्य हैं जिसके कारण वह दूसरी महाशक्ति बनता जा रहा. चाहे वह कोई भी क्षेत्र हो जैसे खेल कूद, आधुनिकतावाद, औद्योगिक विकास, हर जगह वह अपना झंडा गाड़ता जा रहा. बस हमें भी देश के प्रति अपने आजाद नागरिक होने के कर्तव्य को ईमानदारी से निभाना है.

गांधीजी के लिए भी आजादी महज एक राजनीतिक लड़ाई नहीं थी. आजादी के लिये उनका सपना समग्रता में सामाजिक निर्माण का था, अंतिम आदमी के आंसू पूछने का था. कुछ हद तक हम सफल हुए हैं पर अभी भी सफर बाकी है.

-सारिका भूषण
कवयित्री, लेखिका एवं लघु कथाकार
रांची, झारखंड

स्वतंत्रता दिवस और आदिवासी महिलाएं

विकास की चुनौतियां

आज पूरा देश अपनी स्वतंत्रता का महान उत्सव मना रहा है. वर्षों पूर्व मिली आजादी और जीत के प्रतीकात्मक सपनों में एक और सपना जुड़ गया है --अच्छे दिनों के आगमन का ,,,ये सुंदर सपना झारखंड प्रदेश की भूमि सुताओं के रोम रोम में उत्साह बन हिलोरें ले रहा है --क्या अच्छे दिन आएंगे?-इन अच्छे दिनों की कल्पना आज जनमत की पुकार है , शोषित पीड़ित आदिवासी बालाओं के अंतःकरण की आवाज है. स्वतंत्रता दिवस -इस बार अनेक चुनौतियां लेकर आया है, जिसके साथ आशाओं -उम्मीदों का एक लम्बा कारवां भी है. स्वतंत्रता दिवस ,देश की अस्मिता गौरव और सम्मान का एक बहुमूल्य उत्सव -जिसकी आत्मा में समाहित हैं ,हमारे देश और प्रदेश की वो तमाम महिलाएं, जिन्होंने स्वतंत्रता के संघर्ष को राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक स्तर पर एक नया मोड़ दिया थ. हमारे झारखंड की वीरांगनाएं आदिवासी महिलाओं ने भी आजादी के सिपाहियों के साथ कदम से कदम मिलाकर-अपना बलिदान दिया और स्वतंत्र भारत के स्वप्न को साकार किया था, लेकिन अच्छे दिन तब भी नहीं आये थे. देश को पूर्ण स्वराज्य मिला, सत्ता तो मिली लेकिन वे महिलाएं जो आजादी की लड़ाई में कहीं पीछे छूट गईं,

अपने उत्सर्ग का दाय भी न मिला जिन्हें. उन महान आदिवासी झारखंडी महिलाओं के त्याग व संघर्ष को कभी भुलाया नहीं जा सकता, परन्तु आजादी के 75 साल बाद भी हमारे झारखंड की महिलाएं अपने अस्तित्व की लड़ाई आज भी लड़ रही है, वह आज भी अपनी कैद से मुक्त नहीं हो पाई -रूढ़ियों -परम्पराओं की बेड़ियाँ आज भी उसे विवश बनाती हैं. गरीबी और रोजी रोटी की जद्दोजहद से जूझती -अपने अस्तित्व व अस्मिता की लड़ाई वे आज भी लड़ रही हैं

सामाजिक. आर्थिक शोषण की शिकार ,घर-परिवार की क्षुधा शांत करने हेतु उन्हें पशुओं की तरह खरीदा बेचा जाता है. शिक्षा,सभ्यता से कोसों दूर रह केवल भूख और गरीबी का अंकगणित पढ़ने -जानने के लिए मजबूर हैं.

ऐसा नहीं है कि उनमे पढ़ने-लिखने की ललक नहीं या वह दुनियां के और-छोर देखना नहीं चाहतीं,,या विकास की मुख्य धारा से जुड़ना नहीं चाहतीं, लेकिन उनके विकास की गंगा न जाने किन घाटियों में विलीन हो जाती है. उनके मूक सपनों को ग्रहण लग जाता है क्योंकि उनके उत्थान के सारे प्रयत्न,सहायता राशि शून्य में या कागजों में ही अंकित होकर रह जाती है. उन्हें नहीं मिल पाती ,,,एक साधन संपन्न, खनिज सम्पदाओं का धनी प्रदेश अपनी भूमि -सुताओं के साथ न्याय नहीं कर पाया है, वे नहीं जानतीं कि स्वतंत्रता का अर्थ क्या है ?,उनके अधिकार क्या हैं? क्यों वे शिक्षा, रोजी, रोटी या विकास से मरहूम हैं?

वे भी प्रतिभा सम्पन्न हैं, ऊंचाइयों को छू पाने और अच्छे दिनों के आने का सपना उन्होंने भी देखा है. उचित मार्गदर्शन मिलने पर अपनी उपलब्धियों के द्वारा हर चुनौती को पार कर दिखाया है.

विगत दस वर्षों में हमारे प्रदेश झारखण्ड की महिलाओं ने सफलता के नये नये कीर्तिमान स्थापित कर क्षितिज की ऊंचाइयों को छुआ है - अपने सपनों को नई उड़ान दी है,बहुभाषा भाषी ,बहुधर्मा -संस्कृति बहुल प्रदेश में सपने अगर सजते हैं तो संवरते भी हैं -और आकाश छूते शिखरों की ऊंचाई से लेकर-रतनगर्भा धरती के कोने कोने पर इन महिलाओं ने विजय पाई है,महिला उपलब्धियों का आकाश ऊँचा है.

इन आदिवासी और गरीब महिलाओं को पंख मिले तो वे सारे संसार को अपनी मुट्ठी में कैद कर पाने की क्षमता रखती हैं. अपने सुख-दुःख को भूल -अपने संघर्ष के बल पर वे निरंतर आगे बढ़ रही है. इस प्रदेश की

वे भी प्रतिभा सम्पन्न हैं, ऊंचाइयों को छू पाने और अच्छे दिनों के आने का सपना उन्होंने भी देखा है. उचित मार्गदर्शन मिलने पर अपनी उपलब्धियों के द्वारा हर चुनौती को पार कर दिखाया है. विगत दस वर्षों में हमारे प्रदेश झारखण्ड की महिलाओं ने सफलता के नये नये कीर्तिमान स्थापित कर क्षितिज की ऊंचाइयों को छुआ है.

यह भी विशिष्टता रही की पहली बार आयोजित नगर निकाय के चुनावों में महिलाओं की, प्रधानता थी और पहली बार घर-आंगन की सीमा लाँघ कर उन्होंने समाज के विकास की दिशा में अपनी भूमिका सशक्त ढंग से निभाने की और अपना कदम बढ़ाया,,, यह सरकार की और से उठाया गया एक सर्वश्रेष्ठ कदम था,जिन्होंने महिलाओं को आत्म सम्मान देकर उन्हें स्वावलम्बी भी बनाया है, दीपिका, बचेंद्री पाल, प्रेमलता अग्रवाल जैसी महिलाओं पर झारखंड को नाज है, क्योंकि हमारे प्रदेश में यदि संवेदना, मानवता, कर्मठता -ममता जीवित है तो इन विजयिनी -सशक्त मनोबल वाली कर्मठ महिलाओं की ही बदौलत --जो कलम भी चलाती हैं और उद्योग भी, सृजनकर्ता भी हैं और विघ्नहर्ता भी,

-हम जूझ रहे हैं साथ लिए ,
सपनों के सुंदर ताजमहल
श्रम संघर्षों की आवाज उठी -
-क्या अच्छे दिन आएंगे?"

लेकिन जो भूमि सुतायें विकास की धारा से कोसों दूर पीछे छूट गईं हैं, अशिक्षा, गरीबी, अन्धविश्वास और रूढ़िवादिता की बेड़ियों में जकड़ी हुई हैं, उनका उत्थान -विकास ज्यादा जरुरी है, -स्वतंत्रता की पहचान,, उसका उद्देश्य, अर्थ क्या है, उनके लिए यह जानना भी जरुरी है, उनके जीवन यापन के लिए खेती योग्य भूमि प्रदान करना, कृषि के नए आधुनिक तरीकों से परिचित करवाना, उनकी शिक्षा की उचित व्यवस्था, उन्हें सामाजिक और क़ानूनी सुरक्षा देना,भी सरकार का ही कार्य है, -तभी झारखण्ड की नारी अपने मनोबल को ऊँचा रख कर अपने प्रदेश, -परिवार और समाज की सेवा कर पाएगी.

हाँ, चुनौतियां बढ़ीं हैं ,पीढ़ियों की सोच को बदलने के लिए बहुत कुछ अभी किया जाना बाकी है, प्रयास करते रहना है क़ि हम उनके साथ न्याय कर सकें,..उनको स्वतंत्रता के वास्तविक अर्थ को समझाने की जरूरत है ,,स्वतंत्रता सबके हित में हो ,,वर्ग,लिंग,ज़ाति की विभिन्नताओं से परे हो .,तभी अच्छे दिन आ पाएंगे -- लेकिन महिलाओं की स्वतंत्रता का अर्थ उन्मुक्तता नहीं , बल्कि व्यक्तित्व के विकास के समान अवसर उपलब्ध कराना हो तभी वह अपना आसमान खुद बना पायेगी, ये वीर महिलाएं हमारे समाज का गौरव हैं,परिवार की धुरी हैं जहां संस्कारों के बीजमंत्र पनपते हैं.

प्रदेश के विकास के लिए इनका विकास, ज्यादा जरुरी है,तभी हमारी स्वतंत्रता का सार्थक रूप साकार हो पायेगा -और वो स्वतंत्रता जहां हिंसा, गरीबी, आतंक, अशिक्षा , रूढ़ियों को कोई जगह नहीं होगी -वहीं खिलेगा हमारी उम्मीदों का सूरज--! अच्छे दिन जरूर आएंगे -.

-पद्मा मिश्रा
जमशेदपुर

स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं
राकेश कुमार पाण्डेय
चेयरमैन
राकेश कंस्ट्रक्शन कंपनी, किरीबुरु
पश्चिमी सिंहभूम, झारखंड

स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं
मुनाजीर हसन
थाना प्रभारी
किरीबुरु, पश्चिमी सिंहभूम
झारखंड

स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं
नवाज हुसैन उर्फ बिरसा
झारखंड आंदोलनकारी
जगन्नाथपुर, पश्चिमी सिंहभूम, झारखंड

स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं
लागुड़ा देवगम
सदस्य
मानकी-मुंडा न्याय पंच कोर्ट, चाईबासा, सह
मानकी, सारंडा पीढ़, पश्चिमी सिंहभूम, झारखंड

स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं
फणी भूषण
कार्यपालक अभियंता
लघु सिंचाई प्रमंडल
चाईबासा, पश्चिमी सिंहभूम
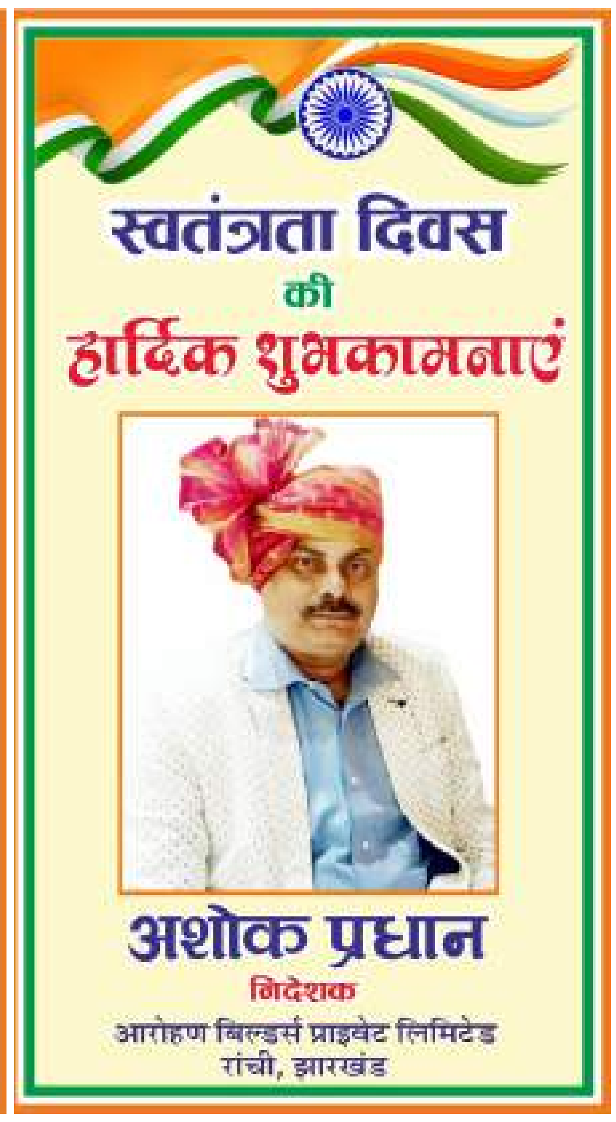
स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं
अशोक प्रधान
निदेशक
आरोहण बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड
रांची, झारखंड

स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं
संजय कुमार सारडा
युवा उद्योगपति सह प्रसिद्ध समाजसेवी
बड़ाजामदा, पश्चिम सिंहभूम, झारखण्ड

स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं
दिवाकर उर्फ दीपू सिंह
प्रोपराईटर
श्री शिव शक्ति ट्रेडर्स, बड़ाजामदा,
पश्चिम सिंहभूम, झारखण्ड

स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं
अरविन्द चौरसिया
अध्यक्ष
माइनिंग एरिया ट्रक ओनर एसोसिएशन, बड़ाजामदा,
पश्चिम सिंहभूम, झारखण्ड

स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं
नीरज कुमार सिंह
वैष्णवी इन्फ्रा प्रोजेक्ट
रांची, झारखंड
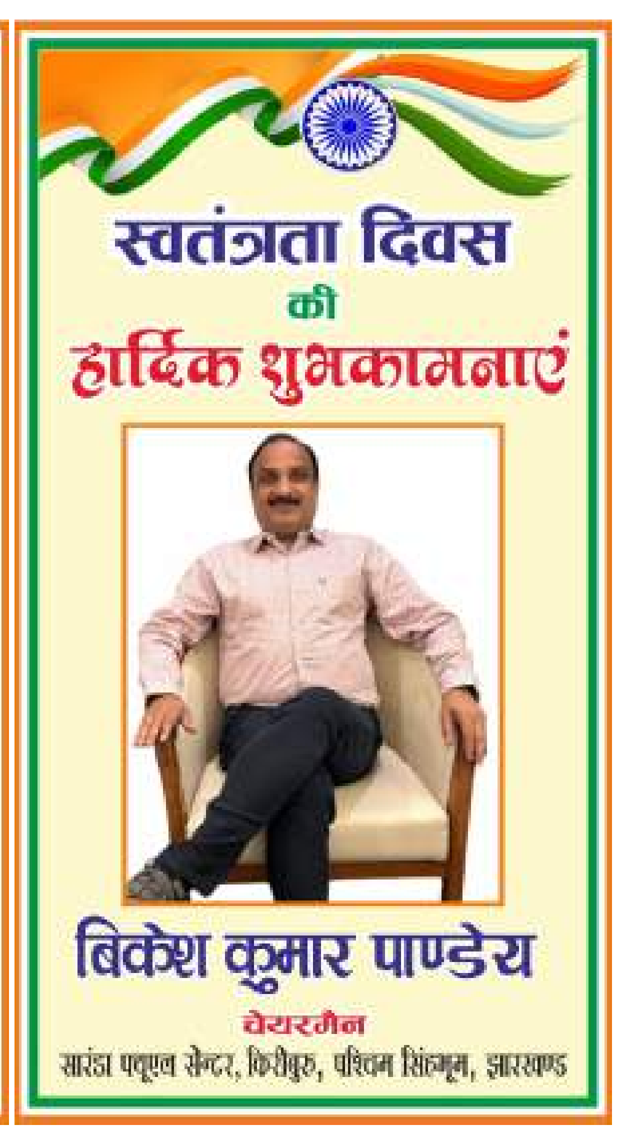
स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं
बिकेश कुमार पाण्डेय
चेयरमैन
सारंडा पब्लिक सेन्टर, किरीबुरु, पश्चिम सिंहभूम, झारखण्ड

स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं
अफ्ताब आलम
मदरसा फैजयाम
अफताब नगर, जगन्नाथपुर, पश्चिम सिंहभूम, झारखण्ड

स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं
मुन्नी देवगम
मुखिया
छोटानागरा पंचायत
पश्चिमी सिंहभूम, झारखंड
कानुराम देवगम
मुंडा
जोजोगुटु
पश्चिमी सिंहभूम, झारखंड

स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं
मंगल गिलुवा
मुखिया
किरीबुरु पूर्वी पंचायत
प्रदेश कार्यसमिति सदस्य
भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा
पूनम गिलुवा
प्रमुख
नोवामुंडी
पश्चिमी सिंहभूम, झारखंड

पोटका विधानसभा में विकास की रफ्तार तेज

पिछली-शंकरदा-बानाडुंगरी समेत चकाचक हो रहीं प्रखंड की सभी प्रमुख सड़कें

संजीव सरदार ने पूरे किये चुनावी वादे

पोटका । उत्तर पोटका क्षेत्र के जीवनरेखा मानी जानेवाली पिछली-शंकरदा-बानाडुंगरी सड़क विस्तारीकरण/ चौड़ीकरण एवं पुनर्निर्माण का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है.

यहां 43.37 करोड़ रुपये की लागत से 21 किमी सड़क का निर्माण किया जाएगा. सड़क पिछली से शंकरदा होते हुये सुंदरनगर जादूगोड़ा मुख्य मार्ग के बानाडुंगरी तक बनेगा, साथ में दामुडीह से चेमाईजुड़ी होते हुये धिरौल से हाता-जादूगोड़ा मुख्य मार्ग धामधुम चौक एवं धिरौल से खांचीबील होते हुये हाता-जादूगोड़ा मुख्य मार्ग के सावनाडीह चौक सड़क बनेगा. यह सड़क पूरी तरह से जर्जर हो गयी थी. विधायक संजीव सरदार के चुनावी वादों का प्रमुख सड़क रहा है यह सड़क, जो बहुप्रतिक्षित मांगों में से एक था.

सभी पंचायतों में हो रहा तीव्र गति से पथ निर्माण

- डुमरिया प्रखंड के भागाबांधी से बेसारपहाड़ी, सालगाडीह, दामुकोचा, भीतरआमदा, फुलझरी होते हुये ओडिशा सीमा तक 9.63 किमी 58.93 करोड़ रुपये से पथ निर्माण
- डुमरिया प्रखंड के सेरालडीह से मंदा होते हुये ओडिशा सीमा तक 15 किमी सड़क निर्माण की स्वीकृति
- पलासबनी पुस्कर चौक से बुरुडीह होते हुये राजाबासा तक 4.50 किमी 4.76 करोड़ रुपये से पथ निर्माण
- धिरौल पंचायत के बांगो से चेमाईजुड़ी भाया रोलडीह 3.22 करोड़ रुपये की लागत से 3 किमी पथ निर्माण
- ग्वालकाटा पंचायत अंतर्गत गोड़ग्राम
- राजांगा से बांकाई भाया शासनघुटू, मोहनाडीह, चुकनुटांड बलियागोड़ा तक 10.19 करोड़ रु. से 10.20 किमी पथ निर्माण
- ग्वालकाटा पंचायत अंतर्गत गोड़ग्राम नरसिंह चौक से धातकीगोड़ा साहारघुटू भाया मुदरूघुटू पांडयाकोचा तक 3.00 करोड़ रुपये से 3 किमी पथ निर्माण.
- तैंतलापोड़ा पंचायत के गाम्भीरकोचा चौक से तिलाईडीह चौक तक 3.01 करोड़ रुपये से 2.70 किमी पथ निर्माण
- डुमरिया के लखाईडीह सिजो डुंगरी से भारखामनी होते हुये ओडिसा सीमा के जरकानी तक पथ निर्माण (लंबाई- 2.11 किमी, लागत- 1.90 करोड़ रुपया)
- हरिणा पंचायत के उदाल बाजार चौक से धातकीडीह, रंगामाटिया होते हुए पापड़ागाड़ु चौक तक पथ निर्माण (लंबाई- 3.53 किमी, लागत- 2.93 करोड़)
- आसनबनी पंचायत के वीरग्राम मुख्य पथ से घेटीडुबा भाया तिलामुड़ा ग्राम तक पथ निर्माण (लंबाई- 2.95 किमी, 1.70 करोड़)
- सानग्राम पंचायत के मुख्य पथ से बुरुडीह ग्राम तक पथ निर्माण (लंबाई-1.20 किमी, लागत- 74 लाख रुपया)
- पोटका प्रखंड के टी-06 से बुनुडीह चौक हरिणा भाया मझगांव, माको, बड़ामघुट, पेंड़ाडीहा, दानीखई पथ का सुदृढ़ीकरण एवं मजबूतीकरण (लंबाई-12.6 किमी, लागत-11.95 करोड़ रुपया)
- जमशेदपुर प्रखंड के केरूआडुंगरी पंचायत यूसिल तुरामडीह पश्चिमी गेट से डुंगरीटोला आहारघुटू होते हुये घोड़ांगा तक 90 लाख रुपये की लागत से पथ निर्माण
- जमशेदपुर प्रखंड के त्रिमुर्ति चौक से गुरुद्वारा, पोस्ट ऑफिस, ग्वाला पट्टी, सुभाष चंद्र बोस चौक होते हुये रेलवे लाल बिल्डिंग तक सड़क चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण (लंबाई-1.70 किमी, 96 लाख रुपया)
- जमशेदपुर-हाता मुख्य पथ करनडीह चौक से राजनगर-जुगसलाई पथ तक पथ निर्माण
- जमशेदपुर प्रखंड के गाड़ाबासा से लाल बिल्डिंग चौक घाघीडीह जेल क्वार्टर के पास से ईमामबाड़ी गाड़ीवान पट्टी होते हुए त्रिमुर्ति चौक आरपीएफ बैरक से महालक्ष्मी मेडिकोल स्टोर तथा ईमामबाड़ी से जगन्नाथ मंदिर खासमहल मुख्य पथ तक सड़क चौड़ीकरण (लंबाई-4.3 किमी, लागत- 2.39 करोड़ रुपया)
- खासमहल चार खंभा से एसपीजी मिशन चर्च प्रेमकुंज चौक से (केशव दास के घर तक) काली मंदिर आरसीडी पथ तक सड़क चौड़ीकरण एवं निर्माण (लंबाई-2.8 किमी, लागत-2.51 करोड़ रुपया)
- जामदा पंचायत के देवली चौक से नुआगांव तक 2.13 करोड़ रुपये की लागत से पथ निर्माण
- जानमडीह पंचायत के रूगड़ीसाई मुख्य पथ से रागड़ासाई जानमडीह चौक तक पथ निर्माण (लंबाई-2.3 किमी, लागत-1.78 करोड़ रुपया)

हरिणा मुक्तेश्वर धाम में बन रहा बायो डायवर्सिटी पार्क

जादूगोड़ा रंकिणी मंदिर में भव्य तोरण द्वार व स्ट्रीट लाइट

पोटका । हरिणा में 24 करोड़ से पर्यटन स्थल बनाने का काम युद्धस्तर पर, 15 करोड़ से होगा रंकिनी मंदिर का विकास झारखंड सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग झारखंड सरकार की ओर से हरिणा मुक्तेश्वरधाम मे 24 करोड़ रुपये की लागत से बायो डायवर्सिटी पार्क (जैव विविधता उद्यान) का निर्माण किया जा रहा है. इसके तहत मंदिर के पूर्व एवं पश्चिमी दिशा मे भव्य प्रवेश द्वार, पार्किंग, दुकान, शेड, शौचालय ब्लॉक, जलपान गृह, हरित गृह, प्रवेश प्लॉजा, फव्वारों के साथ बहता पानी, स्टॉफ के लिये विश्राम गृह, मुख्य मंदिर, नया मंडप, कतार प्रबंधन, वॉच टावर, जलीय उद्यान, नंदी, अखाड़ा, फूलो का बगीचा, पौधशाला मैदान, बांस गार्डेन, जंगली फूल क्षेत्र, अशौषधि पौधो का क्षेत्र, स्वदेशी सपंज क्षेत्र, नक्षत्र वन, विदेशी मशालों का क्षेत्र, चाहरदिवारी बनाने का काम युद्धस्तर पर हो रहा है. इसके पूर्व भी हरिणा मंदिर के विकास मे शेड नर्माण, पेवर्स ब्लॉक रोड, शौचालय निर्माण, हाईमास्क लाईट लगाने का काम किया जा चुका है. विधायक संजीव सरदार के प्रयास से हरिणा को राज्य स्तरीय पर्यटन विभाग सी कैटेगरी मे शामिल किया गया है, जहां प्रतिवर्ष विकास को लेकर एक करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे. वहीं प्रसिद्ध रंकिनी मंदिर जादूगोड़ा मे दो भव्य गेट (तोरणद्वार) एवं रोड स्ट्रीट लाईट का अधिष्ठापन कराया जायेगा, इसका कार्य चल रहा है. यहां धुमकुड़िया भवन का भी निर्माण किया जाएगा. मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने वित्तीय वर्ष 2024-25 से 2025-26 तक कार्यान्वित की जाने वाली अधिसूचित वनभूमि पर वृक्षारोपण एवं भू-संरक्षण योजना (जनजातीय क्षेत्र उपयोजना) के अन्तर्गत रंकिनी मंदिर, जादूगोड़ा के पास स्थित स्थलों के विकास के लिए कुल 1503.62 लाख (पन्द्रह करोड़ तीन लाख बासठ हजार रु०) मात्र की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान किये है, जिससे मंदिर क्षेत्र का संपूर्ण सौंदर्यीकरण किया जायेगा.

पर्यटन, कला संस्कृति एवं खेलकूद

स्टेडियम व सामुदायिक भवन का निर्माण

- जमशेदपुर प्रखंड अंतर्गत पश्चिमी घाघीडीह पंचायत के काचा फुलबॉल मैदान मे स्टेडियम का निर्माण (83.04 लाख रुपया)
- आदिवासियों के पारंपरिक भाषा संस्कृति को संरक्षण एवं प्रोत्साहन हेतु 400 से अधिक गांव मे पारंपरिक नगाड़ा/मांदर और 100-100 पारंपरिक साड़ी का वितरण किया जा रहा है, जिसके तहत 250 से अधिक गांव मे वितरण किया जा चुका है.
- पोटका प्रखंड अंतर्गत माटकु पंचायत के कासफॉम फुलबॉल मैदान मे स्टेडियम का निर्माण (83.04 लाख रुपया)
- डुमरिया के खड़िदा मे माझी परगाना महाल के लिये भव्य अत्याधुनिक सामुदायिक भवन का निर्माण किया गया है.
- पोटका प्रखंड के फुटबॉल टीमो के बीच जर्सी सेट का वितरण किया जा चुका है और किया जा रहा है.

ग्रामीणों को नहीं होगी बरसात में परेशानी, तुलग्राम में बन गया पुल

पोटका । सुदूरवर्ती ग्वालकाटा पंचायत मोहनाडीह के ग्रामीणों को लकड़ी के पुलिया से मिलेगा मुक्ति पोटका प्रखंड के सुदूरवर्ती नारदा पंचायत अंतर्गत तुलग्राम मे मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के तहत 4.27 करोड़ रुपये की लागत से पुल का निर्माण कर दिया गया है. अब यहां के लोगों को बरसात में परेशानी नहीं होगी. यहां पुल नहीं रहने के कारण गांव के लोगों को काफी दिक्कतें होती थी. बरसात के दिनों में तुलग्राम एवं अन्य गांव के लोग बाहर नहीं निकल पाते थे. यहां पुल बनकर तैयार हो गया है. डोमजुड़ी पंचायत के डोमजुड़ी-मुर्गाघुटू के बीच लाउभांगा नदी में पुल निर्माण (लागत- 4.96 करोड़ रुपया) जोरों पर है, जबकि अति सुदूरवर्ती ग्वालकाटा पंचायत के मोहनाडीह गांव मे मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना से पुल का निर्माण 2.87 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है. अब यहां पुल बन जाने से गांव के लोगों को लकड़ी की पुलिया से मुक्ति मिल जाएगी.

पुल-पुलिया का बिछा जाल

- डुमरिया के धोलाबेड़ा चाटानीपानी मे जप नदी पर पुल निर्माण (लागत-3.20 करोड़ रुपया)
- पोटका प्रखंड के सोहदा पंचायत अंतर्गत सिकड़ा-बांशिला-तिरिलघुटू की बीच पुल निर्माण (लागत-3.32 करोड़ रुपया)
- टांगराईन पंचायत के कैरासाई-बाजारगोड़ा के बीच नदी मे पुल निर्माण (2.73 करोड़ रुपया)
- रसुनचोपा पंचायत के बुरुहातु मे तिलिएसेत मे पुलिया का निर्माण (89.29 लाख रुपया)
- पोटका प्रखंड के कालिकापुर पंचायत अंतर्गत खर्राबागान दुध नदी मे पुल का निर्माण (लागत-21.81 लाख रुपया)
- पोटका प्रखंड के हरिणा पंचायत अंतर्गत उदाल एवं बालियाचुआ के बीच नाला मे पुल का निर्माण (लागत-85.30 लाख रुपया)
- पोटका प्रखंड के सोहदा पंचायत अंतर्गत खांड़ु से चाटानीपानी के बीच नाला मे पुल का निर्माण (लागत-83.32 लाख रुपया)
- डुमरिया प्रखंड के बांकीशोल पंचायत अंतर्गत कुंडालुका एवं रोहीनडीह के बीच देशुआ बुलान मे पुल का निर्माण (65.23 लाख रुपया)
- पोटका प्रखंड के तेंतला पंचायत अंतर्गत तेंतला-बड़ा बांदुआ के बीच पुल निर्माण (लागत-3.47 करोड़ रुपया)
- पोटका प्रखंड के जानमडीह पंचायत के ग्राम हारेडीह एवं निश्चिन्तपुर के बीच नाला पर पुल का निर्माण (2.47 करोड़ रुपया) को स्वीकृति.

पोटका के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए नहीं जाना होगा बाहर

खड़ियासाई में डिग्री कॉलेज का शिलान्यास

पोटका । विधायक संजीव सरदार के प्रयास से पोटका के पोटका के खड़ियासाई मौजा में डिग्री कॉलेज का निर्माण किया जाएगा. शिक्षा के क्षेत्र में यह पोटका प्रखंड के लिये ऐतिहासिक पहल है, जो आजादी के 75 साल बाद और झारखंड बनने के 24 साल बाद पुरा होगा. कॉलेज निर्माण के लिये तत्कालीन मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के द्वारा 15 मार्च 2024 को विधिवत शिलान्यास किया गया है. यह काम विधायक संजीव सरदार का प्रमुख चुनावी वादा रहा है. विधायक श्री सरदार के अनुशंसा से पोटका प्रखंड के उत्क्रमित उवि सानग्राम, राजकीयकृत उवि जादूगोड़ा, उवि भालकी, उवि तिरिलडीह एवं उत्क्रमित उवि हेंसड़ा को प्लस टू का दर्जा देते हुये पढ़ाई शुरू किया गया.

वहीं विद्यालय निकेतन प्लस टू उवि हल्दीपोखर मे 15 साल बाद नये भवन में प्लस टू का पढ़ाई शुरू किया गया. वहां भवन का निर्माण 2008 मे पूर्ण हो गया था, लेकिन 15 वर्ष से न तो भवन को हस्तांतरण (हेंडओवर) किया गया था और न ही भवन में कक्षा का संचालन हो रहा था. भवन का निर्माण कर यूं ही बेकार छोड़ दिया गया था, जिससे भवन पुरी तरह से जर्जर हो गया था. भवन के कमी के कारण सैंकड़ों छात्रों को पठन पाठन में काफी परेशानी हो रही थी. विधायक संजीव सरदार चुनाव जीतने के पश्चात निरीक्षण के लिये विद्या निकेतन प्लस टू उच्च विद्यालय हल्दीपोखर पहुंचे तो विद्यालय के शिक्षक एवं स्थानीय ग्रामीणों ने स्थिति से अवगत कराया. विधायक श्री सरदार ने स्थिति को देखकर मामले को विधानसभा मे रखा, जिसके साथ ही तत्कालीन शिक्षा मंत्री जगन्नाथ महतो को अवगत कराएं. इसके पश्चात विद्यालय भवन के मरम्मत हेतु 99.00 लाख रुपये के राशि की स्वीकृति प्रदान दिया गया.

छात्रावास व विद्यालय भवन के निर्माण पर भी ध्यान

- डुमरिया प्रखंड के सुदूरवर्ती लखाईडीह मे 2.24 करोड़ रुपये की लागत बालक एवं बालिकाओं के लिये छात्रावास निर्माण किया जा रहा है.
- पोटका प्रखंड के पल्ली मंगल उच्च विद्यालय कैरासाई मे अतिरिक्त विद्यालय भवन का निर्माण पुरा किया गया.
- मुक्तेश्वधाम उच्च विद्यालय का मरम्मतीकरण कार्य कराया गया.
- कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय मे डाईनिंग हॉल का निर्माण (लागत-13 लाख रुपया)
- पोटका प्रखंड के हेंसलआमदा पंचायत के झगड़साई ग्राम मे प्रावि भवन निर्माण (लागत-19.75 लाख रुपया)
- जमशेदपुर प्रखंड के एसएस उवि करनडीह मे चाहरदिवारी का निर्माण (लागत-10.33 लाख रुपया)
- कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय पोटका मे गार्डरूम का निर्माण (लागत-5.61 लाख रुपया)
- पोटका प्रखंड के तिरिलघुटू उत्क्रमित प्रावि भवन का निर्माण (लागत-15.94 लाख रुपया)
- पोटका प्रखंड के तेंतला पंचायत अंतर्गत बड़ा बांदुआ मे प्राथमिक विद्यालय भवन का निर्माण (लागत-22 लाख रुपया)
- पोटका प्रखंड के हेंसड़ा पंचायत अंतर्गत प्रावि बाघलता मे भवन का निर्माण (लागत-15.94 लाख रुपया)
- पोटका प्रखंड के जामदा पंचायत अंतर्गत प्रावि भेलाईडीह मे भवन का निर्माण (लागत-15.94 ला रुपया)
- पोटका प्रखंड के कोवाली पंचायत अंतर्गत प्रावि पिटीदीरी मे भवन का निर्माण (लागत-15.94 लाख रुपया)
- पोटका प्रखंड के चाकड़ी पंचायत अंतर्गत प्रावि पोड़ाहातु मे भवन का निर्माण (लागत-15.94 लाख रुपया)
- पोटका प्रखंड के तेंतला पंचायत स्थित चारडीहा प्रावि भवन का निर्माण (लागत-19 लाख रुपया)
- पोटका प्रखंड के कालिकापुर पंचायत स्थित उमवि पोगरोसाई भवन का निर्माण (लागत-19 लाख रुपया)
- पोटका प्रखंड के तेंतला पंचायत स्थित तुड़ी उमवि भवन का निर्माण (लागत-19 लाख रुपया)
- पोटका प्रखंड के मानपुर पंचायत स्थित माहलीसाई प्रावि भवन का निर्माण (लागत-15.94 लाख रुपया)
- डुमरिया प्रखंड के धोलाबेड़ा पंचायत स्थित प्रावि नुनिया मे भवन का निर्माण (लागत-16.61 लाख रुपया)
- डुमरिया प्रखंड के कांटशोला पंचायत स्थित प्रावि मारांगसोगा मे भवन का निर्माण (लागत-16.61 लाख रुपया)

Advt.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
GANDHI COLLEGE
• B. PHARMA • B.Sc NURSING
• B. PHARMA Lateral Entry • G.N.M. (Inter Pass) • DMLT
• D. PHARMA • A.N.M. (Inter Pass) • DRESSER
For Details Contact
Mob: 8789000378 / 9661801271

संतोष कुमार गुप्ता
डायरेक्टर, गांधी कॉलेज

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
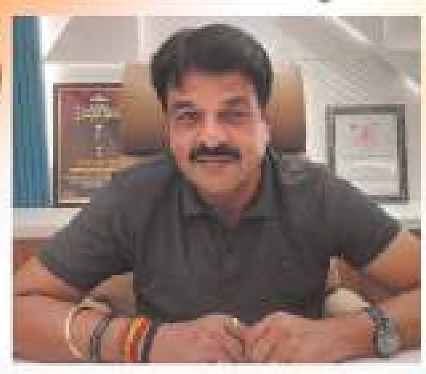
सूरज कुमार भदानी
सिद्धि विनायक होम मेकर्स
कार्यालय : 9 ए गुरुद्वारा रोड -1 बिष्टुपुर
जमशेदपुर। फोन : 0657-2321231

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
उदय सिंहदेव
भाजपा जिलाध्यक्ष
सरायकेला-खरसावां

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
विनय कृष्ण राजू
भाजयुमो नेता सह
रांची ग्रामीण प्रभारी

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
फुलकांत झा
प्रदेश सचिव
फेयर प्राइस शॉप डीलर्स
एसोसिएशन झारखंड सह
वरीय जिला उपाध्यक्ष
कांग्रेस पार्टी
सरायकेला -खरसावां

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अनुराग जायसवाल
जिलाध्यक्ष
भाजयुमो सरायकेला खरसावां

सरायकेला खरसावां
जिला एवं झारखंड
वासियों को
स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

गणेश महाली
भाजपा जिला उपाध्यक्ष
सरायकेला-खरसावां सह
पूर्व प्रत्याशी
सरायकेला विधानसभा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
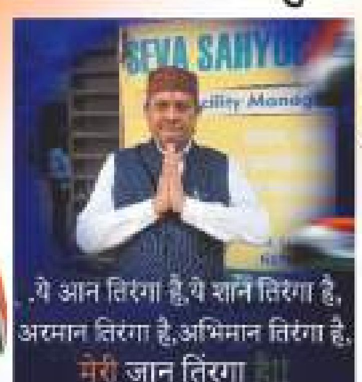

निदेशक :
प्रेम कुमार निर्मल
सेवा सहयोग सिक्योरिटी सर्विसेज
एंड फैसिलिटी मैनेजमेंट

TATA MOTORS
J.M.A STORES PVT. LTD.
MYTH
Maintenance costs for Tata vehicles are high.
FACT
Tata offers a wide network of service centers and affordable spare parts, ensuring that maintenance is both convenient and cost-effective.
55th YEARS

TOLL FREE - 9319485387
SCV CARGO & PICK-UP | CV PASSENGER | MHILCV
CUSTOMER CARE : 9204058373, 9204058424, 9204058377, 9204058376

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
मनोज पासवान
प्रदेश सचिव
लोक जनशक्ति पार्टी
झारखंड

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सतपथी होटल
शेरे पंजाब चौक, आदित्यपुर

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
कल्पना बूटिक
हेवन पैलेस, आदित्यपुर बैंक ऑफ बड़ौदा के समीप,
आदित्यपुर-1 (सरायकेला - खरसावां) झारखंड
निवेदक
प्रो. सुरेंद्र कुमार महतो

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

पुरेंद्र नारायण सिंह
पूर्व उपाध्यक्ष
आदित्यपुर नगर परिषद

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वीरेंद्र यादव
प्रदेश महासचिव राजद,
सह उपाध्यक्ष आदित्यपुर-
गम्हरिया विकास समिति

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
शशांक गांगुली
पूर्व प्रदेश अध्यक्ष
कर्मचारी महासंघ

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

श्रवण कुमार
विद्युत महाप्रबंधक, जमशेदपुर एरिया बोर्ड
देश की उन्नति के लिए ऊर्जा बचाएं

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
उषा रानी झा
राष्ट्रीय पुरस्कार से पुरस्कृत
महिला उद्यमी टाटानगर
इंटरप्राइजेज, आदित्यपुर

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अभय झा
राष्ट्रीय अध्यक्ष
झारखंड युवा जनशक्ति मोर्चा पार्टी

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती दुर्गेश नंदिनी
बाल कल्याण पदाधिकारी

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अमरनाथ ठाकुर
डायरेक्टर
बजरंग इंडस्ट्रियल
सिक्योरिटी सर्विसेज,
आदित्यपुर

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्री विमल कुमार सिंह
सम्मानित प्रदेश आदित्यपुर
झारखंड अराजपत्रित
कर्मचारी महासंघ

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अवधेश कुमार सिंह
झारखंड मजदूर कांग्रेस
कोल्हान प्रभारी

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

श्री राम प्रवेश कुमार
क्षेत्रीय पदाधिकारी, झारखंड
प्रदूषण नियंत्रण पर्षद, जमशेदपुर

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्री संस्कार होम्स
आदित्यपुर
प्रोपराइटर
राजीव रंजन सिंह

FREE ADMISSION
1st Time in Jharkhand
SINGAPORE Based EDUCATION SYSTEM
ADMISSION OPEN
NO School Bags | NO Tiffin Box | NO Home Work

BIRA INTERNATIONAL PUBLIC SCHOOL
TIRILDIH, KOLABIRA
7783818856, 9955307356
Transport & Hostel Available

तात्या टोपे को एक बार नहीं बल्कि दो बार फांसी पर अंग्रेजों ने क्यों लटकाया

अंग्रेजों ने तात्या टोपे को एक बार नहीं बल्कि दो बार फांसी पर लटकाया था. इस किस्से को जानने के लिए गदर के दौर में चलना होगा. साल 1858 में लगातार 9 महीने तक तात्या टोपे ने अकेले जंगलों में रह कर गोरिल्ला वार के जरिए कंपनी की सेना को 6 से 7 बार हराया था. ईस्ट इंडिया कंपनी के 6-6 जनरल हार मान चुके थे.अंग्रेजी तोपों पर काबू पाना तात्या के बाएं हाथ का खेल था.इसी डर की वजह से 18 अप्रैल को जब तात्या को फांसी दी गई तो पहली बार के बाद दूसरी बार भी उनको फांसी पर लटकाया गया जिससे ये पूरी तरह से तय हो जाए कि तात्या अब जिंदा नहीं हैं.

अंग्रेजों का दुश्मन नंबर 1 : जिंदा या मुर्दा पकड़ के लाने पर एक लाख का ईनाम

गदर का वो सिपाही जिसे जिंदा या मुर्दा गिरफ्तार करवाने वाले को कंपनी बहादुर ने 1 लाख रुपए का ईनाम देने की घोषणा की थी वो थे नाना साहेब पेशवा. 1857 की क्रांति में नाना साहेब ने खुद को पेशवा घोषित कर दिया. 80 लाख की पेंशन को ठोकर मार कर नाना अंग्रेजी हुकूमत के सामने डट गए थे.
1858 में अंग्रेजी हुकूमत ने अपने इस दुश्मन नंबर एक को जिंदा या मुर्दा पकड़ लाने के लिए एक लाख रुपये इनाम की घोषणा की थी. आम जनता को इसकी इत्तला देने के लिए बाकायदा इश्तिहार छपवाए गए थे.इस पर्चे को प्रयाग में भी बंटवाया गया था.इश्तेहार का वो पर्चा आज भी प्रयागराज के अभिलेखागार में सुरक्षित रखा है.

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सभी जिला वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

सन्नी सिंकू
पूर्व जिलाध्यक्ष
कांग्रेस, पश्चिम सिंहभूम

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सभी विद्यार्थियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

अर्पित सुमन टोप्पो
सहायक प्रोफेसर
महिला कॉलेज, चाईबासा

पोटका समेत तमाम झारखंड वासियों को स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
होपना महाली
पूर्व मुखिया (कालिकापुर)
सह भाजपा के वरिष्ठ नेता

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
शनि कुमार
समाजसेवी सह
युवा भाजपा नेता

राजा टेंट हाउस की ओर से तमाम झारखंड वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

राजा टेंट हाउस
समाजसेवी गांधी मार्केट,
यूसिल कॉलोनी जादूगोड़ा

मां रंकिणी कॉपरगादी विकास समिति (जादूगोड़ा)
अध्यक्ष दिनेश सिंह सरदार व
मुख्य पुजारी अनिल सिंह की ओर से
सभी
झारखंडवासियों को
हार्दिक
शुभकामनाएं

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
परेश कुमार उर्फ
पीके नंदी
प्रेसिडेंट
नेताजी सुभाष मंच

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
ललन शुक्ला
झारखंड प्रदेश सोशल
मीडिया प्रभारी, भाजपा
किसान मोर्चा झारखंड

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सभी जिला वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ मुरारी बैध
सहायक प्रोफेसर
जीसी जैन कॉमर्स कॉलेज

The Gym Palace and Bharat Tour and Travels
की ओर से पूरे जादूगोड़ा वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

संदीप शर्मा
Matigoda Main
Road Jadugoda

भाजपा अनुसूचित जनजाति
प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह
पोटका सांसद प्रतिनिधि
उपेंद्र नाथ सरदार
की ओर से
पूरे पोटका वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
रूपेश कतरियार
अध्यक्ष, इंडस्ट्रियल स्टेबिलिटी एंड
रिफॉर्म ऑर्गनाइजेशन (इसरो)

यूसिल की मान्यता प्राप्त श्रमिक संगठन यूरेनियम मजदूर संघ की ओर से सभी यूसिल कर्मियों समेत देश वासियों को स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

श्री पुष्प राज
कार्यालय मंत्री एवं समाजसेवी
यूरेनियम मजदूर संघ

यूरेनियम कामगार यूनियन, जादूगोड़ा की ओर से यूसिल के सभी कर्मचारियों को

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
कैसर एजाज हाशमी
महासचिव
यूरेनियम कामगार यूनियन

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
सतीश शर्मा
संरक्षक, नरेंद्र मोदी
फैंस क्लब सह भाजपा
नेता सरायकेला

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सभी जिला वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

जगमोहन सवैया
मुखिया
हरिला पंचायत,
सदर चाईबासा

Health Point Multi Gym, Sunder Nagar, Near Ram Mandir, Jamshedpur

की ओर से पूरे सुंदरनगर समेत तमाम झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक बधाई
Prop. पप्पू शर्मा
सुंदरनगर, जमशेदपुर
9113397993

सभी देश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
अनिता मुर्मू
डोमजूड़ी पंचायत मुखिया
राजदोहा, पूर्वी सिंहभूम झारखंड

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

बृजमोहन सिंह
जिला अध्यक्ष पूर्वी सिंहभूम
लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास)
वीरेन्द्र प्रधान
प्रदेश अध्यक्ष, झारखंड
लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास)

माझी बाबा सह माझी परगना माहाल देश जायरेत धाड़ दिशोम, नरवा पहाड़ यूसिल कॉलोनी की ओर से पोटका समेत पूरे झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस की

हार्दिक बधाई
बिरेन टुडू
नरवा पहाड़ यूसिल कॉलोनी

सभी सिंहभूम वासियों को

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
माझी युवराज टुडू
राजदोहा ग्राम प्रधान, पोटका
पूर्वी सिंहभूम

MADHUSUDAN
Nurturing Young Talents...
RESIDENTIAL | CO-EDUCATION | ENGLISH MEDIUM
MADHUSUDAN, A Trusted Name in the Field of Quality Education
MSM CBSE | MPS CBSE
30 Years of Glorious Journey
MADHUSUDAN wishes all the Parents, Teachers, Students & Well Wishers a
HAPPY INDEPENDENCE DAY

S. S. MAHTO
CHAIRMAN
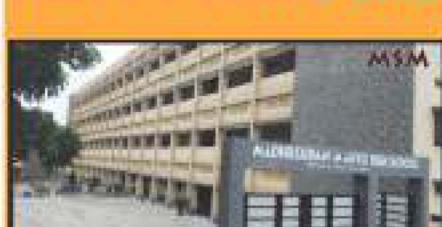

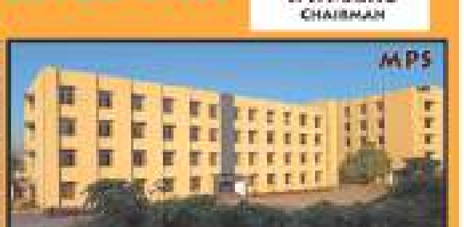

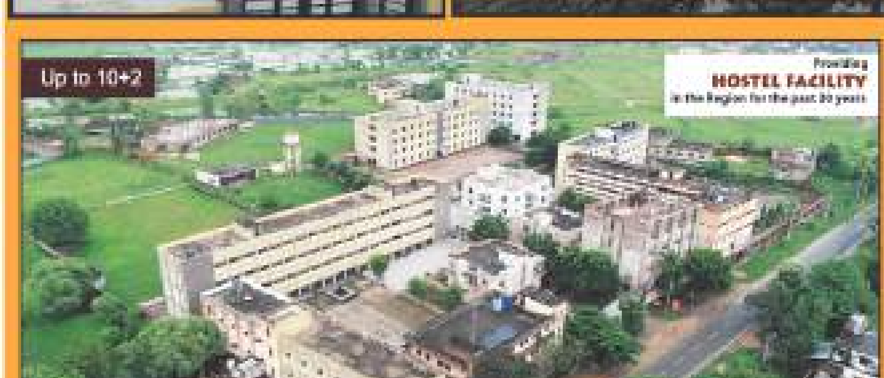

स्वतंत्रता दिवस
पर आप सभी को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

मधु कोड़ा
पूर्व मुख्यमंत्री, झारखण्ड
गीता कोड़ा
पूर्व सांसद, सिंहभूम, झारखण्ड
निवेदक : गीता कोड़ा पूर्व सांसद, सिंहभूम लोकसभा, झारखण्ड

किताब के पन्ने को रिवॉल्वर के आकार में काटने वाले ऊधम

ऊधम सिंह भगत सिंह को अपना आदर्श मानते थे. भगतसिंह की फोटो अपनी जेब मे रखते थे . खुद को राम प्रसाद बिस्मिल का फैन कहते थे. जिसने 21 साल बाद लिया था जलियांवाला बाग नरसंहार का बदला. वो थे सरदार ऊधम सिंह. 6 साल की उम्र में अनाथ होने वाला ये शहीद बचपन में शेर सिंह नाम से जाना जाता था. लेकिन भारतीय समाज की एकता के लिए उन्होंने अपना नाम बदलकर राम मोहम्मद सिंह आजाद रख लिया था.

समाज की एकता के लिए उन्होंने अपना नाम बदलकर राम मोहम्मद सिंह आजाद रख लिया था.

सरदार ऊधम सिंह ने लंदन में माइकल फ्रेंसिस ओ डायर को दो गोली मारी थी. ऊधम सिंह अपनी रिवॉल्वर किताब में छिपा कर लेकर गए थे. जिसके लिए पहले किताब के पन्ने रिवॉल्वर के आकार में काटा था और किताब के अंदर रिवॉल्वर रख कर लेकर गए थे. 31 जुलाई 1940 को सरदार ऊधम सिंह को फांसी दी गए थी.

मंगल पांडे ने अपनी रायफल से अंतिम गोली किसे मारी थी

क्या आप जानते हैं कि गिरफ्तारी से पहले मंगल पांडे ने आखिर अपनी रायफल से अंतिम गोली किसे मारी थी...वो दिन था 29 मार्च 1857 का. शाम के 4 बज रहे थे. बैरकपुर की छावनी में कारतूस पर लगी चर्बी को लेकर काफी संदेह था.34वीं बंगाल ईंफैन्ट्री के मंगल पांडे ने इसी उहापोह को लेकर अपने साथी सैनिकों से बात शुरू की. छावनी के सार्जेंट मेजर जेम्स ह्यूसन को लगा कि मंगल पांडे सैनिकों को भड़का रहा है. तभी गुस्से से तमतमाए मंगल पांडे ने जेम्स ह्यूसन पर रायफल से पहला फायर कर दिया. लेकिन निशाना चूक गया. गोली की आवाज सुनकर लेफ्टिनेंट बेंपदे बाग भी अपने घोड़े पर वहां आया. मंगल ने दूसरा फायर उस पर किया लेकिन ये निशाना भी चूक गया.और आखिर में मंगल पांडे ने रायफल की नाल अपने सीने से सटाई और पैर के अंगूठे से फायर कर दिया. जिसके बाद मंगल की वर्दी में आग लग गई.

मंगल पांडे ने रायफल की नाल अपने सीने से सटाई और पैर के अंगूठे से फायर कर दिया. जिसके बाद मंगल की वर्दी में आग लग गई. मंगल को गिरफ्तार कर लिया गया

मंगल को गिरफ्तार कर लिया गया. मंगल को फांसी हुई लेकिन उनको फांसी देने वाले जल्लाद ही भाग गए.और विद्रोह फैलने के डर से अंग्रेजों ने मंगल पांडे को तय 18 अप्रैल से 10 दिन पहले 8 अप्रैल को ही फांसी दे दी थी.

जनतांत्रिक मूल्यों के साथ जीना सीखें हम

हां, ये भारतवर्ष ही ,
संसार का सिरमौर है ।
ऐसा पुरातन देश कोई,
विश्व में क्या और है ?
भगवान की भव भूतियों का
यह प्रथम भंडार है,
विधि ने किया नर सृष्टि का
पहले यहीं विस्तार है।

किसी भी देश के स्वभाव में आशा - निराशा के स्वर हमेशा समानुपात भाव से संचरित होते रहते हैं । स्थिति - परिस्थिति कोई भी हो, हम मनुष्य किसी लक्ष्य को पाने के पहले और किसी लक्ष्य को पाने के बाद अलग - अलग दृष्टि से परिस्थितियों और परिणामों का आकलन करते हैं। शायद इसलिए आजादी के सतहत्तर साल पूरा होने के बाद भी जब हम स्वतंत्रता दिवस का उत्सव मनाते हैं तो इस अवसर पर दो अलग-अलग तरह के स्वर हमें सुनाई देते हैं। एक तरफ से उपलब्धियों के जय घोष का स्वर हम तक आता है, तो दूसरी ओर से चुनौतियों के चिंतन और असंतोष की तीखी और कर्कश आवाज भी हम तक पहुंचती है। पर ऐसे विपरीत समय में भी यह जरूरी है कि राष्ट्र का हर नागरिक राष्ट्रप्रेम के बोध को धुंधला न पड़ने दें और अपने हृदय की धरती पर आत्मविश्वास और आत्म गौरव की पताका को लहराता रहे।

आये नहीं थे स्वप्न में भी जो
किसी के ध्यान में,
वे प्रश्न पहले हल हुए थे एक
हिन्दुस्तान में!
सिद्धान्त मानव-जाति के जो
विश्व में वितरित हुए,
बस, भारतीय तपोवनों में थे
प्रथम निश्चित हुए॥

भारत कुछ इसी तरह के गौरवशाली इतिहास को अपने चतुर्दिक समेट कर रखता है ।हम चिंता भी करते हैं और चिंतन भी। विशिष्ट संस्कृति और विस्तृत जनसंख्या समूह के कारण राष्ट्र के समक्ष हर समय अभूतपूर्व चुनौतियां रही हैं । अच्छी बात यह है कि हम समस्याओं की ही बात नहीं करते बल्कि समाधान पर भी अपनी विहंगम दृष्टि रखते हैं।

किसी भी जीवंत राष्ट्र के लिए यह जरूरी भी है कि हम हमेशा दोनों ही पक्षों पर अपनी दृष्टि रखें ।

इसमें कोई संदेह नहीं कि बहुत सारी ऐसी उपलब्धियां और कामयाबी देश के हिस्से में हैं जो राष्ट्र के गौरव में मयूर पंख लगाते हैं ।

आज भारत एक आत्मनिर्भर देश के रूप में एक मजबूत अर्थव्यवस्था के साथ अपने पैरों पर खड़ा हुआ है । देश के सर्वोच्च पद पर आदरणीया द्रौपदी मुर्मू जी का आसीन होना , जनतांत्रिक व्यवस्था और गणतंत्र के प्रति हमारी आस्था को पुष्ट करता है। यह सिर्फ आदिवासी समाज के सम्मान का ही विषय नहीं, बल्कि देश के महिलाओं के आत्मविश्वास और आत्मसम्मान का द्योतक है।

आजादी का अमृत महोत्सव मनाता हुआ यह राष्ट्र आज भी शहीदों की पावन स्मृति के प्रति नतमस्तक होते हुए अपने गौरवशाली भविष्य की ओर बढ़ रहा है।

हर घर तिरंगा का जयघोष हर व्यक्ति की धमनियों में राष्ट्र के प्रति समर्पित होने वाली भावना का संचार करता है। नई शिक्षा नीति 2020 के दिशा निर्देश के अनुपालन से एक बार फिर शिक्षा में भारतीयता का स्वर गुंजित होगा और देशभक्त युवा पीढ़ी के निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया जायेगा।

पर दूसरी ओर गरीबी का दंश, नेताओं की भ्रष्टाचार में लिप्तता, उनके आवास और निजी वाहनों से मिलता काला धन, संसद और टी वी चैनलों पर उनकी अमर्यादित भाषा, धर्म और संप्रदाय के नाम पर आपसी वैमनस्यता और वस्तुओं की जमाखोरी इत्यादि ऐसे विषय हैं जो अभी भी हमें चिंता से मुक्त होकर जनतंत्र का गुणगान करने नहीं देते।

निष्पक्ष भाव से मीमांसा करने के लिए आवश्यक है कि हम सभी एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते आत्मावलोकन करें।

"स्वराज्य हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है" इस पंक्ति की अनुगूंज भारत में फैलाने वाले बाल गंगाधर तिलक ने शायद ही कभी सोचा होगा कि हम भारतीय लोग एक दिन स्वराज्य का अर्थ अपने - अपने हिसाब से लगा बैठेंगे और फिर ये देश हमारे द्वारा दी गई आजादी की अलग - अलग परिभाषाओं में जकड़ कर अपनी मूल पहचान खो बैठेगा ।

दरअसल आजादी का अर्थ सिर्फ उपभोग करना नहीं होता, बल्कि आजादी का अर्थ होता है, स्वयं के भीतर एक सकारात्मक ऊर्जा, एक आत्मविश्वास और समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारियों का अहसास जगाना । हर नागरिक इस राष्ट्र में खुद को एक जैसा ही स्वतंत्र और अधिकार संपन्न समझे, ऐसे निर्भीक वातावरण का निर्माण करना।

आज के परिप्रेक्ष्य में हर भारतीय के लिए इस प्रश्न के साथ साक्षात्कार करना बहुत जरूरी है कि स्वतंत्रता के सतहत्तर साल बाद हम सबों के लिए आजादी के मायने क्या हैं? क्या हमारे मन और विचारों की आजादी देश की सुरक्षा और अस्मिता - अखंडता से भी अधिक अहमियत रखती है? यदि जवाब हाँ है तो यह किसी भी व्यक्ति और वतन दोनों के लिए ही खतरे का संकेत है ।

धर्म-संप्रदाय की आड़ तले इंसानियत को शर्मसार करने वाली करतूतें, देश के नेताओं का चारित्रिक पतन और धन लिप्सा, अनैतिकता की चरमसीमा तक जा पँहुचने वाली हमारी हरकतें, पर्यावरण के प्रति हमारी संवेदनशून्यता, कहीं न कहीं यह इशारा कर रही है कि हमने आजादी का अर्थ नहीं बल्कि अनर्थ लगा लिया है।

आइए, देश को नई दिशा दें , एक ऐसी युवा शक्ति का निर्माण करें जो अपने आत्मा की प्रतिध्वनि सुनें और अपने कर्तव्यों के प्रति ईमानदार हो। ऐसे युवा हैं हमारे इर्द-गिर्द। उनके लिए रास्ता दीजिए, साथ ही अपने अनुभवों की भेंट भी। आज देश तकनीक और अभियांत्रिकी के क्षेत्र में इन ऊर्जस्वित युवाओं के बलबूते ही कामयाबी के सोपान लाँघ रहा है, फिर देशभक्ति और राष्ट्र की गरिमा के आँगन में सवालों का सन्नाटा क्यों? तो अब देर न करें। आजादी की खूबसूरती को बनाये रखने की जिम्मेदारी से मुँह न मोड़ें । याद रखें समन्दर की विशालता के पीछे हर उस बूँद की भूमिका है जिसने अपने अस्तित्व को स्वाहा कर समन्दर के अस्तित्व को मजबूत बनाया है। आइए हम सभी उसी बूँद की तरह खुद को गौण रखकर इस भारत भूमि की गरिमा को आलोकित करें।

-डॉक्टर कल्याणी कबीर
प्राचार्या, रंभा डिग्री कॉलेज,
जमशेदपुर, झारखंड

भगत सिंह जिस क्रांतिकारी को मानते थे अपना आदर्श

साढ़े उन्नीस साल का वो क्रांतिकारी जिसे भगत सिंह अपना आदर्श मानते थे. उस करतार सिंह सराभा ने सात समंदर पार अमेरिका से अंग्रेजों की चूलें हिला दी थीं. कनाडा और अमेरिका में रह रहे 8 हजार भारतीयों को मिलाकर गदर की शुरुआत की. भारत को आजाद कराने के लिए 20वीं सदी का ये पहला सशस्त्र विद्रोह था.16 नवंबर 1915 को लाहौर जेल में करतार सिंह सराभा को फांसी दे दी गई.

अंग्रेजों को सतपुड़ा के जंगलों में खदेड़ने वाला भीमा नायक

अंग्रेजों के खिलाफ एक आदिवासी सेना का विद्रोह जिसने देखते देखते अंग्रेजों को सतपुड़ा के जंगलों में खदेड़ दिया.ये कहानी है भीमा नायक की.मध्य प्रदेश के जंगलों में भीमा नायक ने करीब 3 हजार आदिवासियों को इकट्ठा कर आदिवासी लड़ाकों की टुकड़ी बना डाली. श्री.अंबापानी की जंग में अंग्रेजों को हराने के बाद निमाड़ में तात्या टोपे ने भीमा का अपने खून से तिलक किया था. भीमा नायक को निमाड़ का रॉबिनहुड कहते थे.

एक करीबी के धोखे ने भीमा नायक को गिरफ्तार करवाया जिसके बाद भीमा को काला पानी की सजा हुई और 1876 में भीमा नायक ने शहादत पाई.

रानी लक्ष्मीबाई किसको भेजी थीं सोने का पत्र

झांसी बचाने के लिए लक्ष्मीबाई ने सोने के पत्र पर फारसी में एक खत ऑस्ट्रेलियन वकील जॉन लैंग को लिखा था, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री टोनी एबॉट को 2014 में भेंट किया था. झांसी के राज को बचाने के लिए पहले लक्ष्मीबाई ने कानून का सहारा लिया था और 1854 में जॉन लैंग ने रानी लक्ष्मीबाई की ओर से ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ याचिका दायर की थी. जॉन ने ये पिटीशन अंग्रेजी में दायर की थी,जिस पर उसका साइन भी था.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मधु सोरेन

माझी परगना महाल एडवाइजरी बोर्ड का सदस्य

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

कुसुम पूर्ती

जिला परिषद भाग संख्या-6 पूर्वी सिंहभूम

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

शंकर प्रसाद कुशवाहा

थाना प्रभारी, सुंदरनगर

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

विवेक त्रिवेदी

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी सुंदर नगर

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

विक्की साहू

सुंदरनगर गोराधी

झारखंड वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

नागेश जायसवाल
कोषाध्यक्ष

मोहन साव 'पारस'
अध्यक्ष

प्रमोद गुप्ता
महासचिव

फेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन

पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

बारी मुर्मू

जिला परिषद, अध्यक्ष

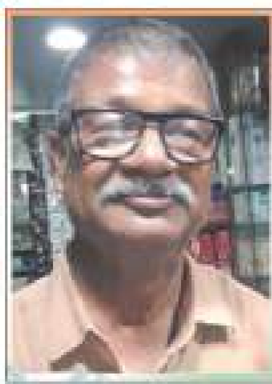

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अशोक अग्रवाल

अध्यक्ष

सुंदर नगर व्यापार मंडल

झारखंड वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सरदार शैलेंद्र सिंह

चेयरमैन

सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी जमशेदपुर एवं

अध्यक्ष

झारखंड प्रदेश गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी

झारखंड वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. अजय कुमार

बन्ना गुप्ता

पीएन झा

धर्मेंद्र सोनकर

बबलु झा
वरीय उपाध्यक्ष

अजितेश उज्जैन

अभिजीत सिंह

शशि भूषण प्रसाद

पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमिटी

झारखंड वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

भरत सिंह

महासचिव

पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमिटी

झारखंड वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

काशिफ रजा

प्रदेश अध्यक्ष

आजाद समाज पार्टी

झारखंड, जमशेदपुर

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर समस्त झारखंडवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

दिशोम गुरु शिबु सोरेन

पूर्व मुख्यमंत्री, झारखंड सरकार, सुप्रीमो, झामुमो

चम्पई सोरेन
मंत्री, झारखंड सरकार जल संसाधन विभाग

रामदास सोरेन
घाटशिला विधायक, जिलाध्यक्ष झामुमो, पूर्वी सिंहभूम

सविता महतो
ईचागढ़ विधायक

कल्पना सोरेन
गांडेय विधायक

हेमंत सोरेन

मुख्यमंत्री, झारखंड सरकार

मंगल कालिंदी

विधायक, जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र सचेतक, सत्तारूढ़ दल, झारखंड विधानसभा

झारखंड सरकार द्वारा महिलाओं को आर्थिक सहायता हेतु लाई गई मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना की देवघर पंचायत भवन में शुभारंभ करते विधायक मंगल कालिंदी

विधायक मंगल कालिंदी द्वारा जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत निम्नलिखित [illegible]

मॉनसून सत्र 2024 में विधायक मंगल कालिंदी की ओर से उठाई गई मांगें : १. चांडिल डैम से पटमदा एवं बोड़ाम प्रखंड के क्षेत्रों में सिंचाई का पानी पहुंचाना। २. यूसीआईएल द्वारा नदी में औद्योगिक गंदा पानी छोड़ने के कारण इंटेकवेल से प्रदूषित पानी के खिंचाव को रोकने एवं खरकई नदी में चेकडैम का निर्माण करने। ३. कुड़माली, हो, मुण्डारी, संथाल, भूमिज एवं उरांव भाषा के शिक्षकों की संख्या बढ़ाने। ४. पटमदा एवं बोड़ाम प्रखंड की अनियमित विद्युतापूर्ति की समस्या का समाधान करने। ५. पटमदा डिग्री कॉलेज, जाल्ला में छात्रावास का निर्माण करने।

विधायक मंगल कालिंदी के प्रयास से बोड़ाम के निर्शिंहपुर में बन रहा डिग्री कॉलेज क्षेत्र के बच्चों के लिए मील का पत्थर साबित होगी

विधायक मंगल कालिंदी के अथक प्रयास से 288 करोड़ रुपये से स्वीकृत जल नल योजना के अंतर्गत आमाझोर में बन रहा प्लांट